MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 27 जनवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-26

सर्वशक्तिमान भारत

कर्तव्य पथ पर झाँकी हिन्दुस्तान की

नयी दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी में 77वें गणतंत्र दिवस के मौके पर सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के ऐतिहासिक कर्तव्य पथ पर देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, असीम सैन्य शक्ति और सशस्त्र बलों के जांबाजों की लयबद्ध कदमताल का भव्य तथा अनूठा नजारा देखने को मिला। इस बार की परेड मस्वतंत्रता के मंत्र - वंदे मातरम और समृद्धि के मंत्र - आत्मनिर्भर भारतफविषय पर आधारित थी।

समारोह की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगमन के साथ हुई। सबसे पहले वह राष्ट्रीय समर स्मारक पर पहुंचे और देश की खातिर सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने यहां दो मिनट का मौन भी रखा और इसके बाद वह कर्तव्य पथ पहुंचे, जहां पर उन्होंने उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, मुख्य अतिथि के तौर पर समारोह में पधारे विदेशी मेहमानों यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन का स्वागत किया।

गणतंत्र दिवस के मौके पर यूरोपीय संघ के दो शीर्ष नेताओं को पहली बार मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया था। इस बार गणतंत्र दिवस समारोह मवंदे मातरम के 150 वर्षफ्पूरे होने के विषय पर समर्पित रहा। गणतंत्र दिवस परेड, सांस्कृतिक प्रदर्शन, झांकियां और अन्य कार्यक्रम इसी विषय वस्तु पर आधारित थे। इस तरह से भारत का राष्ट्रीय गीत स्वतंत्रता, सांस्कृतिक अभिव्यक्ति और वर्तमान की राजनीतिक आकांक्षाओं को जोड़ते हुए इस साल के समारोह के केंद्र में था। परेड की शुरूआत से पहले राष्ट्रपति ने ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को शांति काल के सर्वोच्च सम्मान अशोक चक्र से सम्मानित किया।

इस साल की परेड में पारंपरिक मार्चिंग दस्तों और रक्षा प्रदर्शनों के साथ ही पहली बार भारतीय सेना की युद्ध व्यूह रचना भी प्रदर्शित की गयी। परेड में सैनिक अनुशासन, सांस्कृतिक विरासत और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व का सामंजस्यपूर्ण प्रदर्शन देखने को मिला। इसमें राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों की झांकियों ने भारत की सांस्कृतिक विविधता को रेखांकित किया। देश के विभिन्न राज्यों की राजधानियों, जिलों, शैक्षिक संस्थानों और स्थानीय समुदायों में ध्वजारोहण समारोह, आधिकारिक आयोजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये।

इस साल स्वतंत्रता के मंत्र - वंदे मातरम और समृद्धि के मंत्र - आत्मनिर्भर भारत विषयों पर आधारित राज्यों, संघ शासित क्षेत्रों और केंद्रीय मंत्रालयों की कुल 30 झांकियां परेड में शामिल हुईं। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में लगभग 2500 कलाकारों ने भाग लिया।

इस साल के समारोह में देश भर से किसानों, हस्तशिल्पियों, वैज्ञानिकों, नवोन्मेषकों, महिला उद्यमियों, छात्रों, खिलाड़ियों, प्रमुख सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों और अग्रिम पंक्ति के कर्मियों समेत लगभग 10000 विशेष अतिथियों को आमंत्रित किया गया था। गणतंत्र दिवस परेड में इस वर्ष एक अनूठी पहल देखने को मिली, जिसके तहत परेड देखने आने वाले लोगों के लिए बनी दर्शक दीर्घाओं के नाम देश की विभिन्न नदियों के नाम पर रखे गये थे।

सरकार के अनुसार नदियाँ गहन सांस्कृतिक प्रतीक हैं जो सभ्यताओं की जीवनधारा, सामूहिक विरासत और सांस्कृतिक विविधता के भंडार के रूप में कार्य करती हैं। नागरिकों को इसका एहसास कराने के लिए इस बार देश भर की नदियों ब्यास, ब्रह्मपुत्र, चंबल, चिनाब, गंडक, गंगा, घाघरा, गोदावरी, सिंधु, झेलम, कावेरी, कोसी, कृष्णा, महानदी, नर्मदा, पेन्नार, पेरियार, रावी, सोन, सतलुज, तीस्ता, वैगई और यमुना के नाम पर दर्शक दीर्घाओं का नाम रखा गया। गौरतलब है कि इससे पहले दर्शक दीर्घा अंकों (जैसे एक, दो, तीन और चार इत्यादि) पर आधारित होते थे।इस वर्ष सरकार ने लोगों को समारोह स्थल पर आकर्षित करने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किये थे। सरकार ने गणतंत्र दिवस समारोह से नागरिकों, विशेष तौर से युवाओं और रचनात्मक समुदायों को जोड़ने के लिए माई गाँवफ्और माई भारत जैसे मंचों के जरिए राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिताएं आयोजित की थीं जिनमें स्वतंत्रता के मंत्र - वंदे मातरम पर निबंध प्रतियोगिता, समृद्धि के मंत्र - आत्मनिर्भर भारत पर पेंटिंग प्रतियोगिता, मवंदे मातरमफ्पर गायन प्रतियोगिता, अंतरिक्ष और खेलों में भारत की उपलब्धियों और राष्ट्रीय विकास कार्यक्रमों जैसे विषयों पर क्विज प्रतियोगिताएं शामिल थीं। ।

सरकार ने लोगों को इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए गणतंत्र दिवस, 2026 के लिए समर्पित माई भारत पोर्टल के जरिए आमंत्रित किया था।

परेड के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये थे। जगह-जगह पर सुरक्षाकर्मी तैनात थे। सुरक्षा बलों के जवान सीसीटीवी के माध्यम से समारोह में आने वाले हर व्यक्ति की गतिविधियों पर नजर रख रहे थे।

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने हासिल की 95% केस निपटान दर

कानून का राज

हैदराबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह ने सोमवार को घोषणा की कि पिछले एक वर्ष में न्यायालय ने 95% मामलों के निपटान की दर हासिल की है। उच्च न्यायालय में आयोजित 77वें गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर तिरंगा फहराने के बाद कानूनी बिरादरी को संबोधित करते हुए उन्होंने यह जानकारी दी।

मुख्य न्यायाधीश ने बताया कि पिछले एक वर्ष के दौरान लगभग 79,000 नए मामले दर्ज किए गए, जिनमें से 75,419 मामलों का निपटान किया गया। विशेष बात यह है कि यह उपलब्धि तब हासिल हुई जब न्यायालय अपनी कुल न्यायिक क्षमता के मात्र 70% के साथ कार्य कर रहा है।

न्यायिक बुनियादी ढांचे के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, न्यायिक बुनियादी ढांचे में निवेश करना वास्तव में कानून के शासन में निवेश करना है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि राजेंद्र नगर में उच्च न्यायालय के नए परिसर का निर्माण कार्य अच्छी प्रगति पर है।

संविधान: एक जीवंत दस्तावेज

मुख्य न्यायाधीश सिंह ने कहा कि गणतंत्र दिवस हमें याद दिलाता है कि न्याय कोई अमूर्त आदर्श नहीं बल्कि एक दैनिक खोज है। उन्होंने जोर दिया कि संविधान की भावना केवल संस्थानों या अदालतों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे हर व्यक्ति, हर समुदाय और हर घर तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि न्यायपालिका को विकसित होती मानवीय आकांक्षाओं और अधिकारों के बीच के संघर्ष के प्रति जागरूक रहना चाहिए। ▶10पर

विकसित तेलंगाना

$3 ट्रिलियन लक्ष्य : राज्यपाल

हैदराबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। विकसित भारत के संकल्प के साथ कदम मिलाते हुए, जिसका लक्ष्य 2047 तक भारत को 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है, तेलंगाना ने भी 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। सोमवार को परेड ग्राउंड में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद जनसमूह को संबोधित करते हुए राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने यह बात कही। राज्यपाल ने कहा कि मतेलंगाना राइजिंग – विजन 2047फदस्तावेज़ पिछले साल दिसंबर में वैश्विक नेताओं और निवेशकों की उपस्थिति में अनावरण किया गया था, जो राज्य की इस विकास यात्रा का रोडमैप है।

राज्यपाल ने विजन 2047 दस्तावेज़ का विवरण देते हुए बताया कि सरकार राज्य में तीन संतुलित आर्थिक क्षेत्रों को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है:

1.CURE (Core Urban Region Economy): इसमें

हैदराबाद विकास के मुख्य इंजन के रूप में कार्य करेगा।

2.PURE (Peri Urban Region Economy): यह क्षेत्र आउटर रिंग रोड (ORR) और रीजनल रिंग रोड (RRR) के बीच विकसित किया जाएगा।

3.RARE (Rural Agriculture Regional Economy): रीजनल रिंग रोड के बाहर का क्षेत्र, जो ग्रामीण और कृषि आधारित अर्थव्यवस्था पर केंद्रित होगा।

विकसित भारत 2047 तक भारत को 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के रूप में बदलने की कल्पना करता है। इस राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप, तेलंगाना ने 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रखा है, जो देश की कुल वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान देगा। मतेलंगाना राइजिंग – विजन 2047फ दस्तावेज़ इसी आकांक्षा को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है, वर्मा ने कहा। राज्यपाल ने सरकार की समावेशी नीतियों पर चर्चा करते हुए बताया कि तेलंगाना के इतिहास में पहली बार, एक कैबिनेट बैठक मेदारम के आदिवासी गाँव में आयोजित की गई थी। उन्होंने कहा कि यह कदम द्विवार्षिक ममेदारम आदिवासी उत्सवफ को अत्यधिक महत्व देने और जनजातीय विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

राजा सिंह को धमकी!

हैदराबाद, 26 जनवरी (एजेंसियाँ)। गोशामहल से विधायक टी. राजा सिंह ने सोमवार को खुलासा किया कि उन्हें उनके आवास पर एक धमकी भरा पत्र मिला है। इस घटना के बाद उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और राज्य सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

विधायक के अनुसार, यह पत्र कथित तौर पर अब्दुल हफीज नामक व्यक्ति द्वारा भेजा गया है, जिसमें अभद्र भाषा और जान से मारने की धमकी दी गई है। राजा सिंह ने बताया कि पहले भी उन्हें इसी तरह के पत्र और धमकी भरे फोन आते रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

पुलिस ने आधार कार्ड देखकर छोड़ दिया

समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए राजा सिंह ने कहा, कल शाम मेरे घर के पते पर एक धमकी भरा पत्र आया। पहले भी कई ऐसे पत्र आ चुके हैं। हमने डीजीपी, पुलिस कमिश्नर और यहां तक कि मुख्यमंत्री को भी पत्र लिखकर इन धमकियों के पीछे के लोगों की पहचान करने की मांग की है, लेकिन आज तक एक भी व्यक्ति नहीं पकड़ा गया।

विधायक ने दावा किया कि पत्र भेजने वाले ने लिखा है कि पुलिस ने उसे पहले भी बुलाया था, उसका आधार कार्ड

सत्यापित किया और फिर छोड़ दिया। पत्र में दावा किया गया है कि कानून लागू करने वाली एजेंसियां उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकतीं। राजा सिंह ने यह भी आरोप लगाया कि पत्र में उनके बेटे को भी निशाना बनाने की धमकी दी गई है।

सीसीटीवी और पोस्टल रिकॉर्ड की जांच का सुझाव

इस स्थिति को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए विधायक ने तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (DGP), हैदराबाद पुलिस आयुक्त और मुख्यमंत्री से इन पत्रों के स्रोत का पता लगाने और दोषियों की पहचान करने का आग्रह किया। उन्होंने सुझाव दिया कि भेजने वाले की पहचान स्थापित करने के लिए डाक विभाग के रिकॉर्ड और घर के आसपास के सीसीटीवी (CCTV) फुटेज की जांच की जानी चाहिए।

हम डरेंगे नहीं

राजा सिंह ने स्पष्ट किया कि वह या उनका परिवार ऐसी धमकियों से डरने वाला नहीं है। उन्होंने कहा, हम धमकी भरे फोन या पत्रों से नहीं डरेंगे। हमारा परिवार धार्मिक कार्यों के लिए काम करना जारी रखेगा।

फिलहाल इस मामले पर पुलिस अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

मीर आलम झील के बीच फंसे नौ कर्मियों का हाईड्रा ने किया रेस्क्यू

हैदराबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद आपदा प्रबंधन और संपत्ति संरक्षण एजेंसी ने सोमवार (26 जनवरी, 2026) के तड़के मीर आलम झील के बीच फंसे नौ इंजीनियरों और श्रमिकों को एक साहसिक मध्यरात्रि ऑपरेशन में सुरक्षित बचा लिया। ये कर्मी झील के ऊपर बन रहे 319.24 करोड़ रुपये के पुल के निर्माण के लिए सर्वेक्षण कर रहे थे।जानकारी के अनुसार, रविवार (25 जनवरी) की शाम को दिन का काम खत्म कर किनारे लौटते समय कर्मियों की नाव का इंजन अचानक खराब हो गया। अंधेरा होने के साथ-साथ झील में फैली जलकुंभी की घनी चादर के कारण नाव पूरी तरह फंस गई।

बाबा नगर और बहादुरपुरा के आसपास के क्षेत्रों में मगरमच्छों की मौजूदगी की खबरों के कारण फंसे हुए कर्मी काफी घबरा गए और उन्होंने मदद के लिए 100 नंबर डायल किया। फंसे हुए समूह में मिट्टी परीक्षण विशेषज्ञ और मजदूर शामिल थे।हाईड्रा के अनुसार, स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अधिकारियों ने सराहनीय कार्य किया। निरंतर संपर्क: हाईड्रा एसएफओ जमील और टीम प्रभारी स्वामी ने फंसे हुए लोगों से फोन पर निरंतर बात की ताकि वे घबराएं नहीं। कठिन चुनौतियां: जलकुंभी की मोटी परत ने पानी में हलचल को बेहद मुश्किल बना दिया था।टीम ने मोबाइल सिग्नल और फ्लैशलाइट की मदद से रास्ता खोजा और दो फेरों में सभी नौ व्यक्तियों को सुरक्षित बाहर निकाला। ▶10पर

159वां नि:शुल्क मेगा मेडिकल कैंप सम्पन्न 400 से अधिक लोगों ने लिया लाभ

हैदराबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा क्षत्रिय (राजपूत) ट्रस्ट बोर्ड के सहयोग से 159वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप अंबरपेट रोड नंबर-6 स्थित महाराणा प्रताप फंक्शन पैलेस में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में किम्स सनशाइन हॉस्पिटल की विशेषज्ञ चिकित्सक टीम ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। इसमें जनरल फिजिशियन, कार्डियोलॉजी, हड्डी रोग विशेषज्ञ, साथ ही ईसीजी, 2-डी इको, बीएमडी, बीपी जांच एवं आरबीएस की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

इस अवसर पर डॉ. प्रणय गोरे (कार्डियोलॉजी), डॉ. गायत्री (ऑर्थो), डॉ. मबरूर, नर्सिंग स्टाफ शुभांकर, मतीन, संगीता, मल्लेश्वरी, बीएमडी तकनीशियन मोहन एवं अनिल, 2-डी इको टेक्नीशियन अलकेंदु तथा विपणन विभाग से उदय कुमार ने सेवाएं दीं।

शिविर में लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल, दोमलगुडा द्वारा 214 रोगियों की नेत्र जांच की गई, जिनमें से 9 रोगियों के निशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की गई तथा 122 जरूरतमंदों को चश्मे वितरित किए गए। इस सेवा में अजीत कश्यप, एच. भगवान, प्रतीक्षा, के. नर्सिंग राव एवं के. भास्कर का विशेष योगदान रहा।

इसके अतिरिक्त डॉ. अखिल क्लिनिक से डॉ. अखिल सुगंधी एवं डॉ. मीनल खिरैया सुगंधी ने जनरल फिजिशियन सेवाएं दीं, वहीं एसएनआर डेंटल के डॉ. एस. नवनीत राज ने दंत चिकित्सा सेवा प्रदान की।

श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा 3 दिव्यांगों को कृत्रिम अंग उपलब्ध कराए गए तथा 1 रोगी के डायलिसिस की व्यवस्था की गई। समिति द्वारा कुल 6 लोगों की सहायता की गई।

शिविर से 414 से अधिक लोगों ने लाभ प्राप्त किया।

इस अवसर पर विशेष आमंत्रितों में अंबरपेट विधायक के. वेंकटेश, पूर्व सांसद हनुमंत राव, पार्षद श्रीनिवास गौड, पूर्व मंत्री कृष्णा यादव, पूर्व विधायक प्रेम सिंह राठौर, पूर्व पार्षद सी. जी. रमेश, पी. जगन, रोहित, भाषाई अल्पसंख्यक (कांग्रेस) के राजेश अग्रवाल उपस्थित रहे।

शिविर के संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल से प्रदीप अग्रवाल, सुरेंद्र गोयल, निखिल राणासरिया, उर्मिला अग्रवाल तथा स्थानीय सहयोगी क्षत्रिय राजपूत ट्रस्ट बोर्ड के अध्यक्ष टी. कुंदन सिंह, सचिव टी. रघुनंदन सिंह, ट्रस्टी टी. धीरेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष राजेश सिंह, सुख-राज सिंह, ट्रस्टी एवं पूर्व न्यायाधीश टी. गोपाल सिंह, टी. रणजीत देवी सिंह, गजेंद्र चौहान, अनूप कुमार सिंह, नरेंद्र सिंह बिसेन, टी. राजन सिंह, टी. सतीश चंदेल, जसवीर चौहान, महादेवी, शांता देवी, रोहिणी, जीवन सिंह, नरेश सिंह, मिनेश सिंह, बजरंग सिंह, नवीन सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

साथ ही स्वयंसेवक पवन भुवानिया, सुमन भुवानिया, सुनैना नरसरिया, सरला अग्रवाल, राधेश्याम बियानी, समाजसेवी गोपाल सिंह, शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव सहित पित्ती नॉमिनेशन के सदस्य भी शिविर में मौजूद रहे।

माँ तुझे सलाम ग्रैंड फिनाले ने हैदराबाद में प्री-रिपब्लिक डे को बनाया यादगार

हैदराबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

प्री-रिपब्लिक डे समारोह के तहत हैदराबाद में माँ तुझे सलाम ¨ शहर की सबसे बड़ी डांस प्रतियोगिता ¨ का भव्य ग्रैंड फिनाले आयोजित हुआ।

वाईडीआई ईवेन्ट एंड वेडिंग के फाउंडर-सीईओ यश जोशी और आँचल जोशी द्वारा संगठित यह कार्यक्रम भारतीय सेना के वीर जवानों व तेलंगाना पुलिस को समर्पित रहा। नृत्य के माध्यम से राष्ट्रप्रेम की भावना उजागर की गई।

भारतीय सेना के पूर्व सैनिकों ¨ सूबेदार मेजर बिस्वनाथ घोष, पूर्व नायक जी. सुरेश बाबू, मोहम्मद मिनाज़िद्दीन, सूबेदार मोहम्मद खाजा रफीउद्दीन, के. के. लक्ष्मीकांत और यशवंत के. ¨ को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि मेजर जनरल राजेश कुंद्रा रहे।

विशिष्ट अतिथि अरुण डाकोटिया, डॉ. अजय कुमार अग्रवाल व राजेश गोयल उपस्थित हुए। दीप प्रज्वलन तेलंगाना पुलिस के के. सईदुलु व पी. श्रीनिवास राव ने किया।

निर्णायक रहे संकेत गाओंकर, अभिनेत्री मधुलग्ना दास व कथक गुरु रविंदर राजू। 6 से 50 वर्ष के 17 प्रतिभागियों (10 सोलो, 2 युगल, 5 समूह) ने शानदार नृत्य दिखाए।

विजेताओं में- प्रथम: अरन्या नाट्यम ग्रुप, द्वितीय रनर-अप: आराध्या कुमसी और

सांत्वना: मंजुलता मोहंती, श्रुति-श्रेया, ईशान्वी मुंद्रा, अंसना मोहापात्रा ने जीता।

वेद प्रकाश जोशी, पुरुषोत्तम लाला, रामनिवास बंसल आदि उपस्थित। को-स्पॉन्सर: BPP यूनिवर्सिटी, परंपरा। एसोसिएट स्पॉन्सर: ¦EC इंडस्ट्रीज़ आदि। पुलिस ने नशामुक्ति संदेश दिया। यश जोशी ने राष्ट्रगौरव पर प्रकाश डाला। प्रबंधन टीम ¨ सोनिका शर्मा, नवीन शर्मा आदि ¨ ने आयोजन सफल बनाया।

कार्यक्रम देशभक्ति व सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बना।

प्रजा एकता पार्टी कार्यालय एवं विभिन्न स्थानों पर गणतंत्र दिवस मनाते हुए प्रजा एकता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बोनाला श्रीनिवास एवं अन्य।

गणतंत्र दिवस के उपलक्ष में पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, तेलंगाना के आईटी मंत्री डी. श्रीधर बाबू एवं कृषि मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी से भेंट कर बधाई देते हुए महेश बैंक के पूर्व चेयरमैन रमेश कुमार बंग, कमल सारडा, वेणुगोपाल लोया, बालाप्रसाद सोनी, मधुसूदन लोया एवं अन्य।

सिखवाल प्रगति समाज ने धूमधाम से मनाया 77वां गणतंत्र दिवस

हैदराबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिखवाल प्रगति समाज द्वारा ऋषि श्रृंग भवन पर अध्यक्ष नंदकिशोर व्यास बिलाल की अध्यक्षता में 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्राह्मण समाज के भामाशाह, माता गायत्री के उपासक, धर्मपरायण श्री गोकुलचंदजी उपाध्याय रहे, जिनके करकमलों से पूजा-अर्चना एवं ध्वजारोहण संपन्न हुआ।

मुख्य अतिथि गोकुलचंदजी उपाध्याय का सिखवाल प्रगति समाज की ओर से अध्यक्ष नंदकिशोर व्यास बिलाल, उपाध्यक्ष रामदेव नागला, सहमंत्री चंद्रभान व्यास एवं कोषाध्यक्ष कन्हैयालाल ओझा द्वारा साफा, शाल एवं पुष्पमाला पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया।

अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि गोकुलचंदजी उपाध्याय ने सामाजिक सुधार से जुड़े विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। वहीं अध्यक्ष नंदकिशोर व्यास बिलाल ने समाज को संबोधित करते हुए गोकुलचंदजी द्वारा समाजहित में लिए गए निर्णयों की मुक्तकंठ से प्रशंसा की।

इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष नंदकिशोर व्यास बिलाल, उपाध्यक्ष रामदेव नागला, सहमंत्री रामदेव व्यास, चंद्रभान व्यास, कोषाध्यक्ष कन्हैयालाल ओझा, गोकुलचंद उपाध्याय, डॉ. हरिकिशन नागला, रामेश्वरलाल उपाध्याय, हरिकिशन ओझा, अनील जायलवाल, जगदीश उपाध्याय बिकावत, संदीप जायलवाल, नरेश पांडे, मुरलीधर तिवाड़ी, विजय शर्मा पांडिया, चेतन तिवारी, रूपचंद व्यास, रामदेव जोशी, रामेश्वरलाल जोशी (LIC), पंकज पांडिया, पवन व्यास बाबरा, रामनिवास व्यास, जीवराज उपाध्याय, अमरचंद जायलवाल, घनश्याम तिवाड़ी, चंपालाल ओझा, घनश्याम उपाध्याय, भगवान ओझा, श्याम ओझा, सुरेश ओझा, श्रीनिवास नागला तिवाड़ी सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

महिलाओं में दुर्गा तिवारी, प्रेमलता व्यास, शीला शर्मा पांडिया, आराधना ओझा, अर्चना जोशी के अलावा बड़ी संख्या में अन्य स्वजातीय बंधु भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

अंत में चंद्रभान व्यास द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया, जिसके साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

मैलारदेवपल्ली स्थित निर्माणाधीन श्री राधे-कृष्ण मंदिर परिसर में सोमवार को कुमावत समाज ट्रस्ट हैदराबाद की आम सभा एवं ध्वजारोहण कार्यक्रम श्रद्धा, अनुशासन और सामाजिक एकता के भाव के साथ संपन्न हुआ।

श्री पहाड़ी श्याम मंदिर का तृतीय वार्षिकोत्सव भव्य रूप से आयोजित

✻ भव्य सजावट व अलौकिक श्रृंगार के दर्शन ✻ भजन संध्या में बहे भक्ति के सुर ✻ विभिन्न सेवाओं का भक्तों ने लिया लाभ

हैदराबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्याम दिवाने चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा श्री पहाड़ी श्याम मंदिर, महेन्द्रा हिल्स में मंदिर का तीसरा वार्षिकोत्सव बसंत पंचमी के पावन अवसर पर भव्यता और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के साथ बड़ी संख्या में भक्तों ने बाबा श्याम के दर्शन कर भजन-कीर्तन का पुण्य लाभ लिया।

आज जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, बसंत पंचमी के अवसर पर श्री पहाड़ी श्याम मंदिर को आकर्षक फूलों एवं रोशनी से भव्य रूप से सजाया गया।

बाबा श्याम के अलौकिक दर्शन, दिव्य शृंगार एवं भव्य सजावट के दर्शन भक्तों ने कतारबद्ध होकर किए। साथ ही सभी श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

कार्यक्रम को भक्ति के रंग में रंगने के लिए श्याम दिवाने चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित भजन संध्या में कोलकाता के प्रसिद्ध गायक गोविन्द दमानी एवं अजमेर की पिकी गहलोत ने मनमोहक भजनों की प्रस्तुति दी, जिस पर भक्त देर रात तक झूमते नजर आए।

कार्यक्रम में राजस्थान भाजपा अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य मदन राठौड़, एमएलसी रामूलु नायक, रामगोपालपेट पार्षद चीरा सुचित्रा, सीआई श्रीकांत रेड्डी, श्री वैष्णव आश्रय वेंकटेश चैरिटेबल ट्रस्ट के श्रीमद् जगद्गुरु रामानुजाचार्य की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इन सभी अतिथियों का स्वागत श्री पहाड़ी श्याम मंदिर, महेन्द्रा हिल्स के चेयरमैन अरुण डाकोतिया, दृष्टि अक्षय डाकोतिया, प्रवीण अग्रवाल लाला, ब्रिजेश मोदी, राहुल अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, अशोक सिंघानिया, विजय अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, रूपेश सिंघानिया सहित अन्य गणमान्यजनों ने किया।

इस अवसर पर भक्तों ने मंदिर श्रृंगार सेवा, बाबा की शृंगार सेवा, बाबा की बागा सेवा, प्रसाद सेवा, सवामणि सेवा, छप्पन भोग सेवा, पुष्प सेवा एवं फल सेवा का पुण्य लाभ लिया।कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्याम दिवाने चैरिटेबल ट्रस्ट के सदस्यों सहित अन्य प्रतिष्ठानों ने भी सहयोग प्रदान किया। वार्षिकोत्सव का समापन भक्तिभाव और श्रद्धा के वातावरण में हुआ।

केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान सेवा का आयोजन

हैदराबाद, 26 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो-अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के समीप स्थित केबीआर पार्क क्षेत्र में नियमित निःशुल्क अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत जरूरतमंद एवं असहाय लोगों को ससम्मान भोजन वितरित किया गया। अन्नदान कार्यक्रम में राधे-राधे ग्रुप से जुड़े समाजसेवियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, आशा अग्रवाल तेलवाले, संजय गुप्ता, जयप्रकाश सरदा एवं हरीश टोलाराम हिंदुजा सहित ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि अन्नदान केवल सेवा नहीं, बल्कि मानवता के प्रति दायित्व निभाने का माध्यम है। राधे-राधे ग्रुप द्वारा निरंतर किए जा रहे ऐसे सेवा कार्य समाज में सकारात्मक संदेश देने के साथ-साथ जरूरतमंदों को राहत प्रदान कर रहे हैं।

दादाजी योगा ग्रुप ने मनाया 77वां गणतंत्र दिवस

104 वर्षीय योगाचार्य रतनलाल जाजू ने फहराया तिरंगा

हैदराबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतवर्ष के 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर दादाजी योगा ग्रुप द्वारा किसना ग्रैडुवर, कुतबीगुड़ा, सुल्तान बाजार में समारोह का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में किया गया।

इस अवसर पर 104 वर्षीय वरिष्ठ योगाचार्य रतनलाल जाजू के कर-कमलों द्वारा राष्ट्रध्वज फहराया गया। ध्वज-ारोहण के पश्चात सभी उपस्थित सदस्यों ने सम्मिलित स्वर में राष्ट्रगान गाकर राष्ट्र के प्रति अपनी श्रद्धा एवं सम्मान प्रकट किया।

कार्यक्रम में योग, अनुशासन एवं स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर प्रकाश डाला गया तथा वरिष्ठ योगाचार्य रतनलाल जाजू के दीर्घ, अनुशासित और प्रेरणादायी जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया गया।

समारोह में डॉ. माधुरी (यूएसए), श्रीमती प्रतिभा मालपानी, प्रेमा सोनी, सरला सोनी, रेवती सावरकर, सरोज दीक्षित, प्रेमलता मोदानी, श्याम मोदानी, कीर्ति, संध्या वर्मा, रितु पांडे सहित दादाजी योगा ग्रुप के अनेक सदस्यों ने सहभागिता कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का समापन देशभक्ति भाव एवं राष्ट्रीय एकता के संदेश के साथ किया गया।

शापुर नगर स्थित रामराम रोड़ में आयोजित गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में इस अवसर पर दुर्गाराम मुलेवा, मगलराम पंवार, बंशीलाल प्रजापत, हरीसिंह उदावत, कानाराम बर्फा, अशोक हाम्बड़, चुतराराम, जोराराम सोलंकी, सेसाराम पंवार, रमेश, नरेश, सुरेश, व अन्य उपस्थित रहे ।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर गुड्डीमलकापुर वॉटर वर्क ऑफिस में राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए श्री परशुराम सेवा मंडल संस्थापक अध्यक्ष नवरत्न इंदौरिया, शिवकुमार याद अन्नाा, अंजनालू ,जगदीश व अन्य।

रवि तेजा का 77वां धमाका: 'इरुमुडी' में दिखेगा नया अवतार, फिल्म का नया पोस्टर जारी

तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार रवि तेजा के जन्मदिन के मौके पर उनकी नई फिल्म का नाम और पहला पोस्टर सोमवार को जारी किया गया। यह रवि तेजा का 77वां प्रोजेक्ट है और इसका निर्देशन शिवा निर्वाणा कर रहे हैं। यह उनके करियर की अब तक की सबसे अलग और भावनात्मक फिल्मों में से एक मानी जा रही है। फिल्म का नाम 'इरुमुडी' रखा गया है। इस टाइटल के पीछे आध्यात्मिक महत्व छुपा है, जो भगवान अयप्पा को समर्पित श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक है। जारी किए गए पोस्टर में रवि तेजा एक छोटी बच्ची को गोद में लिए नजर आ रहे हैं, जिसे देख दर्शक अंदाजा लगा रहे हैं कि फिल्म में बाप-बेटी के मजबूत रिश्ते को मुख्य रूप से दिखाया जाएगा। फिल्म का संदेश सिर्फ भक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें भावनाओं और पारिवारिक जुड़ाव को भी प्रमुखता दी गई है। रवि तेजा ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, ''कुछ कहानियां जीवन के सही समय पर आपको चुनती हैं। फिर से ऐसी कहानी का हिस्सा बनकर खुद को धन्य महसूस कर रहा हूं। मुझे भरोसा है कि यह कहानी दर्शकों के दिल को छूएगी और उनके लिए यादगार साबित होगी।''निर्देशक शिवा निर्वाणा ने फिल्म की कहानी खुद तैयार की है। फिल्म में रवि तेजा का किरदार उनके अब तक निभाए गए सभी किरदारों से काफी अलग है और दर्शकों को उनके अभिनय का नया पक्ष देखने को मिलेगा।

फिल्म में अभिनेत्री प्रिया भवानी शंकर मुख्य भूमिका में हैं। बच्ची नक्षत्रा रवि तेजा की बेटी के रूप में नजर आएंगी। इनके अलावा, साई कुमार, अजय घोष, रमेश इंदिरा, स्वासिका, मीसाला लक्ष्मण, राजकुमार कासिरेड्डी, रमण भर्गव, किशोर कांचरपालेम, कार्तिक अदुसुमल्ली और महेश जैसे कलाकार शामिल हैं।

फिलहाल, फिल्म की शूटिंग जारी है और जल्द ही इसे पूरी कर ली जाएगी। फिल्म का संगीत जीवी प्रकाश कुमार ने तैयार किया है और निर्माता नवीन येरनेनी और वाई रवि शंकर हैं।

पद्म भूषण मिलने पर भावुक हुईं अलका याग्निक, बोलीं-यह सम्मान सिर्फ मेरा नहीं, पूरे संगीत जगत का है

भारत सरकार ने प्लेबैक सिंगर अलका याग्निक को पद्म भूषण सम्मान से नवाजा है। इस सम्मान की घोषणा के बाद अलका ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर परिवार, दोस्तों और सरकार के साथ ही प्रशंसकों का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल उनका नहीं, बल्कि सबका है। यह उनकी दशकों की मेहनत का फल है। अलका याग्निक ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक भावुक पोस्ट करते हुए लिखा कि यह सम्मान उनके लिए बेहद खास है। अलका याग्निक को यह सम्मान उनकी लंबी और सफल संगीत यात्रा के लिए मिला है। इस सम्मान से उत्साहित होकर अलका ने इसे एक साझा खुशी बताया और कहा कि यह पुरस्कार उनके सभी सहयोगियों और फैंस के प्यार का नतीजा है।

अलका ने लिखा, मुझे पद्म भूषण देने के लिए मैं भारत सरकार की बहुत आभारी हूं। फिल्म और म्यूजिक इंडस्ट्री में दशकों के बाद यह सम्मान मिलने से मैं बहुत इमोशनल हो गई हूं।

उन्होंने इस उपलब्धि को अपने लंबे सफर का एक खास पड़ाव बताया और कहा कि यह पल उनके लिए बेहद खास है। अपने पोस्ट में अलका ने उन सभी लोगों का दिल से शुक्रिया अदा किया जिन्होंने उनके संगीत सफर को संभव बनाया। उन्होंने लिखा, फिल्ममेकर्स, कंपोजर्स, लिरिसिस्ट्स, को-सिंगर्स, म्यूजिशियंस, टेक्नीशियंस, प्रेस, मीडिया और हर उस इंसान को दिल से धन्यवाद जो हमारी फिल्मों की जान हैं। यह सफर आपके बिना मुमकिन नहीं होता।अलका ने कहा, मेरे दोस्तों, परिवार और सुनने वालों... आपका प्यार हमेशा मेरी ताकत रहा है।

गायिका का मानना है कि यह सम्मान सिर्फ उनका नहीं, बल्कि पूरे संगीत जगत और उनके साथ काम करने वाले हर व्यक्ति का है। उन्होंने पोस्ट को समाप्त करते हुए लिखा, यह संगीत, यह यात्रा और यह पल हम सभी का है। आप सभी को ढेरों प्यार। अलका याग्निक भारतीय सिनेमा जगत की लोकप्रिय और सफल प्लेबैक सिंगर्स में से एक हैं। उन्होंने 90 के दशक से लेकर आज तक हजारों गाने गाए हैं, जिनमें से कई सदाबहार बन गए। 'एक दो तीन' जैसे गीतों ने उन्हें घर-घर पहुंचाया। उनकी मधुर आवाज ने कई पीढ़ियों को झूमने पर मजबूर किया।

तापसी पन्नू की फिल्म अस्सी का मोशन पोस्टर जारी, इस दिन होगी रिलीज

'मुल्क' और 'थप्पड़' के बाद निर्देशक अभिनव सिन्हा और अभिनेत्री तापसी पन्नू मिलकर एक बार फिर नई कहानी लेकर आ रहे हैं। शुक्रवार को अभिनेत्री तापसी पन्नू ने इंस्टाग्राम पर फिल्म अस्सी के मोशन पोस्टर के साथ रिलीज डेट की घोषणा की। 'मुल्क' और 'थप्पड़' में तापसी की अच्छी परफॉर्मेंस देखने के बाद फैंस फिर से तापसी को स्क्रीन पर देखने के लिए बेताब हैं। वहीं, इस फिल्म में तापसी एक वकील की भूमिका में दिखाई देंगी। अभिनेत्री ने फिल्म का मोशन पोस्टर इंस्टाग्राम पर शेयर किया। यह मोशन पोस्टर काफी इंटेंस और प्रभावशाली है। इसमें एक लड़की पटरियों पर तेजी से भागती नजर आ रही है, जबकि पीछे कई लोग उसे पकड़ने के लिए दौड़ रहे हैं। इसके बाद तापसी पन्नू की एंट्री होती है। उनके चेहरे पर खून के छींटे हैं और वे वकील की यूनिफॉर्म में हैं। पोस्टर पर फिल्म की टैगलाइन लिखी है, उस रात वो घर नहीं पहुंची।

पोस्टर में लिखी टैगलाइन कहानी के बारे में थोड़ा सा संकेत दे रही है। माना जा रहा है कि यह एक कोर्टरूम थ्रिलर फिल्म होगी, जिसमें इंसाफ की लड़ाई और गंभीर सामाजिक मुद्दों को दिखाया जाएगा।

अनुभव सिन्हा द्वारा निर्देशित फिल्म अस्सी का निर्माण टी-सीरीज कर रहा है। वहीं, फिल्म की स्टारकास्ट काफी दमदार है। इसमें तापसी के अलावा, कानी कुसृति, रेवती, मनोज पाहवा, कुमुद मिश्रा, जीशान अय्यूब, नसीरुद्दीन शाह, सुप्रिया पाठक, और सीमा पाहवा समेत कई कलाकार अहम भूमिका में नजर आएंगे।

यह तापसी और अनुभव सिन्हा की साथ में तीसरी फिल्म होगी। इससे पहले दोनों साथ में 'मुल्क' और 'थप्पड़' जैसी फिल्में कर चुके हैं, जो कि बॉक्स ऑफिस में काफी सफल रही थी। फिल्म 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसी के साथ ही यह फिल्म 'दो दीवाने सहर में' के साथ क्लैश करेगी। इस फिल्म में मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी लीड रोल में हैं। अब देखना होगा कि दर्शक किस फिल्म को ज्यादा प्यार देंगे।

बॉर्डर 2 में जैकी श्रॉफ और तब्बू को क्यों नहीं मिली जगह, डायरेक्टर अनुराग सिंह ने तोड़ी चुप्पी

फिल्मों के सीक्वल को लेकर दर्शकों की उम्मीदें हमेशा बहुत ज्यादा होती हैं। खासकर जब बात 1997 की सुपरहिट फिल्म बॉर्डर की हो, तो सनी देओल, जैकी श्रॉफ और तब्बू जैसे कलाकारों ने उस फिल्म को खास बनाया था, लेकिन बॉर्डर 2 में जैकी श्रॉफ और तब्बू की कमी दर्शकों ने महसूस की। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट्स के जरिए दोनों को फिल्म में शामिल न करने को लेकर कई सवाल किए। अब इन सभी सवालों का जवाब फिल्म निर्देशक अनुराग सिंह ने दिया। बॉर्डर 2 के निर्देशक अनुराग सिंह ने कहा, किसी भी फिल्म की कास्टिंग भावनाओं या पुराने जुड़ाव के आधार पर नहीं, बल्कि कहानी की जरूरत के अनुसार होती है। फिल्म बनाते वक्त सबसे पहले कहानी पर ध्यान दिया जाता है, न कि इस बात पर कि किस अभिनेता को दोबारा लिया जाए। कहानी जिस तरह के किरदार मांगती है, कलाकारों का चयन उसी हिसाब से किया जाता है। अनुराग सिंह ने कहा, कोई भी निर्देशक यह सोचकर स्क्रिप्ट नहीं लिखता कि उसे किसी खास अभिनेता को ही लेना है। पहले एक ऐसी कहानी लिखी जाती है जो सच्ची लगे और दिल को छुए। उसके बाद यह सोचा जाता है कि उस किरदार को कौन सा कलाकार अच्छे से निभा पाएगा। कई बार ऐसा भी होता है कि किरदार लिखते समय किसी अभिनेता का चेहरा अपने आप दिमाग में आ जाता है, लेकिन यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया होती है, दबाव में लिया गया फैसला नहीं है।

सनी देओल को लेकर अनुराग सिंह ने कहा, बॉर्डर फ्रेंचाइजी को अगर किसी चेहरे से सबसे ज्यादा पहचाना जाता है, तो वह सनी देओल हैं। 'बॉर्डर' नाम आते ही दर्शकों के मन में सनी देओल की छवि उभर आती है। इसलिए अगर 'बॉर्डर' बनाई जा रही है, तो उसमें सनी देओल का होना जरूरी है। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि सनी देओल और निर्देशक जेपी दत्ता की पहचान बन चुकी है।''

अनुराग सिंह ने कहा, ''रचनात्मकता पर जोर डालकर किसी अभिनेता को कहानी में फिट नहीं किया जा सकता। कुछ फिल्मों में यह संभव हो सकता है, लेकिन 'बॉर्डर 2' जैसी गंभीर और भावनात्मक फिल्म में ऐसा करना सही नहीं होता। अगर कहानी किसी और दिशा में जा रही है, तो कलाकारों का चयन भी उसी रास्ते पर चलता।''

निर्देशक ने कहा, ''पूरी स्क्रिप्ट, किरदारों की गहराई और कहानी की मांग को देखकर मुझे लगा कि जो कास्ट चुनी गई है, वही इस फिल्म के लिए सबसे सही है। इसलिए उसी फैसले के साथ आगे बढ़ा गया। किसी कलाकार को शामिल न करने का मतलब यह नहीं कि उनके काम या योगदान को कम आंका गया है।'''बॉर्डर 2' में इस बार नई पीढ़ी के कलाकारों को अहम जिम्मेदारी दी गई है। फिल्म में वरुण धवन, अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ जैसे कलाकार सेना के जवानों के किरदार में नजर आ रहे हैं। वहीं मोना सिंह, सोनम बाजवा, मेधा राणा और अन्या सिंह जैसी अभिनेत्रियां हैं।

स्प्लिट्सविला के सेट पर बड़े हुए मेरे तीनों बच्चे : सनी लियोनी

सिनेमा जगत में कई सितारे अपने बच्चों को काम के करीब रखते हैं ताकि वे अपने माता-पिता की दुनिया को समझ सकें और जीवन के अनुभवों को जल्दी सीख सकें। सनी लियोनी भी यही तरीका आजमाती हैं। इंटरव्यू में उन्होंने खुलासा किया कि उनके तीनों बच्चे 'स्प्लिट्सविला' के सेट पर बड़े हुए हैं और उनके लिए यह अनुभव काफी सीखने वाला रहा है। बात करते हुए सनी लियोनी ने कहा, ''मेरे बच्चे शुरू से ही 'स्प्लिट्सविला' के सेट पर आते रहे हैं। बच्चों ने इस शो के सेट पर लगभग सात साल बिताए हैं। उन्होंने शो के काम और शूटिंग की प्रक्रिया को नजदीक से देखा है। पूरी टीम मेरे बच्चों को जानती है।'' सनी ने कहा, ''मेरे बच्चों के लिए यह अनुभव बहुत खास रहा है। मेरे पास कई तस्वीरें हैं, जिनमें बच्चे सेट पर स्विमिंग पूल में खेल रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि बच्चों के शो देखने में कोई गलत बात है। बच्चों ने छोटी-छोटी बातें नोट की, जैसे किसी ने नियम क्यों तोड़े, या किसी ने धोखा क्यों दिया। वे समझ गए हैं कि गेम में लोग जीतने के लिए ऐसा करते हैं।''सनी ने आगे कहा, ''पहले बच्चों को शो की चीजें समझ में नहीं आती थीं, फिर मैं उन्हें सरल शब्दों में समझाती थी। बच्चों ने धीरे-धीरे सीखना शुरू किया और अब वे शो के चैलेंज को देखकर मजा लेते हैं और टास्क को समझने की कोशिश करते हैं। वे पूरा शो नहीं देखते, बल्कि केवल कुछ चुनिंदा हिस्से ही देख पाते हैं। देर रात होने वाली शूटिंग में वे सोने चले जाते हैं।''

सनी लियोनी और डेनियल वेबर ने 2011 में शादी की थी। कपल के तीन बच्चे हैं: बेटी निशा कौर वेबर, जिसे 2017 में गोद लिया गया था, और जुड़वां बेटे नूह और अशर, जो 2018 में सरोगेसी के जरिए पैदा हुए थे।

जब एक साल में बदल गई पूरी जिंदगी, प्रियंका चोपड़ा ने 2016 की यादों को किया ताजा

बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक अपनी पहचान बनाने वाली अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा के करियर में कुछ साल ऐसे रहे हैं, जिन्होंने उनकी जिंदगी की दिशा ही बदल दी। ऐसा ही एक साल था 2016, जिसे प्रियंका आज भी अपने जीवन का सबसे अहम दौर मानती हैं। बुधवार को प्रियंका ने सोशल मीडिया के ज़रिए उस साल की कुछ खास यादों को दोबारा साझा किया और बताया कि कैसे एक ही समय में उनकी जिंदगी में बहुत कुछ बदल रहा था। करियर की ऊंचाइयां, अंतरराष्ट्रीय पहचान, निजी खुशियां और गहरे दुख- सब कुछ मानो एक साथ उनके जीवन में आया। प्रियंका के लिए 2016 वह साल था जब सब कुछ एक साथ हुआ। इस साल ने उन्हें सिर्फ एक सफल अभिनेत्री ही नहीं, बल्कि एक ग्लोबल आइकन बना दिया। उस वक्त प्रियंका भारत में पहले से ही एक बड़ा नाम थीं, लेकिन 2016 में उन्होंने दुनिया के सामने अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई।

प्रियंका ने बताया कि साल 2016 प्रियंका के लिए सम्मान और जिम्मेदारी दोनों लेकर आया। इसी साल उन्हें भारत सरकार की ओर से देश के प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान पद्म श्री से नवाजा गया। यह सम्मान उन्हें तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने दिया था। इसके साथ ही उन्हें यूनिसेफ की ग्लोबल गुडविल एंबेसडर की जिम्मेदारी भी सौंपी गई। इसी साल में प्रियंका का हॉलीवुड सफर भी नई ऊंचाइयों को छू रहा था। वह अपने पहले अमेरिकी टीवी शो 'क्वांटिको' में एलेक्स पैरिश के किरदार में नजर आईं। यह शो न सिर्फ अमेरिका बल्कि कई देशों में लोकप्रिय हुआ और प्रियंका को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने हॉलीवुड फिल्म 'बेवॉच' में विक्टोरिया लीड्स का किरदार निभाया, जिससे उनका ग्लोबल करियर और मजबूत हुआ।

2016 में प्रियंका को पहली बार किसी अमेरिकी मैगजीन के कवर पेज पर जगह मिली। इसके साथ ही उन्होंने अपना पहला पीपर चॉइस अवॉर्ड भी जीता, जो दर्शकों की पसंद पर आधारित एक बड़ा अवॉर्ड माना जाता है। इसी साल प्रियंका ने पहली बार व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट डिनर में शिरकत की, जहां तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा और उनकी पत्नी मिशेल ओबामा भी मौजूद थे। इसके अलावा, उन्होंने पहली बार ऑस्कर अवॉर्ड समारोह में हिस्सा लिया और मशहूर अमेरिकी शो 'द टुनाइट शो विद जिमी फॉलन' में भी नजर आईं।

प्रोफेशनल उपलब्धियों के साथ-साथ प्रियंका ने 2016 में बिलबोर्ड म्यूजिक अवॉर्ड और स्क्रीनिंग एक्टर्स गिल्ड अवॉर्ड जैसे बड़े अंतरराष्ट्रीय इवेंट्स में भी शिरकत की।

इसके अलावा, प्रियंका ने अपने पोस्ट में उसी साल अपनी चर्चित फिल्मों 'दिल धड़कने दो' और 'बाजीराव मस्तानी' की यादें भी साझा कीं। इन फिल्मों में उनके किरदारों को आज भी दर्शक याद करते हैं। हालांकि 2016 सिर्फ खुशियों का साल नहीं था। प्रियंका ने अपने निजी जीवन के कुछ भावुक पलों को भी साझा किया। उन्होंने रंगों से भरी होली की तस्वीरें पोस्ट कीं, अपने पालतू कुत्ते एंजेल को गोद लेने की खुशी दिखाई और अपनी नानी के निधन पर दुख भी जाहिर किया।

प्रियंका की इस पोस्ट पर इंडस्ट्री से जुड़े कई सेलेब्स ने प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री दीया मिर्जा ने उन्हें कमेंट में 'क्वीन' कहा, जबकि सबा पटौदी ने उनके लिए प्यार और दुआएं भेजीं।

आज सुनफा योग इन राशियों को बनाएगा सुखी और धनवान

आज यानी 27 जनवरी, मंगलवार को वृषभ राशि में चंद्रमा से दूसरे भाव में बृहस्पति और मिथुन राशि में बृहस्पति के होने से सुनफा योग का निर्माण हो रहा है। वैदिक ज्योतिष में इसे अत्यंत शुभ और धन प्रदान करने वाला योग माना जाता है। यह योग प्रशासनिक सेवाओं में सफलता, धन लाभ और भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि करता है। मेष, मिथुन और सिंह सहित कई राशियों के जातकों के लिए सुनफा योग मंगलकारी रहने वाला है। इस योग के प्रभाव से मेष राशि के जातकों को टीमवर्क से सफलता प्राप्त होगी, मिथुन को मान-सम्मान प्राप्त होगा, जबकि सिंह को कार्यक्षेत्र में नए अधिकार मिल सकता है। आइए जानते हैं कि मंगलवार का दिन सुनफा योग के संयोग में सभी 12 राशियों के करियर के लिए कैसा रहने वाला है।

मेष –आज आप अपने निकटवर्ती व अन्य लोगों की भावनाओं को पहचानें और उनके अनुसार चलने का प्रयास करें तो आपको आत्म संतोष होगा। कभी कभार दूसरों की बात सुनने में कोई परेशानी नहीं है। दुकान या कार्यालय में भी टीमवर्क के जरिए ही आप किसी समस्या का हल निकालने में सफल होंगे।

वृष –आपकी राशि का स्वामी शुक्र अष्टम घर में है। चतुर्थ भाव में केतु विराजमान पराक्रम भाव को शुभ दृष्टि से देख रहा है। शुक्र सांसारिक सुख भोगों का प्रतिनिधि है, अतः आवश्यक सामान की खरीदारी में शाम तक का समय व्यतीत होगा। घर परिवार के वृद्धजनों से बहसबाजी में न उलझें। उनकी राय भी सुन लें, उपयोगी सिद्ध होगी।

मिथुन –एकादश भाव में चंद्रमा और राशि से प्रथम भाव में मिथुन राशि का बृहस्पति आज आपको राज्य से सम्मान और सांसारिक प्रतिष्ठा से अभिभूत करेगा। व्यापार के भागीदारों तथा पत्नी पक्ष से भी पूर्ण सहयोग मिलेगा। ऋण भार में कमी होगी।

कर्क –आपकी राशि पर द्वादश का बृहस्पति तथा मेष का ही दशम में चंद्रमा उत्तम संपत्ति और बहुत दिनों से रुके धन की प्राप्ति करायेगा। नए संबंधों में स्थायित्व बनेगा। राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में भी अच्छी सफलता मिल सकती है, प्रयत्नशील रहें। रात्रि का समय मंगलमय उत्सव में प्रियजनों के साथ हर्षोल्लास में बीतेगा।

सिंह –आज आपकी राशि पर नवम प्रमुख त्रिकोण भाव में चंद्रमा तथा अष्टम भाव में शनि आ जाएंगे। फलस्वरूप आज आपको आपके कार्यक्षेत्र या दफ्तर में कुछ नए अधिकार दिए जा सकते हैं। रचनात्मक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। पुत्र अथवा पुत्री के विवाह का प्रसंग प्रबल होकर फाइनल हो सकता है।

कन्या –आपकी राशि से अष्टम भाव चंद्रमा संचार कर रहा है, शनि आज सप्तम भाव में इष्ट मित्रों से निर्मूल विवाद तथा व्यर्थ व्यय कारक है। अतः अपने आसपास खुशनुमा माहौल बनाने का प्रयास करें।

कार्यालय में भी अकस्मात् कोई नया परिवर्तन आपको आश्चर्य में डाल सकता है। महिला सहकर्मी व अधिकारी आपका सहयोग कर सकते हैं।

तुला –आज का दिन आपके लिए महापुरुषों से मेलजोल कारक है। अकस्मात् अकल्पित उलट फेर में आपको लाभ मिल सकता है। नए कार्य में वैधानिक और तकनीकी पहलुओं पर गंभीरता पूर्वक विचार करने के उपरान्त ही कुछ निर्णय लें। घर के पुराने टके हुए कार्यों को बना लेने का मौका भी मिलेगा।

वृश्चिक – आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। बिजनेस के सिलसिले में किसी की सलाह लेने की आवश्यकता पड़ सकती है। दिन के दूसरे भाग में महिला मित्रों के साथ समय व्यतीत होगा। मामला कार्यक्षेत्र का हो या आप अपने सभी उत्तरदायित्वों को सफलतापूर्वक निभा लेंगे।

धनु – आज का दिन मिश्रित फल कारक है। आप अपनी पुरानी देनदारियों से मुक्त हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में भी आपके सुझावों का स्वागत होगा। कुछ आवश्यक घरेलू सामान की खरीदारी करनी पड़ सकती है। अपनी जेब का खास ख्याल रखें। सायंकाल का समय घरवालों के साथ व्यतीत करें।

मकर –आज आपकी राशि से चतुर्थ का चंद्रमा पास व दूर की यात्रा तथा राज्य विजय कारक है। बहन-भाई के विवाह इत्यादि मांगलिक समारोह में शामिल होने का अवसर मिलेगा। कोई पुराना मित्र या रिश्तेदार अचानक आपके सामने आकर खड़ा हो सकता है। यदि कोई आपसे उधार मांगे तो कदापि न दें।

कुंभ –राशि का स्वामी शनि द्वितीय मीन राशि में राजनीतिक क्षेत्र में सफलता कारक है, सक्रिय राजनीति में भाग लेने का योग बन रहा है। प्रतिस्पर्धा में प्रतिद्वंदी आपसे पीछे रह जाएंगे। दिन का उत्तरार्ध भी शुभ व्यय कीर्ति की वृद्धि कारक है। पुण्य कार्यों पर भी व्यय हो सकता है।

मीन –आज आपकी अपनी संपत्ति में वृद्धि होगी। आपको ननिहाल से भी मान सम्मान मिलेगा। आपको पत्नी पक्ष एवं पत्नी की ओर से पूर्ण सहयोग मिलेगा। नौकरी में गुप्त शत्रु चुगली करेंगे जिससे सायंकाल के समय परेशानी हो सकती है। आपकी राशि का स्वामी बृहस्पति मार्गी चल रहा है। अपने गुरु के प्रति निष्ठा व भक्तिभाव पूर्ण रखें।

शिव के पंचभूत स्थल के बारे में जानते हैं आप? इन मंदिरों में दर्शन करने से आपके शरीर को मिलेगी ऊर्जा

तारों से लेकर पत्थरों तक, जंगलों से लेकर इंसान तक, इस पूरी सृष्टि की रचना पांच मूल तत्वों से हुई है, जिन्हें हम पंचभूत कहते हैं। ये पंचतत्व हैं पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश। भारतीय दर्शन में माना जाता है कि हमारा तन और मन भी इन्हीं तत्वों से बने हैं। जब इनमें संतुलन रहता है तो जीवन सहज चलता है और जब गड़बड़ होती है तो परेशानी शुरू हो जाती है। शिव को शाश्वत योगी इसलिए कहा जाता है क्योंकि वे इन पंचतत्वों पर पूर्ण नियंत्रण और संतुलन का प्रतीक हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, शिव ने दक्षिण भारत के पांच विशेष स्थानों पर इन्हीं पांच तत्वों के रूप में स्वयं को प्रकट किया। ये स्थान पंच भूत स्थल कहलाते हैं। सबसे पहले बात करते हैं पृथ्वी तत्व की, जिसका प्रतिनिधित्व करता है कांचीपुरम का एकांबरेश्वर मंदिर। पृथ्वी तत्व स्थिरता, धैर्य और मजबूती का प्रतीक है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर भीतर से अस्थिर महसूस करते हैं। माना जाता है कि यहां दर्शन करने से मन को ठहराव मिलता है और शरीर में स्थायित्व की भावना आती है।

दूसरा है वायु तत्व, जो जीवन की सांस है। आंध्र प्रदेश का श्रीकालहस्ती मंदिर इसी तत्व से जुड़ा है। कहते हैं कि यहां शिव की पूजा वायु रूप में होती है। अगर आपने कभी इस मंदिर के गर्भगृह में दीपक को बिना हवा के हिलते देखा है, तो आप उस रहस्य को महसूस कर सकते हैं। वायु तत्व हमारे शरीर में श्वास, प्राण और विचारों से जुड़ा है। यहां दर्शन करने से मन का बोझ हल्का महसूस होता है। जो लोग तनाव, घबराहट या बेचैनी से जूझ रहे हैं, उनके लिए यह स्थान खास माना जाता है।

अब आते हैं अग्नि तत्व पर, जो ऊर्जा, आत्मबल और परिवर्तन का प्रतीक है। तमिलनाडु के अरुणाचलेश्वर मंदिर, तिरुवन्नामलई में शिव को अग्नि स्तंभ के रूप में पूजा जाता है। अग्नि तत्व हमें आलस्य से बाहर निकालता है और जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। माना जाता है कि यहां दर्शन करने से भीतर की नकारात्मकता जलती है और आत्मविश्वास बढ़ता है।

इसके बाद आता है जल तत्व, जो भावनाओं और जीवन प्रवाह से जुड़ा है। तिरुचिरापल्ली के पास स्थित जंबुकेश्वर मंदिर में शिव निरंतर जल से अभिषिक्त रहते हैं। जल तत्व हमें सिखाता है कि जीवन में बहाव जरूरी है। जो लोग भावनात्मक रूप से भारीपन, दुख या उलझन महसूस करते हैं, उन्हें यहां आकर शांति मिलती है। यह स्थल हमें बताता है कि जैसे पानी रास्ता बना ही लेता है, वैसे ही जीवन में भी हर समस्या का समाधान संभव है।

अंत में है आकाश तत्व। चिदंबरम का नटराज मंदिर आकाश तत्व का प्रतीक है। यहां कोई ठोस लिंग नहीं, बल्कि खाली स्थान की पूजा होती है। आकाश तत्व चेतना और विस्तार से जुड़ा है। यहां दर्शन करने से मन शांत होता है और व्यक्ति खुद से गहराई से जुड़ता है। नटराज का नृत्य जीवन के सृजन और विनाश दोनों का संतुलन दिखाता है।

परीक्षा में अच्छे परिणाम के लिए आजमाकर देखें वास्तुशास्त्र के इन उपायों को, मिलेगा लाभ

परीक्षा की शुरुआत होते ही बच्चे अपने रिजल्ट की टेंशन लेने लगते हैं। वहीं, उन पर थोड़ा प्रेशर भी रहता है। ऐसे में पढ़ाई के साथ-साथ अगर कुछ वास्तु के उपाय कर लें तो इससे एकाग्रता बढ़ती है। उत्तम फल प्राप्त करने के लिए कर्म करना सबसे जरूरी है। इसलिए पढ़ाई में अच्छे परिणाम लाने के लिए मेहनत करने के साथ ही कुछ उपाय भी किए जा सकते हैं। वास्तु के अनुसार इनसे बुद्धि तेज करने और एकाग्रता बढ़ाने में मदद मिलती है। साथ ही, आसपास का वातावरण सकारात्मक होने से पढ़ाई में भी अधिक मन लग पाता है।

स्टडी रूम में यह कलर कराना होगा लाभकारी

बच्चों के स्टडी रूम का वातावरण सकारात्मक होना बेहद जरूरी है। नेगेटिविटी होने से बच्चे अपनी पढ़ाई पर ध्यान नहीं लगा पाते हैं और उनका मन विचलित रहता है। ऐसे में वास्तु की मानें तो स्टडी रूम में ग्रीन कलर का पेंट होना चाहिए। अगर ऐसा संभव न हो तो इसकी जगह आप हरे तोते की कोई सकारात्मक तस्वीर अपने रूम में लगा सकते हैं। हरे रंग को बुध ग्रह से संबंधित माना गया है जो बुद्धि, वाणी, स्मरण शक्ति, विवेक और ज्ञान का कारक है। ऐसे में हरे रंग का प्रयोग घर में रखने से विद्यार्थी को लाभ मिल सकता है।

सही दिशा में हो स्टडी टेबल

वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में हर वस्तु का सही दिशा और स्थान पर होना बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका सीधा प्रभाव हमारे जीवन पर भी पड़ता है। ऐसे में शिक्षा में बेहतर करने के लिए स्टडी टेबल का भी सही दिशा में होना आवश्यक है। मान्यता है कि इसे हमेशा ईशान कोण, पूर्व या उत्तर दिशा में रखना चाहिए। इसके अलावा, बुक्स के रैक को पश्चिम या दक्षिण दिशा में रखना सही माना जाता है। लेकिन इस बात का ख्याल रखें की टेबल दीवार से सटी न हो इसे वास्तु दोष माना जाता है।

स्टडी टेबल पर जरूर करें ये काम

छात्रों के स्टडी टेबल पर छोटे साइज की भगवान गणेश की प्रतिमा या देवी सरस्वती की प्रतिमा रख सकते हैं। ऐसा करने से लाभ प्राप्त होगा। इसके अलावा, टेबल पर ग्लोब या तांबे का पिरामिड भी रख सकते हैं। इससे नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है और आसपास का वातावरण सकारात्मक बना रहता है। ऐसे में बच्चों का पढ़ाई में अधिक मन लग सकता है, जिससे परीक्षा में भी बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।

स्टडी टेबल या अपनी किताबों में रखें यह 1 चीज

एकाग्रता को बढ़ाने के लिए एक सरल उपाय किया जा सकता है। इसके लिए विद्यार्थियों को अपने स्टडी टेबल पर एक मोर पंख जरूर रखना चाहिए। इसके अलावा, आप अपनी बुक में भी मोर पंख रख सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए इसे बेहद शुभ माना जाता है। ऐसा करने से बुध ग्रह मजबूत होता और इसका सकारात्मक प्रभाव जीवन पर भी पड़ता है। इससे बच्चे की एकाग्रता और स्मरण क्षमता में वृद्धि हो सकती है। आप घर में जिस भी स्थान पर पढ़ाई करें उसे हमेशा साफ और व्यवस्थित रखना चाहिए। ऐसा करने से सकारात्मकता बढ़ती है। साथ ही, आप अपने कमरे में पॉजिटिविटी के लिए गुलाब या चंदन की धूपबत्ती जलाकर रख सकते हैं।

घर का दरवाजा तय करता है किस्मत का रास्ता, वास्तु की ये गलती बढ़ा सकती है परेशानी

आज के समय में घर बनाते समय लोग डिजाइन, रंग और आधुनिक सुविधाओं पर सबसे ज्यादा ध्यान देते है, लेकिन घर के प्रवेश द्वार को अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। वास्तु शास्त्र में प्रवेश द्वार को सिर्फ एक दरवाजा नहीं, बल्कि घर की आत्मा माना गया है। यही वह जगह है, जहां से हर दिन ऊर्जा, सोच और माहौल घर के अंदर प्रवेश करता है। अगर यह सही जगह और सही दिशा में हो, तो जीवन में सुख-शांति अपने आप बनी रहती है, लेकिन अगर इसमें गड़बड़ी हो जाए, तो बिना वजह परेशानियां जीवन में जगह बनाने लगती हैं। कुछ लोगों का मानना है कि दक्षिण दिशा अशुभ होती है या उत्तर दिशा हमेशा शुभ होती है, लेकिन यह अधूरी जानकारी है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, हर दिशा के भीतर कई छोटे-छोटे हिस्से होते हैं, जिन्हें पद या ग्रिड कहा जाता है। मुख्य द्वार अगर सही पद पर बना हो, तो वही दिशा शुभ फल देती है और अगर गलत पद पर हो तो अच्छी मानी जाने वाली दिशा भी परेशानी का कारण बन सकती है।

दक्षिण दिशा को लेकर सबसे ज्यादा भ्रम फैला हुआ है। बहुत से लोग मानते हैं कि दक्षिण मुखी घर में रहने से नुकसान होता है, लेकिन वास्तु शास्त्र इस सोच को पूरी तरह गलत मानता है। दक्षिण दिशा को ऊर्जा, स्थिरता और अनुशासन की दिशा कहा गया है। यदि इस दिशा में प्रवेश द्वार सही स्थान पर बना हो, तो ऐसा घर व्यक्ति को धन, प्रतिष्ठा और समाज में सम्मान तक दिला सकता है। कई सफल और प्रभावशाली लोग दक्षिण मुखी घरों में रहते हैं। परेशानी तब आती है, जब यह द्वार गलत पद पर बना हो। तब वही घर मानसिक तनाव और आर्थिक दबाव बढ़ा सकता है।

पूर्व दिशा को सूरज की दिशा कहा जाता है। सूरज जैसे पूरी दुनिया को रोशनी देता है। वैसे ही पूर्व दिशा में बना सही प्रवेश द्वार घर में नई ऊर्जा भर देता है। इस दिशा का द्वार बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य और विचार पर अच्छा असर डालता है। घर में सकारात्मक माहौल बना रहता है और लोग खुद को ज्यादा सक्रिय और आत्मविश्वासी महसूस करते हैं। अगर यही द्वार पूर्व दिशा में गलत स्थान पर बन जाए, तो आलस्य और अस्थिरता भी बढ़ सकती है।

उत्तर दिशा को धन और अवसरों की दिशा माना गया है। वास्तु के अनुसार, यह कुबेर की दिशा है। इस दिशा में सही पद पर बना मुख्य द्वार घर में आय के नए रास्ते खोल सकता है। नौकरी, व्यापार, और करियर से जुड़े मामलों में लाभ मिलता है। घर में पैसों की आवाजाही बनी रहती है, लेकिन यदि उत्तर दिशा का द्वार गलत स्थान पर हो तो खर्च बढ़ सकता है और मेहनत के बावजूद परिणाम कमजोर मिल सकते हैं।

मुख्य द्वार की दिशा के साथ-साथ उसकी बनावट भी उतनी ही जरूरी होती है। वास्तु शास्त्र कहता है कि प्रवेश द्वार मजबूत, साफ और सुंदर होना चाहिए। टूटा हुआ, चरमराता या गंदा दरवाजा नकारात्मक ऊर्जा को न्योता देता है। मुख्य द्वार घर के बाकी दरवाजों से थोड़ा बड़ा होना शुभ माना गया है, ताकि सकारात्मक ऊर्जा बिना रुकावट अंदर आ सके। द्वार के सामने अंधेरा, कूड़ा, शौचालय या भारी चीजें होना अच्छा नहीं माना जाता, क्योंकि इससे ऊर्जा का प्रवाह रुक जाता है।

क्या जन्मकुंडली बता सकती है देश के लिए बलिदान की भावना का रहस्य

विद्वानों के मतानुसार ज्ञान से शब्दों की समझ विकसित होती है और अनुभव से उनके अर्थ का बोध होता है। जब शब्द और अर्थ के साथ व्यक्ति के अंतर्मन में निहित भावनाओं को समझ लिया जाता है, तब उसके बाह्य व्यक्तित्व के साथ-साथ आंतरिक व्यक्तित्व का भी सम्यक् आकलन संभव हो पाता है। ग्रह-नक्षत्रों के विज्ञान के माध्यम से किसी व्यक्ति की आंतरिक भावनाओं, मानसिक प्रवृत्तियों और स्वभाव को जाना जा सकता है। कुंडली में कुछ विशेष योग ऐसे बनते हैं, जिनमें जन्मा व्यक्ति अपने जीवन को राष्ट्र के लिए समर्पित कर अमरता प्राप्त करता है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जन्मकुंडली में कुछ विशिष्ट ग्रह स्थितियां व्यक्ति के भीतर देश के लिए कुछ कर गुजरने का अदम्य उत्साह उत्पन्न करती हैं। सामान्यतः सर्वप्रथम लग्न कुंडली का अध्ययन किया जाता है, किंतु सत्य के अधिक समीप पहुँचने के लिए नवांश सहित अन्य वर्ग कुंडलियों का अध्ययन भी आवश्यक माना गया है। जिस प्रकार जन्मकुंडली का चतुर्थ भाव माता से संबंधित होता है, उसी प्रकार द्वादशांश चक्र को राष्ट्र-चिंतन से जोड़ा गया है। इसके अतिरिक्त सप्तमांश, द्वादशांश और त्रिशांश चक्रों का विश्लेषण भी महत्वपूर्ण माना जाता है। ज्योतिष ग्रंथों में शहीद होने वाले व्यक्तियों से संबंधित अनेक योगों का उल्लेख मिलता है। सामान्यतः जन्मकुंडली में द्वितीय और सप्तम भाव को मारक स्थान माना जाता है, जबकि महर्षि पराशर के अनुसार अष्टम और तृतीय भाव आयु से संबंधित होते हैं। अष्टम भाव से जीवन की अवधि और मृत्यु दोनों का विचार किया जाता है। ग्रहों की

दृष्टि से सूर्य, गुरु, शुक्र और मंगल का विशेष महत्व है, जिनके आधार पर व्यक्ति के भीतर देशप्रेम और समर्पण की भावना का अध्ययन किया जाता है। इन ग्रहों की स्थिति और बल से ही कुंडली में राष्ट्र के प्रति प्रेम और त्याग की प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है।

अगर किसी की जन्मकुण्डली में मंगल धनु या मीन राशि में होता है तो ऐसे लोग देश के लिए हर सम्भव कार्य करने वाले होते हैं। कुण्डली में गुरु मेष या वृश्चिक राशि के साथ होता है तो ऐसा व्यक्ति देश प्रेमी होता है। कुण्डली के दसवें भाव में सूर्य अगर अपनी ही राशि यानि सिंह राशि में होता है तो ऐसे लोग देशभक्ति से भरे होते हैं। देशभक्ति तथा परोपकार के मामले में दशमी तिथि को जन्मे जातक देश व दूसरों के हित के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने हेतु दूसरों की अपेक्षा अधिक तत्पर रहते हैं।

संपादकीय

'मदर ऑफ ऑल डील्स'

इस बार गणतंत्र दिवस के अगले ही दिन 27 जनवरी 'ऐतिहासिक' साबित हो सकती है। भारत और यूरोपीय संघ के बीच 'मुक्त व्यापार समझौते' (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए जा सकते हैं। यूरोपीय संघ आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर ने इसके स्पष्ट संकेत देते हुए इसे 'मदर ऑफ ऑल डील्स' करार दिया है। यह कथन स्वाभाविक भी है। भारत 147 करोड़ से अधिक की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है और विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक के आकलन हैं कि 2026-27 में भी भारत की अर्थव्यवस्था, करीब 6.5 फीसदी की विकास दर के साथ, सबसे तेज गति वाली होगी। आईएमएफ की उप प्रबंध निदेशक रह चुकीं गीता गोपीनाथ का आकलन है कि 2028 में ही भारत तीसरे स्थान की अर्थव्यवस्था बन सकता है। ऐसे देश के साथ व्यापार समझौता करने से यूरोपीय देशों को एक व्यापक, विविध बाजार मिलेगा। यूरोप के 27 देश, 22.5 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी, करीब 46 करोड़ आबादी, करीब 49,000 डॉलर की औसतन प्रति व्यक्ति आय वाले देशों के संघ के साथ भारत का एफटीए, यकीनन, पूरी दुनिया के लिए चौंकाने वाला संदेश लाएगा। यह समझौता 193 करोड़ से अधिक की आबादी के लिए बेहद अहम होगा। नए व्यापारिक आयाम खुलेंगे, उत्पादों की मांग बढ़ेगी, उत्पादन में बढ़ोतरी होगी, नतीजतन नए रोजगार भी पैदा होंगे। गौरतलब यह है कि 19 साल से दोनों के बीच व्यापार समझौते पर बातचीत के कई दौर जारी रहे। तब इसे 'ब्रॉड बेस्ड ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट एग्रीमेंट' (बीटीआईए) नाम दिया गया था, लेकिन 2007-13 के बीच संवाद के कई दौरों के बावजूद व्यापार समझौता सहमतियों तक पहुंच नहीं पाया। यूरोपीय संघ बाजार तक पहुंच, टैक्स, बौद्धिक अधिकार एवं संपदा, श्रम कानून-नियम, पर्यावरण मानकों सरीखे मुद्दों पर सहमत नहीं होता था। कार्बन फुटप्रिंट को लेकर आज भी यूरोप के सवाल यथावत हैं। हालांकि भारत ने वैकल्पिक प्रयासों से कार्बन उत्सर्जन को लगभग शून्य करने के लिए ईमानदार उपक्रम भी किए हैं। मसलन-वनों के विस्तार, स्वच्छ ऊर्जा आदि। जाहिर है कि यूरोपीय संघ ने पर्यावरण और प्रदूषण को लेकर भारत की गंभीरता को समझा होगा। बहरहाल यह समझौता सालों तक टलता रहा, लटकता रहा, अंततः 2022 में नई राजनीतिक इच्छा के साथ एक व्यापक एफटीए को पूरा करने पर बातचीत शुरू हुई। वित्त वर्ष 2024-25 में यूरोपीय संघ को भारत का निर्यात 75.85 अरब डॉलर रहा, जबकि आयात 60.68 अरब डॉलर का किया गया। फिर भी यूरोप को भारत का निर्यात, चीन की तुलना में, कई गुना कम है। अब यूरोपीय संघ, भारत के लिए, सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन सकता है। भारत से भेजे गए कपड़े, रेडीमेड वस्त्र, चमड़े के सामान, समुद्री उत्पाद आदि पर अभी 2-12 फीसदी टैक्स लगता है। दवाएं, खासकर जेनेरिक दवाएं, रसायन के संदर्भ में, एफटीए के बाद, मंजूरी प्रक्रिया, कर और अन्य मानक अपेक्षाकृत आसान होंगे। जाहिर है कि उत्पाद सस्ते पड़ेंगे, लिहाजा यूरोपीय बाजार में ज्यादा बिकेंगे। एफटीए से भारत को यूरोपीय संघ के 'कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म' से छूट मिलेगी। हालांकि दोनों पक्षों का लक्ष्य है कि 2050 तक कार्बन उत्सर्जन को 'शून्य' तक लाया जाए। इस्पात और एल्यूमीनियम का उत्पादन करने वाले भारत के लिए यह कर पाना वाकई एक बड़ी चुनौती है। फिलहाल यूरोपीय वाइन और स्पिरिट्स पर 150-200 फीसदी तक टैक्स लगता है। यूरोप से प्रीमियम और लग्जरी कारों पर भी 100-125 फीसदी तक आयात शुल्क लगता है। यदि एफटीए हो जाता है, तो यूरोप से औद्योगिक मशीनें, बिजली का सामान, रसायन के अलावा आईटी, इंजीनियरिंग, बिजनेस सर्विसेज, टेलीकॉम सरीखे सेवा क्षेत्रों को भी फायदा मिलेगा। इसके साथ ही विमानों के पुर्जे, हीरे, लग्जरी सामान के लिए भारत में नए अवसर बन सकते हैं। यूरोपीय लग्जरी कारें भारत में सस्ती मिल सकती हैं।

> भारत और यूरोपीय संघ के बीच 'मुक्त व्यापार समझौते' (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए जा सकते हैं। यूरोपीय संघ आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर ने इसके स्पष्ट संकेत देते हुए इसे 'मदर ऑफ ऑल डील्स' करार दिया है। यह कथन स्वाभाविक भी है। भारत 147 करोड़ से अधिक की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है और विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक के आकलन हैं कि 2026-27 में भी भारत की अर्थव्यवस्था, करीब 6.5 फीसदी की विकास दर के साथ, सबसे तेज गति वाली होगी। आईएमएफ की उप प्रबंध निदेशक रह चुकीं गीता गोपीनाथ का आकलन है कि 2028 में ही भारत तीसरे स्थान की अर्थव्यवस्था बन सकता है। ऐसे देश के साथ व्यापार समझौता करने से यूरोपीय देशों को एक व्यापक, विविध बाजार मिलेगा। यूरोप के 27 देश, 22.5 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी, करीब 46 करोड़ आबादी, करीब 49,000 डॉलर की औसतन प्रति व्यक्ति आय वाले देशों के संघ के साथ भारत का एफटीए, यकीनन, पूरी दुनिया के लिए चौंकाने वाला संदेश लाएगा। यह समझौता 193 करोड़ से अधिक की आबादी के लिए बेहद अहम होगा। नए व्यापारिक आयाम खुलेंगे, उत्पादों की मांग बढ़ेगी, उत्पादन में बढ़ोतरी होगी, नतीजतन नए रोजगार भी पैदा होंगे। गौरतलब यह है कि 19 साल से दोनों के बीच व्यापार समझौते पर बातचीत के कई दौर जारी रहे।

वैश्विक स्तर पर आर्थिक क्षेत्र में उभर रही अर्थव्यवस्थाओं से अमेरिकी डॉलर का निवेश निकल कर अमेरिका की ओर आकर्षित होने लगता है

वैश्विक स्तर पर युद्ध के बदलते स्वरूप

प्रहलाद सबनानी

> अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत को कम करने के भरसक प्रयास हो रहे हैं। भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशकों द्वारा भारी मात्रा में अपना निवेश लगातार निकाला जा रहा है जिससे अमेरिकी डॉलर का भारत से बाहर प्रवाह भारी मात्रा में हो रहा है और भारतीय रुपए पर दबाव बन रहा है। भारत में विभिन्न उत्पादों के होने वाले आयात महंगे हो रहे हैं इससे अंततः भारत में मुद्रा स्फीति की दर में वृद्धि हो सकती है और भारत के नागरिकों में वर्तमान सत्ता के विरुद्ध असंतोष का भाव जाग सकता है। परंतु केंद्र सरकार की नीतियों के चलते अभी तक मुद्रा स्फीति की वृद्धि दर पर नियंत्रण बनाए रखने में सफलता मिली है एवं भारतीय खुदरा निवेशकों, म्यूचुअल फण्ड एवं देशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में पर्याप्त मात्रा में अपना निवेश बढ़ाया है इससे भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट को सफलतापूर्वक रोका जा सका है।

21वीं सदी में शक्ति संघर्ष का स्वरूप बहुत तेजी से बदल रहा है। अब विभिन्न देशों के बीच संघर्ष, तोप, मिसाइल एवं सेनाओं के माध्यम से नहीं लड़े जा रहे हैं बल्कि तकनीकि उपलब्धता, मुद्रा नियंत्रण, पूंजी प्रवाह, खाद्य सुरक्षा, आकड़ों (डेटा) का संग्रहण, नियम निर्माण को प्रभावित करने की क्षमता एवं वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित करना, आदि में माध्यम से लड़ा जा रहा है। यह एक ऐसा बहुपरत, निरंतर संस्थागत एवं सूक्ष्म युद्ध का स्वरूप है जो राष्ट्र की आर्थिक सामरिक स्वायत्तता को बिना पारम्परिक लड़ाई के नष्ट करने की क्षमता रखता है। यह युद्ध वैश्विक बाजारी शक्तियों अर्थात बहुराष्ट्रीय कम्पनियों, वॉल स्ट्रीट पर आधारित वित्तीय नेट्वर्क, डॉलर आधारित भुगतान प्रणाली, अंतरराष्ट्रीय संस्थानों (विश्व व्यापार संगठन, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक), रेटिंग संस्थानों, बड़े तकनीकि संस्थानों एवं निजी सैन्य परामर्श समूहों द्वारा मिलकर संचालित किया जा रहा है। यह युद्ध एक प्रणाली है एवं यह एक घटना नहीं है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत को कम करने के भरसक प्रयास हो रहे हैं। भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशकों द्वारा भारी मात्रा में अपना निवेश लगातार निकाला जा रहा है जिससे अमेरिकी डॉलर का भारत से बाहर प्रवाह भारी मात्रा में हो रहा है और भारतीय रुपए पर दबाव बन रहा है। भारत में विभिन्न उत्पादों के होने वाले आयात महंगे हो रहे हैं इससे अंततः भारत में मुद्रा स्फीति की दर में वृद्धि हो सकती है और भारत के नागरिकों में वर्तमान सत्ता के विरुद्ध असंतोष का भाव जाग सकता है। परंतु केंद्र सरकार की नीतियों के चलते अभी तक मुद्रा स्फीति की वृद्धि दर पर नियंत्रण बनाए रखने में सफलता मिली है एवं भारतीय खुदरा निवेशकों, म्यूचुअल फण्ड एवं देशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में पर्याप्त मात्रा में अपना निवेश बढ़ाया है इससे भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट को सफलतापूर्वक रोका जा सका है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा फेड रेट (अमेरिकी ब्याज दर) में वृद्धि करने से भी अमेरिकी डॉलर अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूत होता है क्योंकि अमेरिका में ब्याज दरों में वृद्धि होने से वैश्विक स्तर पर आर्थिक क्षेत्र में उभर रही अर्थव्यवस्थाओं से अमेरिकी डॉलर का निवेश निकल कर अमेरिका की ओर आकर्षित होने लगता है। इससे भी इन देशों की मुद्राओं पर दबाव निर्मित होने लगता है। अतः ब्याज दरों में वृद्धि को भी एक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। तीसरे हथियार के रूप में किसी भी देश की मुद्रा को SWIFT जैसे भुगतान नेट्वर्क से अलग कर दिया जाना है। इस निर्णय से सम्बंधित देश की मुद्रा का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लेनदेन विपरीत रूप से प्रभावित होने लगता है। जैसे रूस की मुद्रा रूबल के साथ हाल ही के समय में हुआ था। उक्त समस्त निर्णयों

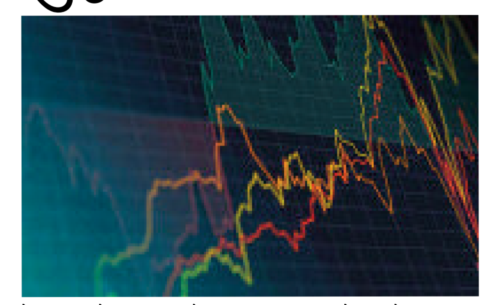

से किसी भी देश की मुद्रा को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कमजोर किया जा सकता है इससे उस देश में उत्पादों के आयात महंगे हो सकते हैं, उस देश पर विदेशी कर्ज का भार बढ़ सकता है एवं उस देश का आर्थिक विकास प्रतिबंधित हो सकता है। यह युद्ध संरचनात्मक अधीनता पैदा करता है। इसी तरह का दबाव कुछ देशों पर तब डाला जाता है जब वे किसी अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान (विश्व बैंक, अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष, रेटिंग संस्थान) से ऋण लेने का प्रयास करते हैं। इन संस्थानों द्वारा इन देशों पर टैक्स की दरें बढ़ाने, अपने खर्चों पर नियंत्रण स्थापित करने, राजस्व सम्बंधी निर्णयों पर अपनी नीति थोपने, उस देश के ऊर्जा, बंदरगाह एवं खनन क्षेत्रों का निजीकरण करने के प्रयास करना एवं इसके मध्यम से उस देश में चुपचाप शासन परिवर्तन के प्रयास करना भी शामिल हैं। इन संस्थानों से कर्ज लेना आधुनिक गुलामी का सबसे व्यवस्थित मॉडल बन पड़ा है। इसके साथ ही, विभिन्न देशों के साथ व्यापार युद्ध भी छेड़ा जाता है। जैसे, अमेरिका द्वारा ब्रिक्स (भारत, चीन, रूस, ब्राजील) पर 500 प्रतिशत का टैरिफ लगाने के प्रयास करना भी इन देशों के विरुद्ध एक शद्म युद्ध छेड़ने जैसा ही निर्णय है। इन्हीं उपायों में कुछ देशों को निर्यात प्रतिबंधित करना भी इसी नीति का एक हिस्सा है। जैसे, अमेरिका एवं चीन द्वारा अन्य देशों को सेमीकंडक्टर, चिप एवं 5G के उपकरण के निर्यात करने पर रोक लगाई गई थी ताकि प्रभावित किये जाने वाले देशों में इन तकनीकी का उपयोग असम्भव हो सके और इन देशों का विकास रुक जाए। इसी प्रकार के प्रयासों में किसी देश के कृषि क्षेत्र की नीतियों को प्रभावित कर उस देश में खाद्य पदार्थों की उपलब्धता को कम करना भी शामिल है ताकि उस देश के नागरिक अपने देश की सरकार के खिलाफ उठ खड़े हों। जैसे हाल ही में अमेरिका द्वारा भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते को सम्पन्न करने के लिए भारत पर दबाव बनाया जा रहा है कि भारत अपने कृषि एवं डेयरी क्षेत्र को अमेरिकी उत्पादों के लिए खोल दे। इससे अमेरिकी उत्पाद सस्ती दरों पर भारत में उपलब्ध हो जाएंगे एवं भारत के किसानों द्वारा उत्पादित खाद्य पदार्थ सस्ते अमेरिकी उत्पादों की स्पर्धा में टिक नहीं पाएंगे। इससे भारतीय कृषि एवं डेयरी क्षेत्र बर्बादी के कगार पर पहुंच जाएगा और भारतीय किसान, सरकार के विरुद्ध उठ खड़ा होगा। कुल मिलाकर इस तरह के प्रयास उभरती अर्थव्यवस्थाओं की उत्पादन क्षमता प्रभावित करने के लिए भी किए जाते हैं ताकि यह देश विभिन्न उत्पादों का उत्पादन अपने देश में नहीं कर सकें एवं इसके लिए अन्य देशों से आयात पर इनकी निर्भरता बढ़ जाए। प्रौद्योगिकी क्षेत्र को प्रभावित करते हुए भी कुछ देश उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं को दबाव में लाने का प्रयास करते हुए दिखाई दे रहे हैं। दरअसल, तकनीकी आज का नया परमाणु हथियार है। आरटीफिशीयल इंटेलिजेन्स, क्वांटम, सेमीकंडक्टर, साइबर आदि भी आज, युद्ध के क्षेत्र बन चुके हैं। अमेरिका ने चीन को किए जाने वाले चिप के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था, इससे जिन उत्पादों के निर्माण में चिप का प्रयोग होता है उन उद्योगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा था। इसी प्रकार, अमेरिका द्वारा भारत पर डाटा नियंत्रण हेतु दबाव बनाने का प्रयास किया जा रहा है। पैटेंट एवं लायसेंसिंग पर नियंत्रण एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की बड़ी कम्पनियों द्वारा नागरिक डाटा का दुरुपयोग किया जाना भी इसी युद्ध कला का एक हिस्सा है। पूरे विश्व में फैली कोविड महामारी के पश्चात वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला एक भूराजनैतिक हथियार बन चुकी है। उदाहरण के लिए फार्मा क्षेत्र में उपयोग होने वाले कच्चे माल को चीन नियंत्रित करता है। इसी प्रकार, मूल्यवान खनिज पदार्थों के 90 प्रतिशत भाग के उत्पादन पर चीन का कब्जा है। खाद्य तेल की आपूर्ति पर बहुराष्ट्रीय कम्पनियों का नियंत्रण है। समुद्री मार्गों पर कुछ देशों का कब्जा है, जो कई बार इस सम्बंध में अंतरराष्ट्रीय कानूनों को मानने से इंकार कर देते हैं। इस तरह के व्यवहार से तेजी से विकास कर रही अर्थव्यवस्थाएं निर्भरता की कैद में धकेल दी जाती हैं। आजकल झूठे विमर्श गढ़ने का कार्य भी बड़े जोरों पर किया जा रहा है। इसे बौद्धिक युद्ध की श्रेणी में रखा जा सकता है, जो प्रायः वैश्विक मीडिया द्वारा लड़ा जा रहा है। गैरसरकारी संस्थान (NGO) एवं थिंक टैंक, एक संगठित नरेटिव इको सिस्टम बनाते हैं। जैसे, भारत के संदर्भ में गढ़े जाने वाले कुछ झूठे विमर्शों में शामिल हैं - भारतीय किसान अक्षम हैं, भारत के स्थानीय बीज पोषणहीन हैं, भारत का देशी खाद्य मॉडल पिछड़ा है, ब्रिक्स राजनैतिक रूप से अस्थिर देशों का संगठन है, डीडोल्लराईजेशन एक असम्भव कार्य है। कुल मिलाकर उक्त वर्णित शद्म युद्ध का प्रमुख उद्देश्य अन्य देशों का मानसिक एवं बौद्धिक उपनिवेशीकरण करना है। इसके अंतर्गत, इन देशों के नीति निर्धारण पर अपना आधिपत्य स्थापित करना है। इन देशों द्वारा किस प्रकार के उत्पादों का उत्पादन किया जाएगा (बीज से लेकर दवा तक) एवं इसके आपूर्ति बाजार पर अपना नियंत्रण स्थापित करना है। साथ ही, देश के मुद्रा बाजार पर नियंत्रण स्थापित करना है ताकि उस देश की मुद्रा अमेरिकी डॉलर पर निर्भर हो जाए।

देश दुनिया से

देश की प्रगति पर ट्रैफिक जाम का ब्रेक

देश आधारभूत सुविधाओं की कमी से जूझ रहा है। हर तरफ हाल बेहाल है। देश के राजनीतिक दल ऐसी सुविधाओं के प्रति गंभीर नहीं हैं। यही वजह है कि इन सुविधाओं की कमी से देश को हर साल अरबों रुपयों का नुकसान उठाना पड़ रहा है। राजनीतिक दल और सरकारें ऐसी सुविधाओं की कमी के लिए एक-दूसरे को कोस कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते हैं। टॉमटॉम ट्रैफिक इंडेक्स 2025 के अनुसार बेंगलुरु दुनिया में दूसरा सबसे ज्यादा जाम वाला शहर है। रैंकिंग में सिर्फ मैक्सिको सिटी ऐसा शहर है, जहां ट्रैफिक की स्पीड बेंगलुरु से कम है। पांचवें स्थान पर महाराष्ट्र का पुणे शहर है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि बेंगलुरु के जाम के कारण लोगों को एक साल में 168 घंटे गंवाने पड़े। यह समय 7 दिन और 40 मिनट के बराबर है। बॉस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीएजी) के सर्वे के अनुसार सुबह 7 से 9 और शाम को 6 से 8 को पीक समय माना गया है। इस दौरान आने-जाने में औसत से डेढ़ गुना अधिक समय लगता है। इस सर्वे में कोलकाता की स्थिति सबसे खराब थी। बेंगलुरु दूसरे पायदान पर रहा। सबसे ज्यादा वाहनों की संख्या के बावजूद बेहतर सडक़ों के चलते दिल्ली की स्थिति बेहतर रही। रिपोर्ट्स के अनुसार, दिल्ली में निजी वाहन से चलने वालों की संख्या सबसे अधिक 45 फीसदी रही, जबकि बेंगलुरु में यह आंकड़ा 38 फीसदी रहा। सार्वजनिक वाहनों के प्रयोग के मामले में मुंबई ने बाजी मारी, जिसके बाद कोलकाता का नंबर रहा। इस मामले में बेंगलुरू सबसे निचले पायदान पर रहा जहां ट्रैफिक जाम आम हो गया है। भारत के प्रमुख चार शहरों- दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता में ट्रैफिक जाम के चलते हर साल 1.47 लाख करोड़ रुपए का नुकसान होता है। एक हालिया स्टडी में खुलासा हुआ है कि ट्रैफिक जाम के कारण बेंगलुरु को लगभग हर साल 20000 करोड़ रुपए का भारी आर्थिक नुकसान होता है। भारत की सिलिकॉन वैली का सपना देखने वाले इस शहर में हर साल हजारों लोग आते हैं। पिछले 15 सालों में शहर की आबादी तेजी से बढ़ी है। अब यहां करीब 1.5 करोड़ लोग रहते हैं। सडक़ों पर एक करोड़ से अधिक गाडियां हैं। गाडियों की संख्या कितनी तेजी से बढ़ रही है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने एक बयान में कहा था कि साल 2027 तक शहर में वाहनों की संख्या यहां की आबादी से ज्यादा होगी। दिल्ली में यातायात जाम से संबंधित आर्थिक नुकसान 2030 तक 14.7 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। अकेले यातायात जाम के कारण ईंधन की बर्बादी से प्रतिदिन लाखों डॉलर का नुकसान हो सकता है, जिससे शहर में पहले से ही गंभीर वायु गुणवत्ता की समस्या और भी बढ़ जाएगी। रिपोर्ट में पता चला कि कर्मचारियों ने काफी समय ट्रैफिक में फंसकर बिताया, जिससे उत्पादकता में काफी नुकसान हुआ। स्टडी का अनुमान है कि ट्रैफिक संबंधी बाधाओं के कारण अकेले आईटी सेक्टर को लगभग 7000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। इसके अलावा, छोटे और मध्यम उद्यमों पर ट्रैफिक जाम के प्रतिकूल प्रभाव पड़ते हैं। ये व्यवसाय डिलीवरी शेड्यूल को पूरा करने के लिए संघर्ष करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप शिपमेंट में देरी होती है और ग्राहक असंतुष्ट होते हैं। बदले में इसका शहर की अर्थव्यवस्था पर तेजी से प्रभाव पड़ता है, जिससे लगभग 3500 करोड़ रुपए का नुकसान होता है। भारत में वर्ष 2000 से मोटर वाहन उपयोग में भारी वृद्धि हुई है और हर 5-6 वर्षों में नए वाहनों की संख्या दोगुनी हो जाती है। हालांकि महामारी के कारण कुछ समय के लिए यह वृद्धि रुक गई, लेकिन मोटर वाहन उपयोग में तेजी से सुधार हुआ और 2023-24 में औसतन प्रतिदिन 58000 नए वाहन पंजीकृत हुए, जिनमें से 52000 निजी वाहन थे। दिल्ली में, इसी अवधि में औसतन 6.4 लाख वाहन पंजीकृत हुए और औसतन प्रतिदिन नए वाहन पंजीकृत हुए, जिनमें से लगभग 1750 नए वाहन थे। यातायात जाम बढने का एक कारण 'कारों की अत्यधिक संख्या' है। ट्रैफिक में वाहनों के खड़े रहने से भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 3 फीसदी बर्बाद हो जाता है। महानगर यातायात के कारण जाम से ग्रस्त हो गए हैं, जिसका 10 फीसदी ईंधन की खपत के कारण बर्बाद होता है। जहां वाहन ट्रैफिक में खड़े होते हैं, वहां प्रदूषण का एक क्षेत्र बन जाता है, जिसमें कार्बन मोनोऑक्साइड और सल्फर ऑक्साइड जैसी गैसें होती हैं, जिन्हें मापा जा सकता है। यातायात जाम का प्रदूषण पर सीधा प्रभाव पड़ता है, क्योंकि रुके हुए वाहनों से निकलने वाला उत्सर्जन सुचारू रूप से चल रहे यातायात की तुलना में 3 से 7 गुना अधिक हो सकता है। नाइट्रोजन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड और कार्बन डाइऑक्साइड की बड़ी मात्रा उत्सर्जित होती है, जिससे स्थानीय वायु गुणवत्ता प्रभावित होती है और स्थानीय निवासियों के स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा होता है। साल 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत की शहरी जनसंख्या 31.16 फीसदी थी, जो विश्व बैंक के 2022 के अनुमान के अनुसार शहरी जनसंख्या 2020 तक बढक़र 35 फीसदी हो चुकी है। शहरीकरण की यह गति आने वाले वर्षों में और तेज होगी, जिससे महानगरों में वाहनों की संख्या भी बढ़ेगी। दिल्ली में 2023 तक लगभग 1.2-1.3 करोड़ पंजीकृत वाहन थे, पर्यावरण प्रदूषण भी ट्रैफिक जाम की एक गंभीर परिणति है। दुनिया के 20 सबसे प्रदूषित शहरों में से 13 भारत में हैं। ट्रैफिक जाम के कारण वाहनों से निकलने वाले कार्बन उत्सर्जन में भारी वृद्धि होती है, जिससे वायु गुणवत्ता खराब होती है और स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ती हैं। इस समस्या के समाधान के लिए कई प्रभावी रणनीतियां अपनाई जा सकती हैं। सबसे पहले सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को मजबूत करना अनिवार्य है। अधिक शहरों में मेट्रो नेटवर्क, इलेक्ट्रिक बसों और साइकिल ट्रैक को बढ़ावा देना चाहिए। भारत में हाई-ऑक्यूपेंसी व्हीकल लेन का प्रावधान किया जा सकता है, जिससे एक से अधिक यात्रियों वाले वाहनों को प्राथमिकता मिले और कार-पूलिंग को प्रोत्साहन मिले। सडक़ों के बुनियादी ढांचे में सुधार भी आवश्यक है। फ्लाईओवर, मल्टी लेवल पार्किंग और स्मार्ट ट्रैफिक सिग्नल जैसी सुविधाएं विकसित की जानी चाहिए। मुंह बाए खड़ी ट्रैफिक जाम की समस्या के लिए तत्काल युद्ध स्तर पर प्रयास नहीं किए गए तो आने वाले वक्त में यह समस्या विकराल रूप धारण कर लेगी।

> देश के राजनीतिक दल ऐसी सुविधाओं के प्रति गंभीर नहीं हैं। यही वजह है कि इन सुविधाओं की कमी से देश को हर साल अरबों रुपयों का नुकसान उठाना पड़ रहा है। राजनीतिक दल और सरकारें ऐसी सुविधाओं की कमी के लिए एक-दूसरे को कोस कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते हैं। टॉमटॉम ट्रैफिक इंडेक्स 2025 के अनुसार बेंगलुरु दुनिया में दूसरा सबसे ज्यादा जाम वाला शहर है। रैंकिंग में सिर्फ मैक्सिको सिटी ऐसा शहर है, जहां ट्रैफिक की स्पीड बेंगलुरु से कम है। पांचवें स्थान पर महाराष्ट्र का पुणे शहर है।

कुछ अलग

रामायणः हनुमान जी की सीख

रामायण में जब हनुमान जी माता सीता की खोज में लंका पहुंचे, तब उनके सामने एक अत्यंत विचित्र और चुनौतीपूर्ण संसार था। लंका सोने की थी, भव्य थी, लेकिन वहां रावण जैसा अधर्मी रहता था। हर ओर भोग-विलास, नशा, अहंकार और अज्ञान का वातावरण था। हनुमान जी ने लंका के एक-एक महल में देवी सीता को खोजना शुरू किया। हर महल में उन्हें कई स्त्रियां दिखीं, लेकिन माता सीता कहीं दिखाई नहीं दीं। हनुमान जी स्वयं माता सीता को कभी देख नहीं पाए थे, फिर भी उनके मन में माता की पवित्र छवि स्पष्ट थी। वे जानते थे कि इतनी अशुद्ध और विकृत जगह में देवी सीता नहीं हो सकतीं। खोज करते-करते वे एक विशाल महल में पहुंचे, जहां उन्होंने रावण को पहचान लिया। रावण मदहोशी में सो रहा था, उसके चारों ओर स्त्रियां भी थीं। हनुमान जी समझ गए कि यह निद्रा नहीं, अहंकार और अधर्म की बेहोशी है, लेकिन यहां भी माता सीता नहीं थीं। इस बिंदु पर हनुमान जी के मन में निराशा ने जगह बना ली। उन्होंने सोचा कि अगर मैं माता सीता की सूचना के बिना लौट गया तो श्रीराम को क्या उत्तर दूंगा? ये विचार उनके मन को व्यथित कर रहा था, लेकिन हनुमान जी ने हार नहीं मानी। उन्होंने निश्चय किया कि बिना लक्ष्य पूरा किए लौटना नहीं है। उन्होंने आंखें बंद कीं और मन ही मन श्रीराम से प्रार्थना की कि प्रभु, मुझे मार्ग दिखाइए। उसी क्षण उनकी दृष्टि एक ऐसे महल पर पड़ी जो बाकी सभी से भिन्न था। वहां न शोर था, न विलासिता। उस महल में एक छोटा-सा मंदिर था। ये देखकर हनुमान जी चकित रह गए। जो रावण संसार के मंदिरों को नष्ट करता है, उसी की लंका में मंदिर का होना आशा का संकेत था।

आप का नज़रिया

ताकि भूमि की फिजूलखर्ची रुके

सार्वजनिक जमीन की उपयोगिता तलाशने-तराशने का काम अगर अब राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी की अध्यक्षता में समिति शुरू कर रही है, तो यह विकास का नया व्याकरण है। विभागीय पांवों के नीचे कितनी जमीन बेकार और कितने खंडहर ढो रही है, इसकी पड़ताल पहली बार कोई सरकार कर रही है। अपनी जमीन पर कितना टिका व टिकाऊ है हिमाचल, यह अगर तय हो जाए तो किफायती इस्तेमाल के नतीजे बेहतर होंगे। जमीन का पुनर्गठन पूलिंग और वन भूमि के बेहतर पैमाने तय करके होगा। सर्वप्रथम सरकारी भूमि का लैंड बैंक बनाना जरूरी है। अब अगली सदी की चुनौतियों को देखते हुए सार्वजनिक भूमि की जरूरतें बदल रही हैं और यह एक अध्ययन का सवाल है कि 70 लाख हिमाचलियों के विकास, आवास, कनेक्टिविटी, व्यापार, रोजगार व स्वावलंबन के बदलते अर्थों को कितनी जमीन, कितना आसमान, कितना पानी और कितना परिवेश चाहिए। कम से कम 68 प्रतिशत भूमि को जंगल घोषित करके शेष बची 32 प्रतिशत जमीन के सहारे हम वांछित, गतिशील व निरंतर परिणाम नहीं ला सकते। खैर सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार कम से कम यह तो सोच रही है कि विभागीय तौर पर जमीन का इस्तेमाल कितना सही, कितना गलत और कितना व्यर्थ या अन्यूज्ड रहा है। भविष्य के बड़े संस्थानों, नए अधिमानों और तरक्की के पैमानों को अधिक जमीन चाहिए। कमोबेश हर शहर को भविष्य की रूपरेखा में विकसित करने के लिए अतिरिक्त भूमि चाहिए। इस दृष्टि से हर शहर को लैंड बैंक स्थापित करना चाहिए, बल्कि गांव के स्तर पर भूमि बैंक होना चाहिए। सडक़ों पर चौक-चौराहे सही करने के लिए जमीन चाहिए, हर गांव में बस स्टॉप और पार्किंग के लिए जमीन चाहिए। हम कहते आए हैं कि हर गांव में कम से कम एक मैदान विकसित करें, जबकि शहर की चारों दिशाओं में एक-एक सामुदायिक मैदान स्थापित करना होगा। इसी तर्ज पर सार्वजनिक इस्तेमाल के लिए इस्तेमाल हुई भूमि को अब बेहतर इस्तेमाल की दृष्टि से देखना होगा। वर्तमान सरकार ने अगर खाली पड़े सरकारी भवनों में किराये के भवनों में चल रहे दफ्तरों को शिफ्ट करने की प्रक्रिया शुरू की है, तो इसे सही परिप्रेक्ष्य में लेना होगा। इसी तरह एक पहल धूमल सरकार ने भी की थी जब अनेक दफ्तरों के लिए एक ही कंबाइड बिल्डिंग बननी शुरू हुई थीं। सरकार की ही कई इमारतों का गलत या गलत जगह निर्माण हटाना होगा। जिस तरह राजधानी शिमला से कई कार्यालय जिला स्तर पर शिफ्ट करने से उपयोगिता बढ़ेगी, उसी तरह जिला मुख्यालयों से भी अनावश्यक दफ्तर हटाने होंगे। प्रदेश में अनावश्यक व बिखरे रूप से डाक बंगलों का निर्माण भी जमीन की फिजूलखर्ची है। अगर जिला व प्रमुख शहरों के महत्त्व को देखते हुए एक ही भवन में सभी को रेस्ट हाउस की सहूलियत मिलें, तो किफायत होगी। मसलन शिमला के अलावा जिला मुख्यालयों पर अगर संयुक्त रेस्ट हाउस बना दिए जाएं, तो इनका बेहतर संचालन टूरिज्म कारपोरेशन के जरिए हो सकता है। धर्मशाला में विधानसभा परिसर के साथ सौ कमरों के एक ही परिसर में अगर रेस्ट हाउस-सर्किट हाउस की सुविधाएं मिलें, तो कम से कम दो दर्जन इमारतें खाली हो जाएंगी। इतना ही नहीं, निजी क्षेत्र को पार्टनर बनाया जाए, तो बिना खर्च ऐसी इमारतें उपलब्ध हो सकती हैं। एक स्टार्ट अप योजना के तहत पढ़े लिखे बेरोजगारों को जगह उपलब्ध करवाकर सरकारी-कर्मचारी-अधिकारियों की आवासीय व्यवस्था सौंप दी जाए, तो सरकार का खर्चा बचेगा और कई युवा अपने लिए इसे रोजगार का साधन बना लेंगे। सार्वजनिक जमीन का सही-सही इस्तेमाल तब होगा अगर सरकारी संपत्तियों के निर्माण, विकास और देखभाल के लिए एक सरकारी एस्टेट प्रबंधन एवं विकास प्राधिकरण का गठन किया जाए। इस तरह अलग-अलग विभागों के नाम करने के बजाय एस्टेट प्राधिकरण अपने लैंड बैंक के तहत सरकारी इमारतों के आबंटन तथा उनके इस्तेमाल के पुख्ता प्रबंधन की दिशा में व्यावसायिक ढंग से काम कर पाएगा।

> विभागीय पांवों के नीचे कितनी जमीन बेकार और कितने खंडहर ढो रही है, इसकी पड़ताल पहली बार कोई सरकार कर रही है। अपनी जमीन पर कितना टिका व टिकाऊ है हिमाचल, यह अगर तय हो जाए तो किफायती इस्तेमाल के नतीजे बेहतर होंगे। जमीन का पुनर्गठन पूलिंग और वन भूमि के बेहतर पैमाने तय करके होगा। सर्वप्रथम सरकारी भूमि का लैंड बैंक बनाना जरूरी है। अब अगली सदी की चुनौतियों को देखते हुए सार्वजनिक भूमि की जरूरतें बदल रही हैं और यह एक अध्ययन का सवाल है कि 70 लाख हिमाचलियों के विकास, आवास, कनेक्टिविटी, व्यापार, रोजगार व स्वावलंबन के बदलते अर्थों को कितनी जमीन, कितना आसमान, कितना पानी और कितना परिवेश चाहिए। कम से कम 68 प्रतिशत भूमि को जंगल घोषित करके शेष बची 32 प्रतिशत जमीन के सहारे हम वांछित, गतिशील व निरंतर परिणाम नहीं ला सकते। खैर सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार कम से कम यह तो सोच रही है कि विभागीय तौर पर जमीन का इस्तेमाल कितना सही, कितना गलत और कितना व्यर्थ या अन्यूज्ड रहा है। भविष्य के बड़े संस्थानों, नए अधिमानों और तरक्की के पैमानों को अधिक जमीन चाहिए। कमोबेश हर शहर को भविष्य की रूपरेखा में विकसित करने के लिए अतिरिक्त भूमि चाहिए।

दृष्टि कोण

दुनिया को गुमराह ही किया दावोस में ट्रम्प ने

स्विट्ज़रलैंड के दावोस में 19 जनवरी से आरम्भ वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) की 56वीं वार्षिक बैठक का समापन 23 जनवरी को हो चुका है। वहां ट्रम्प गए, पीएम मोदी उनसे रूबरू होने नहीं गए। इस बार की वार्षिक बैठक का थीम, 'ए स्पिरिट ऑफ डायलॉग' रखा गया है। लेकिन इस डायलॉग का क्या हासिल हुआ? जो बिज़नेस लीडर, नेता-नौकरशाह-अर्थशास्त्री-मीडियाकर्मी यहां आये, उससे उनके देशों या दुनिया को क्या लाभ मिला? इस बात पर कम ही बहस होती है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) एक अंतरराष्ट्रीय थिंक टैंक है, जो वैश्विक आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए शासन प्रमुखों, बिजनेस लीडर्स, नीति निर्माताओं और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाता है। डब्ल्यूईएफ का मुख्यालय जेनेवा के कोलोग्नी में स्थित है। इसकी स्थापना 24 जनवरी, 1971 को जर्मन मूल के क्लाउस श्वाब द्वारा की गई थी, जो जेनेवा विश्वविद्यालय में प्रोफेसर थे। इसके संस्थापक क्लाउस श्वाब, दशकों तक इसके अध्यक्ष बने रहे। श्वाब ने अप्रैल 2025 में प्रबंधन पर उठे सवाल, और आंतरिक जांच के बीच अध्यक्ष पद छोड़ दिया था। जांच में श्वाब और उनकी पत्नी को क्लीन चिट मिली, लेकिन श्वाब ने यह कहते हुए दोबारा ज्वाइन करने से मना किया, कि डब्ल्यूईएफ में वातावरण विषाक्त हो चुका है। रफ्ता-रफ्ता वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की गंभीरता कम होती जा रही है। बल्कि, इसे 'हाई-प्रोफ़ाइल पिकनिक स्पॉट' की नज़रों से देखा जाने लगा है। आलोचकों का तर्क यह भी है, कि यह मंच, धनी देशों और बड़ी कंपनियों को विशेषाधिकार देता है। अमेरिकी राजनीतिक वैज्ञानिक सैमुअल पी. हंटिंगटन ने इस मंच को 'अभिजात वर्ग के लिए एक मिलन स्थल' के रूप में वर्णित किया, और एक शब्द गढ़ा 'दावोस मैन'। कई वैसे पत्रकार, जिन्हें आर्थिक समझ नहीं है, वो भी 'ग्लोबल जर्नलिस्ट' के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज़ कराने दावोस पहुंच जाते हैं। द स्विस

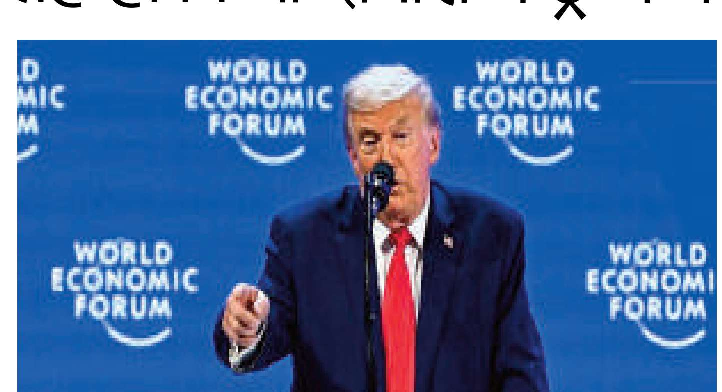

टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इस सालाना बैठक का वेन्यू, दावोस से कहीं और रखने पर भी विचार किया गया है। दावोस में भीड़ को देखकर स्विस नागरिक असहज होने लगे हैं। आमतौर पर डब्ल्यूईएफ में वैश्विक आर्थिक रुझान, भू-राजनीति, जलवायु नीति, सार्वजनिक स्वास्थ्य और तकनीकी परिवर्तन पर पैनल चर्चाओं के साथ-साथ छोटी कार्यशालाएं, और गुप्त बैठकें शामिल होती हैं। लेकिन इसका ढब धीरे-धीरे बदलता चला गया। आलोचकों का कहना है, कि दावोस में बातें बहुत ज़्यादा होती हैं, मगर दुनिया में बढ़ती असमानता को ठीक करने, और क्लाइमेट चेंज जैसी समस्याओं को दूर करने के लिए काम नहीं के बराबर होता है। इस बार लगभग 400 टॉप पॉलिटिकल लीडर, जिनमें 60 से ज़्यादा देशों के राष्ट्राध्यक्ष और सरकार के प्रमुख शामिल हैं, और दुनिया की कई बड़ी कंपनियों के लगभग 850 चेयरमैन, चीफ एग्जीक्यूटिव ने हिस्सा लिया। दावोस में ईरान की उपस्थिति नहीं थी, इस्राइल के राष्ट्रपति इशाक हर्जोग ज़रूर आये। इस साल जियोपॉलिटिकल माहौल बहुत ज़्यादा कॉम्प्लेक्स हो गया। यूरोपियन यूनियन के नेताओं ने ग्रीनलैंड पर कब्ज़े की कोशिश को लेकर नए टैरिफ लगाने की ट्रंप की धमकी को 'ब्लैकमेल' कहा है। वेनेजुएला, ग्रीनलैंड और ईरान जैसे अलग-अलग विषयों पर ट्रंप के बयानों और आक्रामक टैरिफ नीतियों ने दुनिया के सिस्टम को उलट-पुलट कर दिया है, चुनांचे फोरम की बैठक में ट्रंप ही छाए रहे। पांच दिनों में 200 सत्र आहूत किये गए थे, लेकिन ट्रम्प आये, और सारे विमर्श बस्ते में बंद हो गए।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका कोई पड़ोसी आज आपसे धन उधार मांगने आ सकता है, आपको सलाह दी जाती है कि उधार देने से पहले उनकी विश्वसनीयता अवश्य जांच लें नहीं तो धन हानि हो सकती है। तल्ख़ बर्ताव के बावजूद आपको जीवन–साथी का सहयोग मिलेगा। आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे– और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। आपकी कड़ी मेहनत और निष्ठा ख़ुद आपके लिए बोलेगी व दूसरों का विश्वास और सहयोग आपको हासिल होगा। कोई आध्यात्मिक गुरू या बड़ा आपकी सहायता कर सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज इस राशि के कुछ बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। दोपहर के बाद किसी पुराने दोस्त से मुलाक़ात दिन को ख़ूबसूरत बना देगी। आप अपने सुनहरे दिनों को याद करके पुरानी यादों में डूब जाएंगे। प्रेमी एक–दूसरे की पारिवारिक भावनाओं को समझेंगे। आपके कठिन परिश्रम को पुरस्कार मिलेगा, क्योंकि आपकी पदोन्नति हो सकती है। आर्थिक लाभ के बारे में न सोचें, क्योंकि आगे चलकर आपको इससे बहुत फ़ायदा होगा। पढ़ाई के लिए यही समय सबसे सही है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आपका बचाया धन आज आपके काम आ सकता लेकिन इसके साथ ही इसके जाने का आपको दुख भी होगा। बच्चों की उनसे जुड़े मामलों में मदद करना आवश्यक है। आपको प्यार में ग़म का सामना करना पड़ सकता है। अगर आप अपना ज्ञान और अनुभव औरों के साथ बाटेंगे, तो निश्चय ही आपको प्रतिष्ठा मिलेगी। कोई रोचक मैगजीन या उपन्यास पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं। अपने जीवनसाथी से बात करें और कुछ मस्तीभरी योजना बनाएँ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दिन फ़ायदेमन्द साबित होगा और आप किसी पुरानी बीमारी में काफ़ी आराम महसूस करेंगे। आज आप काफ़ी पैसे बना सकते हैं– लेकिन इसे अपने हाथों से फिसलने न दें। आज आपको अपने होशियारी और प्रभाव का उपयोग संवेदनशील घरेलू मुद्दों को हल करने के लिए करना चाहिए। प्यार एक ऐसा जज़्बा है जिसे न सिर्फ़ महसूस किया जाना चाहिए, बल्कि अपने प्रिय के साथ बांटना भी चाहिए। काम पर लोगों के साथ मेलजोल में समझ और धैर्य से सावधानी बरतें। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। संबंधी आपके उदार स्वभाव का ग़लत फ़ायदा उठाने की कोशिश करेंगे। चौकन्ने रहें, नहीं तो बाद में आप ठगा हुआ महसूस करेंगे। उदारता एक हत तक ही ठीक है, लेकिन अगर यह अपना दायरा पार कर ले तो परेशानी बन जाती है। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। रात को ऑफिस से घर आते वक्त आज आपको सावधानी से वाहन चलाना चाहिए ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे– आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है। आपको बच्चों या ख़ुद से कम अनुभवी लोगों के साथ धैर्य से काम लेने की ज़रूरत है। रुमानी यादें आज आपके ऊपर छायी रहेंगी। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। कारोबारी आज करोबार से ज्यादा अपने परिवार के लोगों के बीच समय बिताना पसंद करेंगे। इससे आपके परिवार में सामंजस्य बनेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

यदि आप किसी से उधार वापस मांग रहे थे और अब तक वो आपकी बात को टाल रहा था तो आज बिना बोले ही वो आपको पैसा लौटा सकता है। दोस्तों के साथ कुछ दिलचस्प और रोमांचक समय बिताने के लिए अच्छा समय है। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे–छोटे तोहफ़े लोगों को दें। नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। परिवार की जरुरतों को पूरा करते–करते आप कई बार खुद को वक्त देना भूल जाते हैं। लेकिन आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा–पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। घर पर मेहमानों का आना दिन को बढ़िया और ख़ुशगवार बना देगा। बेवजह का शक रिश्तों को खराब करने का काम करता है। आपको भी अपने प्रेमी पर शक नहीं करना चाहिए। यदि किसी बात को लेकर आपके मन में उनके प्रति संशय है तो उनके साथ बैठकर हल निकालने की कोशिश करें। इस राशि के कारोबारी आज किसी करीबी की गलत सलाह के कारण परेशानी में आ सकते हैं। जॉब करने वाले जातकों को आज कार्यक्षेत्र में सोच–समझकर चलने की जरुरत है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जल्दबाज़ी में फ़ैसले न लें– ख़ासतौर पर अहम आर्थिक सौदों में मोलभाव करते वक़्त। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। आपके प्रिय/जीवनसाथी का फ़ोन आपका दिन बना देगा। अगर आप कामकाज के लिए ज़रूरत से ज़्यादा दबाव बनाएंगे तो लोग भड़क सकते हैं – कोई भी फ़ैसला लेने से पहले दूसरों की ज़रूरतों को समझने की कोशिश करें। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपके घर वाले आपकी कोशिशों और समर्पण को सराहेंगे। आपका प्यार न सिर्फ़ परवान चढ़ेगा, बल्कि नई ऊँचाइयों को भी छूएगा। दिन की शुरुआत प्रिय की मुस्कान से होगी और रात उसके सपनों में ढलेगी। आज के दिन आप सबके ध्यान का केंद्र होंगे और सफलता आपकी पहुँच में होगी। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को ज़िंदगी में जगह भी दे सकते हैं. कोई चिट्ठी या ई–मेल पूरे परिवार के लिए अच्छी ख़बर लाएगी। रोमांस को झटका लगेगा और आपके क़ीमती तोहफ़े भी आज जादू चलाने में विफल रहेंगे। अगर आज आपका रुख़ विनम्र और सहयोगी है, तो आपको अपने साझीदारों से बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलेगी। आज किसी सहकर्मी के साथ आप शाम का वक्त बिता सकते हैं ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

रात के समय आप आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया धन आज आपको वापस मिल सकता है। गृह–प्रवेश के लिए शुभ दिन है। जो लोग प्रेम के संगीत में डूबे हुए हैं, वही इसकी स्वर–लहरियों का आनन्द ले सकते हैं। आज के दिन आप भी उस संगीत को सुन सकेंगे, जो दुनिया के बाक़ी सभी गीतों को भुलवा देगा। आपको अपनी प्रतिभा दिखाने का अच्छा मौक़ा मिलेगा। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भाई–बहनों के साथ घूमने का प्लान कर सकते हैं ।

आज का पंचांग

दिनांक : 27 जनवरी 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : माघ , शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी रात्रि 07:07 तक
नक्षत्र : भरणी प्रातः 11:07 तक
योग : शुक्ल रात्रि 03:12 तक
करण : बालव प्रातः 08:16 तक
चन्द्रराशि : मेष सायं 04:45 तक
सूर्योदय : 06:49 , सूर्यास्त 06:08 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:46, सूर्यास्त 06:18 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 06:10 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 06:01 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : दुर्गा नवमी , शुक्र तारा अस्त है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

जयपुर में 77वें गणतंत्र दिवस का राज्य स्तरीय समारोह आयोजित

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया

जयपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)।
सवाई मानसिंह स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य, गणमान्यजन उपस्थित रहे। राज्यपाल ने झंडा फहराने के बाद परेड का निरीक्षण किया और सलामी गारद द्वारा प्रस्तुत मार्च पास्ट की सलामी ली। राज्यपाल बागडे ने इस दौरान गणतंत्र दिवस पर विकसित भारत– विकसित राजस्थान के निर्माण में सभी को अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस हमें हमारे संविधान की महान परंपरा, उसके मूल तत्व और उसके आदर्शों में अटूट आस्था व्यक्त करने का अवसर है।

राज्यपाल ने राजस्थान में विभिन्न क्षेत्रों में हुए अभूतपूर्व विकास की चर्चा करते हुए कहा कि प्रदेश को 2029 तक 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य के साथ राज्य सरकार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, ऊर्जा, सड़क और औद्योगिक विकास जैसे बुनियादी क्षेत्रों में राज्य ने उल्लेखनीय प्रगति की है। जनहितैषी नीतियों और पारदर्शी शासन व्यवस्था से आमजन का विश्वास सुदृढ़ हुआ है तथा प्रशासनिक जवाबदेही को हर स्तर पर सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने देश के लिए अपना सब कुछ न्योछावर करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों और सीमाओं पर चौकस प्रहरियों के प्रति कृतज्ञता जताते हुए कहा कि उनकी बदौलत ही आज भारत विश्व पटल पर आत्मविश्वास से आगे बढ़ रहा है। राज्यपाल ने इस अवसर पर पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों को राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों और सामाजिक सेवा, सांस्कृतिक क्षेत्र आदि में विशिष्ट योगदान देने वाले लोगों को भी सम्मानित किया। इस अवसर पर लोक कलाकारों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी।

कर्तव्य पथ पर राजस्थान की झांकी बनी आकर्षण का केन्द्र

जयपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)।
77 वें गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर सोमवार को नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर निकली परेड में राजस्थान की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। बीकानेर की विश्वविख्यात उस्ता कला को केन्द्र में रखकर तैयार की गई इस झांकी ने अपनी विशिष्ट शिल्पकला, सांस्कृतिक वैभव और जीवंत प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। झांकी के अग्र भाग में राजस्थान के प्रसिद्ध लोक वाद्य रावणहट्टा का वादन करते कलाकार की 180 डिग्री घूमती प्रतिमा प्रदर्शित की गई। इसके दोनों ओर उस्ता कला से सजी सुराही, कुप्पी और दीपक आकर्षक फ्रेमों में लगाए गए हैं। झांकी का यह भाग लगभग 13 फीट ऊँचा है। ट्रेलर भाग में उस्ता कला से अलंकृत घूमती हुई पारंपरिक कुप्पी तथा हस्तशिल्प पर कार्य करते कारीगरों के दृश्य प्रदर्शित किए गए हैं, जो इस कला की जीवंत परंपरा को दर्शाते हैं। झांकी के पृष्ठभाग में विशाल ऊँट और ऊँट सवार की प्रतिमा राजस्थान की मरुस्थलीय संस्कृति एवं लोक जीवन का सशक्त प्रतीक है। दोनों ओर उस्ता कला से सजे मेहराबों में पत्तेदार स्वर्ण कारीगरी के उत्कृष्ट उदाहरण भी प्रदर्शित किए गए हैं।

ट्रेन में छूटा सोने–चांदी के गहनों से भरा बैग, चंद घंटों में यात्री को मिला वापस

जोधपुर/लूणी, 26 जनवरी (एजेंसियां)।
भारतीय रेलवे की हेल्पलाइन 139 और रेल सुरक्षा बल एक बार फिर यात्रियों के लिए मददगार साबित हुई है। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस की गहमागहमी के बीच मूंडवा से जोधपुर की यात्रा कर रहे एक यात्री का कीमती गहनों से भरा बैग ट्रेन में ही छूट गया, जिसे रेलवे पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सुरक्षित बरामद कर यात्री को सुपुर्द कर दिया। घर पहुँचने पर लगा बैग छूटने का पता जानकारी के अनुसार, यात्री मूंडवा से जोधपुर की ओर यात्रा कर रहा था। सफर के दौरान भूलवश वह अपना बैग ट्रेन में ही भूल गया। इस बात की जानकारी यात्री को तब हुई जब वह अपने घर पहुँच गया। बैग में सोने और चांदी के कीमती आभूषण भरे हुए थे। घबराए हुए यात्री ने तुरंत जीआरपी थाना जोधपुर और रेलवे की एकीकृत हेल्पलाइन 139 पर संपर्क कर मदद की गुहार लगाई। सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस सक्रिय हो गई।लूणी जीआरपी चौकी प्रभारी एएसआई कंचन राठौड़ और आरपीएफ की महिला हेड कांस्टेबल कविता विश्नोई ने अपनी टीम के साथ तुरंत तलाशी अभियान शुरू किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शासन सचिवालय में फहराया राष्ट्रध्वज

जयपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान के बाद हमें आजादी मिली और भारत एक लोकतांत्रिक गणराज्य बना। उन्होंने कहा कि भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर द्वारा रचित हमारा संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार संविधान में निहित लोक कल्याण की भावना को धरातल पर उतार रही है और उनके मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने गरीब, किसान, महिला और युवा वर्ग के उत्थान एवं सशक्तीकरण के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाना कार्मिकों का दायित्व है और राज्य सरकार उनके हितों के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। शर्मा सोमवार को गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजस्थान सचिवालय कर्मचारी संघ की ओर से शासन सचिवालय में 77वें गणतंत्र दिवस पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

1 लाख युवाओं को दी सरकारी नियुक्तियां, 1 लाख 54 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन–

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा देश और प्रदेश का भविष्य है, इसलिए राज्य सरकार उन्हें शिक्षण, प्रशिक्षण और रोजगार के भरपूर अवसर उपलब्ध करा रही है। हमारी सरकार ने अब तक 1 लाख से अधिक सरकारी नियुक्तियां दी है, साथ ही 1 लाख 54 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष के लिए भी एक लाख भर्तियों का कैलेंडर जारी किया जा चुका है। इस प्रकार हम भर्तियों के साढ़े तीन लाख के आंकड़े को पार कर चुके हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य सरकार 5 साल में 4 लाख सरकारी भर्तियों के लक्ष्य को हासिल करेगी।

शर्मा ने कहा कि निजी क्षेत्र में भी करीब ढाई लाख युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाया गया है। हमने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन कर लगभग 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश एमओयू किए, जिनमें से 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक के प्रस्ताव धरातल पर आ चुके हैं। इनसे युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए 71 नए राजकीय महाविद्यालयों की स्थापना की गई है। उनके सर्वांगीण विकास के लिए राजस्थान युवा नीति और रोजगार नीति लागू की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश का युवा रोजगार चाहने वाला ही नहीं बल्कि रोजगार देने वाला भी बने, इसके लिए मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना की शुरुआत की गई है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य के 18 से 45 वर्ष की आयु के युवाओं को ब्याज–मुक्त ऋण प्रदान करके उद्यमिता की ओर प्रेरित करना है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 3 लाख 37 हजार से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया गया है और करीब 2 लाख युवाओं को इंटर्नशिप करवाई गई है। इसके साथ ही 65 आई स्टार्टअप लॉन्चपैड नेस्ट स्थापित किए गए हैं। 658 स्टार्टअप्स को करीब साढ़े 22 करोड़ की सहायता प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य कर्मचारी सरकार और जनता के बीच की एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं जो कल्याणकारी योजनाओं और निर्णयों को त्वरित गति से जनता तक पहुंचाकर उन्हें लाभान्वित करते हैं। उन्होंने कहा कि शासन सचिवालय में रिक्त लिपिक ग्रेड–द्वितीय के 584 एवं शीघ्रलिपिक के 194 पदों पर भर्ती के क्रम में 557 अभ्यर्थियो ने लिपिक ग्रेड द्वितीय के पद पर कार्यग्रहण कर लिया है एवं शेष पदों पर नियुक्ति प्रक्रियाधीन है। शीघ्रलिपिक भर्ती परीक्षा 2024 का परिणाम जारी किया जा चुका है एवं दस्तावेज सत्यापन की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

हरियाणा विधानसभा अधिकारियों ने की सोनीपत जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक

सोनीपत, 26 जनवरी (एजेंसियां)।
हरियाणा विधान सभा सचिवालय के अधिकारियों ने रविवार को सोनीपत जिला प्रशासन तथा मुरथल स्थित दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ बैठक की। उच्चतर शिक्षा विभाग के महानिदेशक श्रीनिवासन नारायणन की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में आगामी 14 फरवरी को विश्वविद्यालय में प्रस्तावित युवा सम्मेलन की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण के निर्देशानुसार आयोजित होने वाले इस युवा सम्मेलन में सोनीपत जिले के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की भागीदारी प्रस्तावित है। इस अवसर पर अधिकारियों ने विश्वविद्यालय परिसर का दौरा कर सम्मेलन स्थल, सभागार सहित अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण भी किया। बैठक में अतिथियों के ठहराव की व्यवस्था, सम्मेलन स्थल की तैयारियां, स्वागत एवं पंजीकरण, पार्किंग, सुरक्षा व्यवस्था, फायर सेफ्टी, चिकित्सा सुविधाएं, परिवहन तथा जलपान व्यवस्था आदि पर विस्तार से विचार–विमर्श किया गया और आवश्यक दिशा–निर्देश तय किए गए। सभी अधिकारियों एवं उनकी टीमों ने 14 फरवरी 2026 को डीसीआरयूएसटी, मुरथल में युवा सम्मेलन आयोजित करने पर सहमति जताई।

जगमग गांव से इलेक्ट्रिक बसों तक, ऊर्जा–परिवहन में हरियाणा बन रहा रोल मॉडल : अनिल विज

यमुना नगर, 26 जनवरी (एजेंसियां)।
हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर यमुनानगर में आयोजित जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और भव्य परेड की सलामी ली तथा पुलिस लाईन में शहीदी स्मारक पर जाकर शहीदों को नमन किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों, शहीदों के परिवारों, बुजुर्गों, माताओं–बहनों, युवाओं, बच्चों, प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस बल, एनसीसी, एनएसएस, स्कूली विद्यार्थियों, पत्रकारों एवं जिले के गणमान्य नागरिकों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। कैबिनेट मंत्री ने गणतंत्र दिवस में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को मिठाई व उपहार देने के लिए 21 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने 27 जनवरी की छुट्टी की घोषणा की। अनिल विज ने कहा कि आज का दिन केवल एक पर्व नहीं, बल्कि हमारे संविधान, लोकतंत्र और राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ, जिसने देश को न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के मजबूत स्तंभ प्रदान किए। इसी संविधान ने भारत को एक संप्रभु, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में स्थापित किया। ऊर्जा मंत्री ने संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर सहित संविधान सभा के सभी सदस्यों को नमन करते हुए कहा कि उनके अथक परिश्रम और दूरदर्शिता के कारण ही आज देश का लोकतांत्रिक ढांचा मजबूत और जीवंत है।

उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, सरदार वल्लभभाई पटेल, लाला लाजपत राय, डॉ. राजेंद्र प्रसाद सहित उन सभी महान स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने देश की आज़ादी के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया।अनिल विज ने कहा कि आज़ादी के बाद से भारत निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहा है और आज विश्व में एक सशक्त, आत्मनिर्भर और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान बना चुका है।

हरियाणा प्रदेश लिख रहा है समृद्धि की एक नई परिभाषा : नायब सिंह

चंडीगढ़, 26 जनवरी (एजेंसियां)।
हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है। आज हरियाणा समृद्धि की एक नई परिभाषा लिख रहा है। जनता का शासन, जनता के लिए और जनता के द्वारा’ के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए हरियाणा प्रदेश, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प के साथ कदम से कदम मिलाकर तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। हरियाणा सरकार ने पुरानी परिपाटियों को बदलते हुए गरीबों के उत्थान के लिए न केवल नई योजनाएं शुरू की हैं, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया है कि वे योजनाएं धरातल पर प्रभावी रूप से लागू हों। मुख्यमंत्री ने 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर सोमवार को जिला गुरुग्राम में आयोजित समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इससे पहले उन्होंने वीर शहीदी स्मारक पर माल्यार्पण कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने हरियाणा पुलिस, महिला पुलिस, होमगार्ड तथा स्काउट्स सहित विभिन्न टुकड़ियों की परेड का निरीक्षण किया और उन्हें सलामी ली। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने संबोधन की शुरुआत अमर शहीदों, स्वतंत्रता सेनानियों, संविधान शिल्पी बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर तथा संविधान सभा के सभी सदस्यों को नमन करते हुए की और कहा कि वंदे मातरम और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प से ओत–प्रोत यह गणतंत्र दिवस हमें देश की एकता, सांस्कृतिक गौरव और स्वावलंबन की भावना का स्मरण कराता है। विविधताओं से भरा हमारा राष्ट्र सदैव एकता के सूत्र में बंधा रहा है, जिसकी झलक वंदे मातरम के 150 वर्षों के गौरवपूर्ण उत्सव में दिखाई देती है। आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर आगे बढ़ते हुए भारत आज विश्व मंच पर नई पहचान बना रहा है, जो प्रत्येक नागरिक के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गणतंत्र दिवस केवल अतीत को स्मरण करने का पर्व ही नहीं, बल्कि हमारे वर्तमान और भविष्य की उस सुनहरी तस्वीर को देखने का भी महापर्व है, जिसे हमने पिछले 11 वर्षों में मिलकर गढ़ा है। उन्होंने कहा कि दशकों तक सरकारें बदलती रहीं, लेकिन व्यवस्था नहीं बदली। व्यवस्था परिवर्तन के लक्ष्य के साथ गत विधानसभा चुनावों में सरकार ने अपने संकल्प–पत्र में 217 संकल्प लिए थे, जिनमें से 54 संकल्प मात्र एक वर्ष में पूरे कर लिए गए हैं, जबकि शेष 163 संकल्पों पर तेजी से कार्य जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रदेश की ‘बिना खर्ची–बिना पर्ची’ नौकरी नीति, ऑनलाइन रजिस्ट्री व्यवस्था, पारदर्शी ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी, पढ़ी–लिखी पंचायतें और अंत्योदय अभियान की चर्चा पूरे देश में हो रही है, जो नए हरियाणा की सशक्त और पारदर्शी तस्वीर प्रस्तुत करती है।

मंचेरियाल में कांग्रेस से बीआरएस में भारी पलायन, महापौर सीट पर निशाना

मंचेरियल, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । मंचेरियाल में कांग्रेस पार्टी को बड़ा झटका लगा है। पार्टी द्वारा गारंटी नामक वादों में कथित धोखाधड़ी के विरोध में स्थानीय नेता बड़े पैमाने पर बीआरएस (भरत राष्ट्र समिति) में शामिल हो गए। इन नेताओं ने महापौर पद पर कब्जे की रणनीति बनाते हुए बीआरएस को मजबूत करने का संकल्प जताया।

55वीं डिवीजन के कांग्रेस नेता व पूर्व पार्षद पोरेड्डी राजू, 49वीं डिवीजन के नेता अब्दुल सत्तार, 13वीं डिवीजन के नेता लिंगमूर्ति और उनके सैकड़ों समर्थक बीआरएस में शामिल हो गए। पूर्व मंचेरियाल विधायक नादेल्ली दिवाकर राव और बीआरएस प्रदेश नेता नादेल्ली विजय कुमार ने उन्हें पार्टी स्कार्फ भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया।

नए सदस्यों ने कहा कि चुनावी वादों की छह गारंटियों और 420 वचनों ने कांग्रेस को सत्ता दिलाई, लेकिन सत्ता में आने के दो साल बाद भी कोई वादा पूरा नहीं हुआ। जनता कांग्रेस के मतानाशाहीपूर्ण शासनफ और वादाखिलाफी से तंग आ चुकी है। उन्होंने चेतावनी दी कि आने वाले चुनावों में कांग्रेस को जनाक्रोश का सामना करना पड़ेगा।

बीआरएस नेता दिवाकर राव ने कहा कि यह पलायन पार्टी की लोकप्रियता का प्रमाण है और महापौर चुनाव में बीआरएस मजबूत स्थिति में होगी।

मदनूर राजस्व कर्मियों को गणतंत्र दिवस पर सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी सम्मान

मदनूर, 26 जनवरी 2026 (शुभ लाभ ब्यूरो)। गणतंत्र दिवस के अवसर पर मदनूर तहसील के राजस्व निरीक्षक एम. शंकर और जूनियर असिस्टेंट यू. रवि कुमार को सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी के रूप में प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया गया। जिला केंद्र में आयोजित समारोह में प्रभारी कलेक्टर वी. विक्टर, डीआरओ मधुकर और जिला एसपी राजेश चंद्र ने उन्हें सम्मान प्रदान किया।

मदनूर तहसीलदार कार्यालय में कार्यरत ये दोनों कर्मचारी अपनी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए चुने गए। तहसीलदार एम. डी. मुजीब ने कहा, ङ्खयह गर्व की बात है कि हमारे कर्मचारियों को यह सम्मान मिला। वे इसे प्रेरणा बनाकर और अधिक समर्पण से काम करें।ङ्ख उन्होंने दोनों को बधाई दी।

प्रशंसा पत्र प्राप्त करने पर शंकर और रवि ने जिला कलेक्टर, बांसवाड़ा उप-कलेक्टर तथा तहसीलदार का आभार जताया। उन्होंने कहा कि वे भविष्य में भी पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ जनसेवा जारी रखेंगे।

जुक्कल विधायक ने मदनूर में फहराया तिरंगा गणतंत्र दिवस पर दिया देशभक्ति संदेश

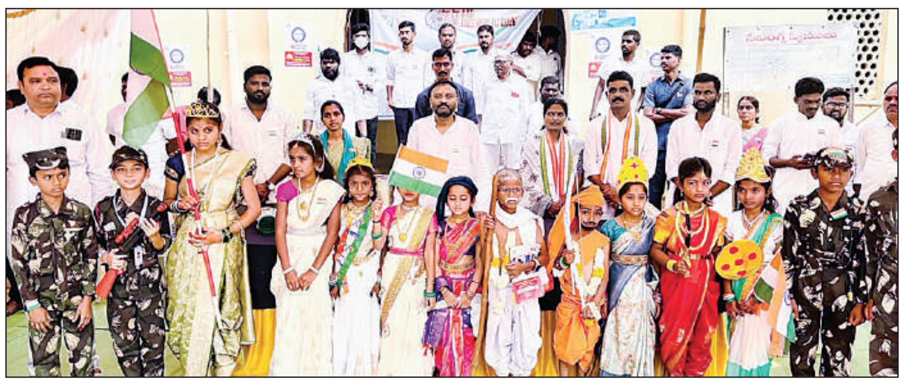

मदनूर, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । 77वें गणतंत्र दिवस पर जुक्कल विधायक थोथा लक्ष्मी कांतराव ने विधायक कार्यालय और कौलस किले पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। उन्होंने ध्वज को सलामी दी तथा स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों को नमन किया। सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई देते हुए विधायक ने संविधान द्वारा दिए अधिकारों व जिम्मेदारियों की याद दिलाई।

उन्होंने नागरिकों से देश के विकास, एकता और शांति के लिए योगदान देने का आह्वान किया। बाद में मदनूर तहसीलदार कार्यालय मैदान में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं।कार्यक्रम देखने वाले विधायक ने बच्चों को बधाई दी और कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों में देशभक्ति व अनुशासन की भावना जगाते हैं। इस अवसर पर सरपंच ऊषा संतोष, कृषि बाजार समिति अध्यक्ष सौजन्य, तहसीलदार एम. डी. मुजीब सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, जनप्रतिनिधि, छात्र और ग्रामीण उपस्थित रहे।

कोवलस में भक्ति भाव से मनाया रथ सप्तमी उत्सव, नवीन मठ भवन का उद्घाटन

मदनूर, 26 जनवरी 2026 (शुभ लाभ ब्यूरो) । रथ सप्तमी के पावन अवसर पर कोवलस गांव में अग्नि कुंडम का भव्य आयोजन किया गया। सोमवार सुबह भजनों, पारंपरिक नृत्यों और ओमकार जाप के बीच मठ से महादेव मंदिर तक शोभा यात्रा निकाली गई। पीठाधिपति बसवलिंग शिवचार्य महाराज, मल्लिकार्जुन शिवचार्य और शंकर लिंग शिवचार्य ने रथ को खींचा।

महादेव मंदिर में आयोजित अग्नि कुंडम में भक्तों ने जपते हुए अग्नि पर से गुजरकर भक्ति प्रदर्शित की। भगवान सूर्य के जन्मोत्सव पर यह परंपरा निभाई गई। जुक्कल मंडल के कोवलस में धर्म सभा को संबोधित करते हुए शैव पीठाधिपतियों ने धर्म पालन पर जोर दिया।

बसवलिंग शिवचार्य मठ में आयोजित बैठक में दस पीठाधिपतियों ने भाग लिया। नवनिर्मित मठ भवन का उद्घाटन पूर्व सांसद बीबी पाटिल, पूर्व विधायक हनुमंत शिंदे और गंगाराम ने किया। बसवलिंग शिवचार्य महाराज ने सहयोगियों को सम्मानित किया तथा कौलस महाराज को पुष्पांजलि अर्पित की गई। कलाकारों ने भजन प्रस्तुत किए।

रक्तदान शिविर आयोजित

बेल्लमपल्ली, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मारवाड़ी युवा मंच के तत्वावधान में सोमवार को बेल्लमपल्ली में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। स्थानीय निर्वाचन क्षेत्र के सभी राजनीतिक दलों के युवा नेताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

दोपहर तक 51 युवाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। मंच अध्यक्ष कृष्णकांत सोनी, सचिव बाला प्रसाद मारू, संयुक्त सचिव विजय लाहोटी, चंद्रकांत तोशनिवाल, कोषाध्यक्ष कमल लाहोटी, उपाध्यक्ष अरविंद अग्रवाल, कैंप चेयरमैन अखिल जवर, कन्वीनर राजेंद्र लाहोटी सहित अन्य सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाया। यह आयोजन सामाजिक जिम्मेदारी को दर्शाता है, जिससे क्षेत्र में सकारात्मक संदेश गया।

विधायक गड्डम विनोद ने किया सम्मक्का जतरा के लिए विशेष बस सेवा का उद्घाटन

बेल्लमपल्ली, 26 जनवरी 2026 (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेल्लमपल्ली विधायक गड्डम विनोद और सब-कलेक्टर मनोज ने सोमवार को नए बस स्टैंड पर सम्मक्का जतरा जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए विशेष बस सेवा का उद्घाटन किया। स्टैंड पर भक्तों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था भी की गई है।

विधायक गड्डम विनोद ने कहा, सम्मक्का जतरा के भक्त बेल्लमपल्ली के नए बस स्टैंड से विशेष बसों का लाभ उठाएं। उन्होंने यात्रियों से इस सुविधा का उपयोग करने की अपील की।

कार्यक्रम में पीसीसी सदस्य चिलुमुला शंकर, पूर्व चेयरमैन मत्तामारी सुरीबाबू, नगर अध्यक्ष मल्लैया, पूर्व पार्षद रोड्डा सारदा, एसीपी ए. रवि कुमार, आसिफाबाद डिपो के अधिकारी व स्टाफ उपस्थित रहे।

वेंकटेश मूकबधीर विद्यालय में उत्साह से मनाया गणतंत्र दिवस

धर्माबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। वेंकटेश मूकबधीर विद्यालय में प्रजासत्ताच दिन बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ। स्कूल सचिव संतोष जोशी ने राष्ट्र ध्वजा फहराया। प्रमुख अतिथि संतोष विभुते विशेष रूप से उपस्थित रहीं।झंडावंदन के बाद छात्रों ने लेझिम पथक का संचालन किया।

कार्यक्रम प्रधानाध्यापक देवीदास जोशी, शोभा जोशी, क्यादरकुंठे एम. डी., सावळे आर. एस., चवरे डी. बी., उमाटे एन. वि., नारसुने आर. जी., जोशी एम. एस., नरवाडे यू. एम., शेख एस. बी., कंठाळे डी. डी., पाटील एस. बी., चेंगे के. एम., तेलंग एस. जे. आदि के सहयोग से सफल रहा।

गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज मुधोल, जिला निर्मल में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ बनाया गया।

बेल्लमपल्ली में धूमधाम से मनाया 77वां गणतंत्र दिवस, विधायक गड्डम विनोद ने फहराया तिरंगा

बेल्लमपल्ली, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेल्लमपल्ली शहर में 77वें गणतंत्र दिवस का उत्सव बड़े पैमाने पर मनाया गया। सरकारी कार्यालयों, निजी संस्थानों, शैक्षणिक संस्थाओं, खदानों और विभागों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

जूनियर सिविल कोर्ट में जज जे. मुकेश, रेवेन्यू सब-डिवीजन कार्यालय में सब-कलेक्टर मनोज, विधायक कैंप कार्यालय में बेल्लमपल्ली विधायक गड्डम विनोद, तहसीलदार कार्यालय में तहसीलदार लौदिया कृष्णा तथा असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर कार्यालय में एसीपी ए. रवि कुमार ने तिरंगा फहराया।

कार्यक्रम में अधिकारियों व कर्मचारियों ने देशभक्ति के नारों के साथ उत्सव मनाया।

माहेश्री भवन में श्री बाबा रामदेव चरित्रामृत कथा का भव्य आरंभ

मंचेरियाल, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। माहेश्री भवन में श्री बाबा रामदेव चरित्रामृत कथा का आयोजन किया गया। पहले दिन महिलाओं ने बालाजी मंदिर से कलश यात्रा निकालकर भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया।

26 से 28 जनवरी तक चलने वाली इस कथा का वाचन वारंगल के पंडित पवन कुमार जी मालदिया कर रहे हैं। भगवान श्री बाबा रामदेव जी की आरती के बाद कथा का शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया, जो आगामी दिनों में भी जारी रहेगा।

जिला एसपी नितिका पंत ने 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिला पुलिस कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराया

आसिफाबाद , 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। आज 77वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में जिला पुलिस कार्यालय पर जिला पुलिस अधीक्षक नितिका पंत आईपीएस ने पुलिस सलामी ली तथा राष्ट्रीय ध्वज फहराया। बाद में उन्होंने अधिकारियों के साथ राष्ट्रगान गाया. इस अवसर पर बोलते हुए एसपी ने जिले के लोगों, पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि यह गणतंत्र दिवस भारत के लिए संविधान की उस अनमोल लेखनी का दिन है, जो हमें प्रदान की गई, जिसके परिणामस्वरूप कई महान लोगों ने मातृभूमि के लिए अपने प्राणों की आहुति दी, उन्होंने कहा कि इस अवसर पर उन महान लोगों को याद करने की बहुत जरूरत है। उन्होंने कहा कि हमें संवैधानिक मूल्यों और आकांक्षाओं के अनुरूप जिम्मेदार नागरिक के रूप में रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि संविधान बिना किसी मतभेद के भारत के नये समाज के लिए लिखा गया है।

पुलिस अधिकारी और कर्मचारी पूरी जिम्मेदारी से काम करें और हर पीड़ित को न्याय मिले यही हमारे भारतीय संविधान की वैधता है। उन्होंने हमें अपने कर्तव्यों को समर्पण के साथ निभाने और लोगों का दिल जीतने की सलाह दी। बाद में, 44 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को पुलिस कर्तव्यों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्रशंसा पत्र दिए गए। इस कार्यक्रम में कागजनगर डीएसपी वहीदुद्दीन, इंस्पेक्टर सतीश, बालाजी वर प्रसाद, रमेश, संजय, कुमारस्वामी, सत्यनारायण, प्रेम कुमार, एसआई, आरएसआई, सीसी किरण, जिला पुलिस कार्यालय के अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए।

बांग्लादेश के समर्थन में आईसीसी से टकराव पाकिस्तान क्रिकेट पर मंडराता संकट

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)।

टी20 विश्व कप 2026 से पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) की बढ़ती नजदीकियाँ दोनों देशों के क्रिकेट के लिए भारी पड़ती दिखाई दे रही हैं। बांग्लादेश क्रिकेट टीम जहां पहले ही टी20 विश्व कप से बाहर हो चुकी है, वहीं अब पाकिस्तान क्रिकेट पर भी संकट के बादल गहराते जा रहे हैं। बांग्लादेश के बाहर होने से बीसीबी को बड़ा आर्थिक नुकसान झेलना पड़ेगा और भविष्य में उस पर आईसीसी द्वारा कड़े प्रतिबंध लगाए जाने की आशंका भी जताई जा रही है।

भारत–बांग्लादेश संबंधों में तनाव, क्रिकेट पर असर

पिछले कुछ समय से भारत और बांग्लादेश के बीच आपसी संबंध लगातार खराब हुए हैं। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर बढ़ती हिंसा की घटनाओं को लेकर भारत में व्यापक विरोध देखने को मिला। इसका असर क्रिकेट तक पहुँचा।

आईपीएल 2026 में बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को बाहर करने की मांग उठी, जिसके बाद बीसीसीआई के निर्देश पर केकेआर ने उन्हें रिलीज कर दिया। इस फैसले को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड और वहां की सरकार ने नकारात्मक रूप में लिया। प्रतिक्रिया स्वरूप बांग्लादेश में आईपीएल के प्रसारण पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय किया गया।

बीसीबी–आईसीसी विवाद और पाकिस्तान की एंट्री

इसी क्रम में बीसीबी ने अपनी टीम को टी20 विश्व कप के मैचों के लिए भारत न भेजने का फैसला किया और आईसीसी से अनुरोध किया कि उसके मैच श्रीलंका में कराए जाएँ या फिर उसका ग्रुप बदला जाए। आईसीसी ने यह मांग खारिज कर दी।

इस पूरे प्रकरण में पाकिस्तान का कोई प्रत्यक्ष रोल नहीं था, क्योंकि पाकिस्तान के टी20 विश्व कप 2026 के मैच पहले से ही श्रीलंका में निर्धारित हैं। इसके बावजूद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड बिना बुलाए मेहमान की तरह बीसीबी के समर्थन में खुलकर सामने आया। आईसीसी बोर्ड सदस्यों की बैठक में बांग्लादेश के पक्ष मंह वोट करने वाला पाकिस्तान अकेला देश था। पाकिस्तान ने आईसीसी को मेल लिखकर आयोजन स्थल भारत से हटाने की मांग भी की।

बांग्लादेश बाहर, पाकिस्तान की धमकी

आईसीसी ने खिलाड़ियों की सुरक्षा की गारंटी देते हुए बांग्लादेश को भारत आकर खेलने की सलाह दी, लेकिन बीसीबी ने अपनी सरकार की सलाह पर विश्व कप से हटने का फैसला कर लिया। उसकी जगह स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल किया गया।पीसीबी ने बांग्लादेश के बाहर होने को गलत बताते हुए सवाल उठाया कि जब पाकिस्तान के लिए हाइब्रिड मॉडल संभव है तो बांग्लादेश के लिए क्यों नहीं। टीमों की घोषणा के बाद भी पाकिस्तान ने बांग्लादेश के समर्थन में विश्व कप से बाहर होने की धमकी दी है। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा है कि पाकिस्तान विश्व कप खेलेगा या नहीं, इसका फैसला प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ करेंगे।

आईसीसी और बीसीसीआई से टकराव पड़ सकता है भारी

विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान, बांग्लादेश के कंधे पर बंदूक रखकर बीसीसीआई और आईसीसी पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। इसके पीछे आईसीसी अध्यक्ष जय शाह का भारतीय होना भी एक बड़ा कारण बताया जा रहा है।

हालिया आईसीसी वोटिंग में यह साफ हो गया कि पाकिस्तान और बांग्लादेश को किसी अन्य देश का समर्थन हासिल नहीं है। ऐसे में आईसीसी में पाकिस्तान की स्थिति बेहद कमजोर नजर आ रही है।

कड़े प्रतिबंधों की आशंका

यदि पाकिस्तान विश्व कप से हटता है तो उसकी जगह युगांडा को मौका दिया जा सकता है। इसके बाद आईसीसी द्वारा पीसीबी पर कड़े प्रतिबंध लगाए जाने की संभावना है। इनमें आईसीसी और एसीसी प्रतियोगिताओं से प्रतिबंध, द्विपक्षीय सीरीज की अनुमति न देना, पीएसएल के लिए विदेशी खिलाड़ियों को एनओसी न मिलना और आर्थिक दंड शामिल हो सकते हैं।

अगर ऐसा हुआ तो पाकिस्तान क्रिकेट को अपूरणीय क्षति हो सकती है। इसलिए क्रिकेट जानकारों की राय है कि पाकिस्तान के लिए बेहतर यही होगा कि वह बांग्लादेश का समर्थन छोड़कर चुपचाप टी20 विश्व कप 2026 में हिस्सा ले।

बिंदियारानी देवी: भारतीय वेटलिफ्टिंग की मजबूत उम्मीद, ओलंपिक पदक का सपना कर रहीं साकार

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)।

भारत में महिलाओं को शक्ति और संकल्प का प्रतीक माना जाता है। मौजूदा दौर में मणिपुर की बिंदियारानी देवी ने अपनी ताकत, लगन और आत्मविश्वास के दम पर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का नाम रोशन किया है। भविष्य में देश को उनसे ओलंपिक और अन्य वैश्विक प्रतियोगिताओं में पदक की प्रबल उम्मीद है।

मणिपुर से अंतरराष्ट्रीय मंच तक का सफर

27 जनवरी 1999 को इम्फाल, मणिपुर में जन्मीं बिंदियारानी देवी देश की सबसे प्रतिभाशाली महिला वेटलिफ्टरों में गिनी जाती हैं। मणिपुर में वेटलिफ्टिंग को गंभीरता से लिया जाता है और इसी माहौल में बेहद कम उम्र में बिंदियारानी का इस खेल से जुड़ाव हो गया। कड़ी मेहनत और निरंतर अभ्यास के दम पर उन्होंने स्थानीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया, जिसके बाद राष्ट्रीय चयनकर्ताओं की नजर उन पर पड़ी।

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन

राष्ट्रीय स्तर पर बिंदियारानी देवी ने 49 किलोग्राम भारवर्ग में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसके साथ ही उन्होंने अपनी फिटनेस, सही पोषण और मानसिक तैयारी पर विशेष ध्यान देते हुए खुद को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर उन्हें पहली बड़ी पहचान कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप से मिली। वर्ष 2019 में इंटरनेशनल वेटलिफ्टिंग फेडरेशन (खथऋ) के इवेंट्स में गोल्ड मेडल जीतकर उन्होंने खुद को शीर्ष खिलाड़ियों में स्थापित किया। यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत करियर की बड़ी सफलता रही, बल्कि भारतीय महिला वेटलिफ्टिंग की बढ़ती प्रतिष्ठा का भी प्रतीक बनी।

पदकों से सजा शानदार करियर

बिंदियारानी देवी की प्रमुख उपलब्धियों में 2024 में फुकेट में आयोजित वर्ल्ड कप का कांस्य पदक, कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 का रजत पदक, कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप 2019 का स्वर्ण पदक और कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप 2021 व 2025 के रजत पदक शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने एशियन चैंपियनशिप 2023 में रजत और 2019 के दक्षिण एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक भी अपने नाम किया। ये सभी उपलब्धियां उन्होंने 55 किलोग्राम भारवर्ग में हासिल की हैं।

ओलंपिक पदक की उम्मीद

अनुशासन, कठोर प्रशिक्षण, कोचिंग और परिवार के सहयोग को अपनी सफलता की कुंजी मानने वाली बिंदियारानी देवी अपने मेहनती दृष्टिकोण के लिए जानी जाती हैं। खेल विशेषज्ञों और प्रशंसकों को उनसे भविष्य में ओलंपिक समेत अन्य बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भारत के लिए पदक जीतने की पूरी उम्मीद है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन में सबालेंका का ऐतिहासिक कारनामा, जोकोविच का रिकॉर्ड टूटा

मेलबर्न, 26 जनवरी (एजेंसियां)।

बेलारूस की स्टार टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में एक ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम करते हुए दिग्गज नोवाक जोकोविच का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। सबालेंका ने ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में लगातार 20वां टाईब्रेक जीतकर ओपन एरा में नया कीर्तिमान स्थापित किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड जोकोविच के नाम था, जिन्होंने लगातार 19 टाईब्रेक जीते थे।

रिकॉर्ड टूटने पर जोकोविच की हल्की–फुल्की प्रतिक्रिया

इस उपलब्धि के बाद खुद नोवाक जोकोविच ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्गएक्सफ पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने मजाकिया अंदाज में लिखा कि वह इस समय थोड़ा परेशान हैं, साथ ही दबाव में शानदार खेल दिखाने के लिए सबालेंका की जमकर सराहना भी की। उनकी यह प्रतिक्रिया टेनिस जगत में चर्चा का विषय बनी हुई है।

म्बोको को हराकर क्वार्टर–फाइनल में प्रवेश

मैच की बात करें तो सबालेंका ने कनाडा की 19 वर्षीय खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको को सीधे सेटों में 6–1, 7–6 से हराकर क्वार्टर–फाइनल में जगह बना ली। हालांकि म्बोको को 17वीं वरीयता मिली थी, लेकिन सबालेंका ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया।

पहले सेट में दमदार सर्विस और सटीक ग्राउंडस्ट्रोक्स के दम पर उन्होंने सिर्फ 31 मिनट में सेट अपने नाम कर लिया। इस दौरान उन्होंने तीन ऐस लगाए और रैलियों पर पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा।

टाईब्रेक में दिखा अनुभव और आत्मविश्वास

दूसरे सेट में मुकाबला कहीं ज्यादा रोमांचक हो गया। सबालेंका से कुछ अनफोर्स्ड गलतियां हुईं और म्बोको ने अपने खेल का स्तर ऊंचा कर लिया। युवा खिलाड़ी ने हर गेंद के लिए संघर्ष किया और लंबी रैलियों में सबालेंका को चुनौती दी। सबालेंका ने 4–1 की बढ़त बनाई और 5–4 पर मैच के लिए सर्व भी किया, लेकिन तीन मैच प्वाइंट गंवाने के बाद म्बोको ने वापसी करते हुए मुकाबले को टाईब्रेक तक खींच लिया।

हालांकि टाईब्रेक में पहुंचते ही सबालेंका का अनुभव और आत्मविश्वास साफ नजर आया। उन्होंने शुरुआत से बढ़त बनाते हुए आसानी से टाईब्रेक जीता और मुकाबला अपने नाम कर लिया, साथ ही ऐतिहासिक रिकॉर्ड भी कायम किया।

मेलबर्न में लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन

गौरतलब है कि मेलबर्न में सबालेंका का प्रदर्शन पिछले कुछ वर्षों से बेहद प्रभावशाली रहा है। उन्होंने 2023 में ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था और 2024 में अपने खिताब का सफल बचाव किया। इससे पहले वह एक बार उपविजेता भी रह चुकी हैं। इसके अलावा यूएस ओपन में भी वह दो बार खिताब जीत चुकी हैं। मौजूदा फॉर्म को देखते हुए सबालेंका इस बार भी खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही हैं। उनका यह नया रिकॉर्ड उनकी मानसिक मजबूती और बड़े मौकों पर संयम बनाए रखने की क्षमता का स्पष्ट प्रमाण है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन: मुसेट्टी ने फ्रिट्ज को हराया, क्वार्टर–फाइनल में जोकोविच से होगा महामुकाबला

मेलबर्न, 26 जनवरी (एजेंसियां)।

इटली के युवा टेनिस स्टार लोरेंजो मुसेट्टी ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के चौथे राउंड में शानदार प्रदर्शन करते हुए नौवीं सीड अमेरिकी खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज को 6–2, 7–5, 6–4 से हराकर क्वार्टर–फाइनल में प्रवेश कर लिया। यह मुसेट्टी के करियर का पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन क्वार्टर–फाइनल है।

सर्विस और निरंतरता ने दिलाई जीत

पूरे मुकाबले में मुसेट्टी का नियंत्रण स्पष्ट नजर आया। उन्होंने अपनी विविधता, सटीक सर्विस और निरंतरता के दम पर फ्रिट्ज पर लगातार दबाव बनाए रखा। मुसेट्टी ने पहली सर्व पर 84 प्रतिशत और दूसरी सर्व पर 74 प्रतिशत अंक जीते, साथ ही 13 एसेस भी लगाए।पहले सेट में उन्होंने फ्रिट्ज की सर्विस जल्दी ब्रेक कर 6–2 से सेट अपने नाम किया। दूसरा सेट ज्यादा संघर्षपूर्ण रहा, लेकिन अहम मौकों पर बेहतर खेल दिखाते हुए मुसेट्टी ने ब्रेक पॉइंट का फायदा उठाया और 7–5 से बढ़त बना ली। तीसरे सेट में 21 वर्षीय इटैलियन खिलाड़ी ने अपना मोमेंटम बनाए रखा और बिना किसी बड़े खतरे के मुकाबला अपने नाम कर लिया।

क्वार्टर–फाइनल में जोकोविच से टक्कर

मैच के बाद मुसेट्टी ने कहा,आज मेरी सर्विस वास्तव में बहुत अच्छी थी।

मैंने अपने करियर में एसेस के मामले में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है, इसलिए मैं काफी खुश हूं। पिछला सीजन काफी देर से खत्म हुआ था और मेरा लक्ष्य इस साल अच्छी शुरुआत करना था। क्वार्टर–फाइनल में पहुंचना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है।

इस जीत के साथ पांचवीं सीड मुसेट्टी ने रिकॉर्ड 10 बार के ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन नोवाक जोकोविच के खिलाफ क्वार्टर–फाइनल मुकाबला पक्का कर लिया है। जोकोविच इस मैच में लगातार छह जीत के साथ उतरेंगे और हेड–टू–हेड रिकॉर्ड में मुसेट्टी पर 9–1 से आगे हैं।

जोकोविच का रिकॉर्ड, मुसेट्टी के लिए बड़ी चुनौती

मुसेट्टी ने जोकोविच के साथ कोर्ट साझा करने को सम्मान की बात बताते हुए कहा कि उनके खिलाफ खेलने से हर बार कुछ नया सीखने को मिलता है, जो भविष्य में जीत दिलाने में मदद करता है।

जोकोविच ने पिछले सप्ताह ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपनी 100वीं जीत दर्ज की थी और ग्रैंड स्लैम में 400 जीत हासिल करने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बने थे। इसके साथ ही उन्होंने टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा पुरुष क्वार्टर–फाइनल खेलने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया।

मुसेट्टी और जोकोविच के बीच होने वाला यह क्वार्टर–फाइनल मुकाबला टेनिस प्रेमियों के लिए एक बेहद रोमांचक टक्कर साबित होने की उम्मीद है।

जेसिका पेगुला ने मैडिसन कीज को हराया, क्वार्टर–फाइनल में बनाई जगह

जेसिका पेगुला ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मैडिसन कीज को सीधे सेटों में 6–3, 6–4 से हराकर क्वार्टर–फाइनल में प्रवेश कर लिया। यह मुकाबला ऑल–अमेरिकन चौथे राउंड का था, जिसमें छठी सीड पेगुला ने अपनी हमवतन और करीबी दोस्त को मात्र एक घंटे 18 मिनट में मात दी।

इस जीत के साथ पेगुला ने ग्रैंड स्लैम के चौथे राउंड में अपना रिकॉर्ड 8–2 कर लिया और ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टर–फाइनल में चौथी बार जगह बनाई। खास बात यह रही कि 2023 के बाद मेलबर्न पार्क में यह उनका पहला क्वार्टर–फाइनल है। इससे पहले 2020 की चैंपियन सोफिया केनिन ने कोको गॉफ को हराकर इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन में पहली ऑल–अमेरिकन महिला सिंगल्स चौथे राउंड की भिड़ंत तय की थी।

मैच की शुरुआत से ही पेगुला ने आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने अपना पहला सर्विस गेम लव पर होल्ड किया और कीज की शुरुआती सर्विस को ब्रेक करते

हुए 2–0 की बढ़त बना ली। कीज को पहला ब्रेक पॉइंट सातवें गेम में मिला, लेकिन पेगुला ने तेज सर्विस और सटीक ग्राउंडस्ट्रोक्स के दम पर दबाव से निकलते हुए पहले सेट के लिए सफलतापूर्वक सर्व किया।

दूसरे सेट में मुकाबला और अधिक कड़ा हो गया। कीज ने शुरुआती गेम में लगातार दो डबल फॉल्ट कर ब्रेक पॉइंट का मौका दिया, वहीं नौवीं सीड कीज की एक और डबल फॉल्ट ने पेगुला को शुरुआती ब्रेक दिला दिया। पेगुला ने इस बढ़त को कायम रखते हुए 4–1 की लीड बना ली, हालांकि कीज ने दूसरे सर्व पर शानदार फोरहैंड रिटर्न विनर लगाकर एक ब्रेक वापस ले लिया।

मैच के निर्णायक पलों में पेगुला का अनुभव साफ नजर आया। उन्होंने एक शानदार ड्रॉप शॉट खेलते हुए दो मैच पॉइंट हासिल किए। पहले ही मैच पॉइंट पर कीज का फोरहैंड नेट में चला गया और पेगुला ने मुकाबला अपने नाम कर लिया। मैच के बाद दोनों खिलाड़ियों ने एक–दूसरे को गले लगाकर खेल भावना की मिसाल पेश की। अब क्वार्टर–फाइनल में जेसिका पेगुला का सामना चौथी सीड अमांडा अनिसिमोवा या वांग शिन्यु से होगा।

शीतकालीन ओलंपिक 2026: भारतीय खिलाड़ियों के चयन पर दिल्ली हाईकोर्ट की रोक

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने 2026 शीतकालीन ओलंपिक के लिए भारत के दो खिलाड़ियों के चयन प्रक्रिया पर रोक लगाते हुए अंतिम निर्णय को याचिका के निपटारे तक लंबित कर दिया है। यह आदेश भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा भेजे गए नामों को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया गया।

दिल्ली उच्च न्यायालय में दायर याचिका में क्रॉस–कंट्री स्कीयर मंजीत ने 2026 शीतकालीन ओलंपिक के लिए क्रॉस–कंट्री स्कीइंग स्पर्धा में स्टांजिन लुंडुप का नाम भेजे जाने के आईओए के फैसले को चुनौती दी है।

मंजीत का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय स्की और स्नोबोर्ड महासंघ (एफआईएस) की रैंकिंग में उनसे ऊपर होने के बावजूद उन्हें चयन प्रक्रिया में नजरअंदाज किया गया।

याचिका में मंजीत ने चयन प्रक्रिया में प्रक्रियागत खामियों और हितों के टकराव के गंभीर आरोप लगाए हैं। यह चयन आईओए द्वारा स्की एंड स्नोबोर्ड इंडिया के संचालन के लिए गठित तदर्थ समिति द्वारा किया गया था।भारत ने 2026 शीतकालीन ओलंपिक (6 से 22 फरवरी) के लिए कुल दो कोटे हासिल किए हैं। इनमें से पहला कोटा अल्पाइन स्कीयर आरिफ खान ने अपनी विश्व रैंकिंग के आधार पर अर्जित किया था।

आरिफ खान का रिकॉर्ड और कोर्ट की टिप्पणी

गौरतलब है कि आरिफ खान 2022 शीतकालीन ओलंपिक में हिस्सा लेने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी थे। इस मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति अमित शर्मा की एकल पीठ ने शुक्रवार को अपने आदेश में कहा,यह कहना पर्याप्त है कि आगामी ओलंपिक शीतकालीन खेल मिलानो–कोर्टिना 2026 के लिए खिलाड़ियों के नामों का चयन या भेजा जाना वर्तमान याचिका के परिणाम के अधीन रहेगा।

याचिका में मंजीत ने दोहराया कि पात्रता मानदंडों के अनुसार वह एफआईएस रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर थे, इसके बावजूद स्टांजिन लुंडुप का नाम आगे भेज दिया गया।वहीं, खेल मंत्रालय ने अदालत में अपने पक्ष में दलील दी कि भारत को क्रॉस–कंट्री स्कीइंग में कोटा किस आधार पर मिला, इसकी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है, क्योंकि सार्वजनिक डोमेन में इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि उपलब्ध नहीं है। इस मामले की अगली सुनवाई 27 जनवरी को होगी।

क्रिकेट में कुछ भी हो सकता है: युवराज सिंह का रिकॉर्ड न तोड़ पाने पर बोले अभिषेक शर्मा

गुवाहाटी, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

न्यूजीलैंड के खिलाफ गुवाहाटी में खेले गए तीसरे टी20 मुकाबले में अभिषेक शर्मा ने महज 14 गेंदों में अर्धशतक जड़कर दुनिया के नंबर–1 टी20 बल्लेबाज के तौर पर अपनी स्थिति और मजबूत कर ली। अभिषेक ने 20 गेंदों पर नाबाद 68 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें सात चौके और पांच छक्के शामिल रहे।

युवराज सिंह के रिकॉर्ड के बेहद करीब पहुंचे अभिषेक

इस धमाकेदार पारी के दौरान अभिषेक शर्मा अपने मेंटर युवराज सिंह के रिकॉर्ड के बेहद करीब पहुंच गए। युवराज सिंह के नाम किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा अंतरराष्ट्रीय टी20 में सबसे तेज अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड है, जो उन्होंने टी20 विश्व कप 2007 में इंग्लैंड के खिलाफ 12 गेंदों में बनाया था।

वहीं, ओवरऑल सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड नेपाल

के दीपेंद्र सिंह ऐरी के नाम है, जिन्होंने 2023 में सिर्फ नौ गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी।

मैच के बाद युवराज सिंह का रिकॉर्ड न तोड़ पाने को लेकर पूछे गए सवाल पर अभिषेक ने कहा, यह लगभग नामुमकिन जैसा है, लेकिन क्रिकेट में कुछ भी हो सकता है।उन्होंने यह भी माना कि मौजूदा सीरीज में भारतीय टीम के सभी बल्लेबाज शानदार लय में हैं और आने वाले मुकाबले और भी रोमांचक हो सकते हैं।

टीम की सोच और ड्रेसिंग रूम का माहौल बना ताकत

अपनी आक्रामक बल्लेबाजी को लेकर अभिषेक शर्मा ने कहा कि टीम उनसे इसी तरह के इरादे के साथ खेलने की उम्मीद करती है। उन्होंने स्वीकार किया कि हर मैच में ऐसा प्रदर्शन करना आसान नहीं होता और इसके लिए मानसिक मजबूती के साथ–साथ ड्रेसिंग रूम के सकारात्मक माहौल की भी बड़ी भूमिका होती है। रन चेज के दौरान पहली ही गेंद पर छक्का लगाने को लेकर अभिषेक ने स्पष्ट किया कि यह कोई पूर्व–नियोजित रणनीति नहीं थी, बल्कि गेंदबाज और संभावित गेंद को पढ़ने की उनकी स्वाभाविक प्रवृत्ति का नतीजा था।

110% से सीधे 40% होगा टैरिफ, यूरोप से आने वाली कारों पर होगी महाबचत

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)।
भारत यूरोपीय संघ से आयातित कारों पर टैरिफ को मौजूदा 110 प्रतिशत से घटाकर 40 प्रतिशत करने की योजना बना रहा है। यह कदम भारत के विशाल ऑटोमोबाइल बाजार को यूरोपीय कंपनियों के लिए अब तक का सबसे बड़ा अवसर खोल सकता है। यह फैसला ऐसे समय पर सामने आया है जब भारत और यूरोपीय संघ के बीच लंबे समय से चल रही मुक्त व्यापार समझौते की वार्ता अपने अंतिम चरण में है, जिसकी औपचारिक घोषणा मंगलवार तक होने की संभावना है।

सीमित संख्या में कारों पर तुरंत राहत

रायटर्स को वार्ता से अवगत दो सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने 27 देशों वाले यूरोपीय संघ से आयातित 15,000 यूरो (करीब 17,739 डॉलर) से अधिक कीमत वाली सीमित संख्या में कारों पर आयात शुल्क तुरंत घटाने पर सहमति जताई है। सूत्रों ने बताया कि समय के साथ इस टैरिफ को और कम कर 10 प्रतिशत तक लाने की भी योजना है।

इससे फॉक्सवैगन, मर्सिडीज-बेंज और बीएमडब्ल्यू जैसी यूरोपीय ऑटोमोबाइल कंपनियों के लिए भारतीय बाजार में प्रवेश आसान हो जाएगा। सूत्रों ने वार्ता की गोपनीयता का हवाला देते हुए अपनी पहचान उजागर न करने का अनुरोध किया है और कहा कि अंतिम समय में प्रस्ताव में बदलाव संभव है।

भारत-ईयू एफटीए जल्द हो सकता है अंतिम

भारत और यूरोपीय संघ के बीच मंगलवार को मुक्त व्यापार समझौते के समापन की घोषणा किए जाने की उम्मीद है। इसके बाद दोनों पक्ष इसके विस्तृत प्रावधानों को अंतिम रूप देंगे। इस समझौते को अब तक के सबसे महत्वपूर्ण व्यापार समझौतों में से एक बताया जा रहा है।

एफटीए से द्विपक्षीय व्यापार में तेज वृद्धि की संभावना है और वस्त्र व आभूषण जैसे भारतीय निर्यात क्षेत्रों को खास लाभ मिल सकता है, जो अगस्त के अंत से अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ से प्रभावित हुए हैं।

ऑटो सेक्टर के लिए बड़ा बदलाव

अमेरिका और चीन के बाद भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कार बाजार है, लेकिन इसका घरेलू ऑटो उद्योग अब तक सबसे अधिक संरक्षित क्षेत्रों में रहा है। वर्तमान में भारत आयातित कारों पर 70 प्रतिशत से लेकर 110 प्रतिशत तक शुल्क लगाता है, जिसकी आलोचना टेस्ला प्रमुख एलोन मस्क सहित कई वैश्विक उद्योग नेताओं ने की है।

एक सूत्र के अनुसार, सरकार प्रति वर्ष लगभग 2 लाख दहन इंजन वाली कारों पर आयात शुल्क तुरंत घटाकर 40 प्रतिशत करने का प्रस्ताव दे चुकी है। यह ऑटो सेक्टर को खोलने की दिशा में अब तक का सबसे आक्रामक कदम माना जा रहा है, हालांकि कोटा सीमा में बदलाव की संभावना बनी हुई है।

90% से ज्यादा वस्तुओं पर शुल्क घटेगा या खत्म होगा

भारत-ईयू एफटीए के तहत दोनों पक्ष आपसी व्यापार वाली 90 प्रतिशत से अधिक वस्तुओं पर आयात शुल्क को कम या पूरी तरह समाप्त करने पर सहमत हो सकते हैं।

कपड़ा और फुटवियर जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों के उत्पादों पर शुल्क पहले ही दिन से खत्म हो सकता है, जबकि कुछ अन्य वस्तुओं पर इसे पांच से दस वर्षों में चरणबद्ध तरीके से हटाया जाएगा। यह समझौता ऐसे समय पर अहम है जब अमेरिका द्वारा लगाए गए ऊंचे शुल्क वैश्विक व्यापार प्रवाह को प्रभावित कर रहे हैं और भारत को वहां 50 प्रतिशत तक के टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है।

भारत को निर्यात, ईयू को बाजार पहुंच

माना जा रहा है कि यह एफटीए भारतीय निर्यातकों को बाजार विविधीकरण में मदद करेगा और चीन पर निर्भरता घटाएगा। भारत इस समझौते के जरिए कपड़ा, चमड़ा और हथकरघा जैसे क्षेत्रों के लिए शून्य-शुल्क बाजार पहुंच चाहता है।

वहीं यूरोपीय संघ की नजर भारतीय बाजार में अपने ऑटोमोबाइल, वाइन और हाई-टेक विनिर्माण उत्पादों की पहुंच बढ़ाने पर है। संवेदनशील कृषि और डेयरी क्षेत्रों को फिलहाल समझौते से बाहर रखा गया है ताकि छोटे और सीमांत किसानों के हितों की रक्षा की जा सके।

व्यापार और निवेश में पहले से मजबूत संबंध

यूरोपीय संघ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। वित्त वर्ष 2024-25 में दोनों के बीच वस्तुओं का द्विपक्षीय व्यापार 136.53 अरब डॉलर रहा, जिसमें भारत का निर्यात 75.85 अरब डॉलर और आयात 60.68 अरब डॉलर था।ईयू भारत में एक प्रमुख निवेशक भी है। अप्रैल 2000 से सितंबर 2024 तक यूरोपीय संघ से भारत में कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 117.4 अरब डॉलर रहा है।

घरेलू उद्योगों के लिए खतरा नहीं: जीटीआरआई

आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव ने कहा है कि भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता घरेलू उद्योगों के लिए खतरा बनने के बजाय लागत घटाने और व्यापार विस्तार में सहायक होगा।

जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव के अनुसार, भारत और यूरोपीय संघ प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि साझेदार हैं, क्योंकि दोनों मूल्य शृंखला के अलग-अलग स्तरों पर काम करते हैं। भारत श्रम-प्रधान और प्रसंस्करण आधारित वस्तुओं का निर्यात करता है, जबकि यूरोपीय संघ पूंजीगत वस्तुओं, उन्नत प्रौद्योगिकी और औद्योगिक इनपुट की आपूर्ति करता है। यही पूरकता इस एफटीए को दोनों पक्षों के लिए लाभकारी बनाती है।

वृहद आर्थिक कारकों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

मुंबई, 26 जनवरी (एजेंसियां)।
घरेलू शेयर बाजारों में बीते सप्ताह आई तेज गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर आर्थिक सर्वेक्षण, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक और वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रम जैसे बड़े घरेलू व अंतरराष्ट्रीय कारकों पर टिकी रहेगी। इन संकेतकों के आधार पर ही बाजार की आगे की दिशा तय होने की संभावना है।अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ग्रीनलैंड से जुड़े मुद्दे पर यूरोपीय उत्पादों पर अतिरिक्त आयात शुल्क लगाने के संकेत से पिछले सप्ताह वैश्विक शेयर बाजारों में कमजोरी देखने को मिली। इसके साथ ही डॉलर के मुकाबले रुपये के ऐतिहासिक निचले स्तर तक फिसलने से घरेलू बाजारों में भी निवेश धारणा पर नकारात्मक असर पड़ा।वित्त वर्ष 2025-26 का आर्थिक सर्वेक्षण 29 जनवरी को संसद में पेश किया जाएगा, जिससे अर्थव्यवस्था की मौजूदा स्थिति और भविष्य के संकेत मिलेंगे। इसके अलावा दिसंबर महीने के औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़े भी इसी सप्ताह जारी होंगे।वैश्विक मोर्चे पर अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति बैठक 27-28 जनवरी को होने जा रही है, जिसके नतीजों पर दुनियाभर के निवेशकों की नजर रहेगी। भू-राजनीतिक और व्यापारिक तनावों में किसी भी तरह की प्रगति या बढ़ोतरी का सीधा असर बाजारों पर पड़ सकता है।बीते सप्ताह पांच में से चार कारोबारी दिनों में प्रमुख सूचकांकों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि गुरुवार को बाजार में थोड़ी राहत देखने को मिली।

बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स सप्ताह के दौरान 2,032 अंक यानी 2.43 प्रतिशत टूटकर शुक्रवार को 81,537.70 अंक पर बंद हुआ।नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 645.70 अंक यानी 2.51 प्रतिशत गिरकर 25,048.65 अंक पर सप्ताहांत में बंद हुआ।प्रमुख सूचकांकों की तुलना में मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में अधिक दबाव देखने को मिला।निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक में 4.65 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप-100 सूचकांक में 5.81 प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई।

एनएसई में सप्ताह के दौरान रियल्टी सेक्टर सबसे ज्यादा 11.33 प्रतिशत टूट गया। टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूह में 6.55 प्रतिशत की गिरावट रही।

रसायन और मीडिया सेक्टर के सूचकांक चार प्रतिशत से अधिक लुढ़के। वित्तीय सेवा, स्वास्थ्य और तेल एवं गैस समूहों में तीन से चार प्रतिशत के बीच गिरावट दर्ज की गई।ऑटो सेक्टर में 2.87 प्रतिशत, सार्वजनिक बैंकों में 2.53, निजी बैंकों में 2.40, फार्मा में 2.23 और आईटी सेक्टर में 2.17 प्रतिशत की गिरावट रही।सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 26 के शेयर सप्ताह के दौरान गिरावट में रहे।इटरनल में 10.05 प्रतिशत की सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई। अडानी पोर्ट्स का शेयर 8.01 प्रतिशत, रिलायंस इंडस्ट्रीज का 4.92, आईसीआईसीआई बैंक का 4.87 और टाइटन का 4.17 प्रतिशत टूट गया।ट्रेंट में 3.76 प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 3.17, एलएंडटी में 2.87, एनटीपीसी में 2.73, बजाज फिनसर्व में 2.68, एक्सिस बैंक में 2.66 और मारुति सुजुकी में 2.44 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।एशियन पेंट्स, आईटीसी, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पावरग्रिड और इंफोसिस के शेयर भी कमजोर रहे। इंडिगो, टाटा स्टील, बीईएल और अल्ट्राटेक सीमेंट भी लाल निशान में बंद हुए।

गिरावट भरे सप्ताह में हिंदुस्तान यूनिलीवर का शेयर 2.22 प्रतिशत की तेजी के साथ सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाला रहा। टेक महिंद्रा में 1.84 प्रतिशत, कोटक महिंद्रा बैंक में 0.94 प्रतिशत और एचसीएल टेक्नोलॉजीज में 0.45 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त दर्ज की गई।

केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र में 3.37 लाख मीट्रिक टन अरहर खरीद को दी मंजूरी

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)।
केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र में मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत 3.37 लाख मीट्रिक टन तूर (अरहर) की खरीद को मंजूरी दे दी है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने रविवार को इसकी जानकारी दी। मंत्रालय के अनुसार, इस खरीद पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के तहत लगभग 2696 करोड़ रुपये का व्यय अनुमानित है।मंत्रालय के बयान में कहा गया कि केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नई दिल्ली में आयोजित एक बैठक में महाराष्ट्र में तूर की खरीद को स्वीकृति दी। यह खरीद पीएसएस के अंतर्गत की जाएगी, जब बाजार में फसल की कीमत एमएसपी से नीचे चली जाती है।

बैठक के दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री ने महाराष्ट्र के विपणन मंत्री जयकुमार रावल के साथ खरीद से जुड़ी व्यवस्थाओं पर चर्चा की और नेफेड, एनसीसीएफ तथा राज्य के संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

किसानों के हित में सरकार प्रतिबद्धः चौहान

बैठक के दौरान शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि तूर की इस खरीद से केंद्र सरकार पर बड़ा वित्तीय भार पड़ेगा, लेकिन इसके बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार किसानों के हित में पूरी तरह प्रतिबद्ध है।उन्होंने कहा कि खरीद प्रक्रिया का सही और पारदर्शी तरीके से होना बेहद जरूरी है। किसानों से सीधी खरीद से बिचौलियों की भूमिका कम होगी और इसका वास्तविक लाभ किसानों तक पहुंचेगा।

पारदर्शिता के लिए तकनीक के उपयोग पर जोर

केंद्रीय मंत्री ने निर्देश दिए कि नेफेड और एनसीसीएफ राज्य सरकार के साथ समन्वय में खरीद प्रक्रिया संचालित करें, ताकि खरीद का लाभ वास्तविक किसानों तक पहुंचे।

वैश्विक अनिश्चितता के बीच सोना 5,000 डॉलर प्रति औंस के पार, चांदी ने भी बनाया नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)।
दुनिया भर में बढ़ती आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच कीमती धातुओं में जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है। सुरक्षित निवेश माने जाने वाले सोने की कीमतें 5,000 डॉलर प्रति औंस के पार पहुंच गई हैं और इसने नया ऐतिहासिक रिकॉर्ड बना लिया है। कारोबार के दौरान सोना 5,026 डॉलर प्रति औंस तक पहुंचा, जबकि चांदी भी पहली बार 102 डॉलर प्रति औंस के स्तर को पार कर गई।

दो साल में दोगुने से ज्यादा हुए दाम

गौरतलब है कि जनवरी 2024 में सोने की कीमतें 2,000 डॉलर प्रति औंस से थोड़ा ऊपर थीं। विशेषज्ञों के अनुसार, 2026 की ओर बढ़ते हुए सोना और चांदी दोनों मजबूत तेजी वाले बाजार में कारोबार कर रहे हैं। बीच-बीच में मामूली गिरावट के बावजूद कीमती धातुओं की तेजी बरकरार है।

मजबूत दीर्घकालिक कारणों से बनी तेजी

विश्लेषकों का मानना है कि मौजूदा दौर कमजोरी का नहीं बल्कि कीमतों के स्थिर होने का है। दीर्घकालिक मजबूत कारणों का प्रभाव अल्पकालिक उतार-चढ़ाव से कहीं ज्यादा दिखाई दे रहा है।

ऑनलाइन ट्रेडिंग और वेल्थटेक फर्म एनरिच मनी के सीईओ पोनमुदी आर. के अनुसार, सुरक्षित निवेश की बढ़ती मांग, केंद्रीय बैंकों द्वारा लगातार सोने की खरीद और वैश्विक स्तर पर नरम मौद्रिक नीतियों की उम्मीदें कीमतों को मजबूती दे रही हैं। उन्होंने कहा कि पहले जहां रेजिस्टेंस देखने को मिलता था, अब उन्हीं स्तरों पर मजबूत मांग उभर रही है, जिससे बाजार की मजबूती और बढ़ गई है।

चांदी का प्रदर्शन सोने से भी बेहतर

इस तेजी में चांदी ने सोने से भी बेहतर प्रदर्शन किया है। कॉमेक्स सिल्वर 100 डॉलर प्रति औंस के पार पहुंच चुकी है और नए रिकॉर्ड स्तर पर कारोबार कर रही है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि चांदी की मांग इसलिए भी मजबूत है क्योंकि इसका उपयोग निवेश के साथ-साथ औद्योगिक क्षेत्रों में भी बड़े पैमाने पर होता है।

2026 में भी मजबूत रहने की उम्मीद

जानकारों के मुताबिक मौजूदा तेजी किसी अफवाह या सट्टेबाजी का नतीजा नहीं है, बल्कि इसके पीछे ठोस आर्थिक कारण हैं।

कम आपूर्ति, निवेश और उद्योग दोनों क्षेत्रों से मजबूत मांग तथा वैश्विक नकदी की उपलब्धता आने वाले समय में भी कीमतों को सहारा देती रहेगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अल्पकाल में कीमतों में हल्की गिरावट आती भी है, तो वह सीमित होगी और निवेशक इसे खरीद के अवसर के रूप में देख सकते हैं। चांदी में आगे भी बेहतर प्रदर्शन की संभावना जताई जा रही है, जबकि सोना वैश्विक और आर्थिक अनिश्चितताओं से बचाव का सबसे भरोसेमंद साधन बना हुआ है। सोना और चांदी दोनों को केंद्रीय बैंकों की खरीद, मुद्राओं में उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक तनाव जैसे वैश्विक कारकों से लगातार समर्थन मिल रहा है।

भारत-यूरोपीय संघ पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते के लिए प्रतिबद्ध : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)।
केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) एक महत्वाकांक्षी और पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यूरोपीय संघ भारत के लिए न केवल एक महत्वपूर्ण आर्थिक बल्कि एक रणनीतिक साझेदार भी है।

सोशल मीडिया मंच पर साझा किए गए संदेश में मंत्री गोयल ने लिखा कि हम अपने व्यवसायों और लोगों की समृद्धि के लिए एक परस्पर लाभकारी और महत्वाकांक्षी भारत-ईयू एफटीए के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता को महत्व देते हैं।

यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त मारोस सेफकोविच का स्वागत करते हुए गोयल ने कहा कि पिछले एक वर्ष के दौरान दोनों पक्षों और उनकी टीमों के बीच निरंतर और रचनात्मक संवाद हुआ है, जिससे वार्ता एक ठोस और सकारात्मक परिणाम के बेहद करीब पहुंच गई है।

गोयल ने कहा कि यह बताते हुए मुझे खुशी हो रही है कि पिछले एक साल में हमारे और हमारी टीमों के बीच लगातार संवाद हमें एक फलदायी निष्कर्ष के करीब ले आया है।

भारत दौरे पर आए यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त मारोस सेफकोविच ने भी बातचीत को लेकर सकारात्मक संकेत दिए। उन्होंने बताया कि मंत्री पीयूष गोयल के साथ यह उनकी व्यक्तिगत रूप से दसवीं मुलाकात होगी।

मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि हम अपनी एफटीए वार्ता के समापन के बेहद करीब हैं। पिछला एक साल बेहद गहन रहा है 0संभवतः मेरा अब तक का सबसे व्यस्त व्यापारिक जुड़ाव 0जो इस समझौते के महत्व को दर्शाता है।

विशेषज्ञों के अनुसार भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता दोनों पक्षों के लिए व्यापार, निवेश, आपूर्ति शृंखला और रोजगार के नए अवसर खोल सकता है। यह समझौता भारत को वैश्विक बाजारों में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के साथ-साथ यूरोपीय कंपनियों को भी भारतीय बाजार तक बेहतर पहुंच प्रदान करेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कानून का...

बार (वकील) और बेंच (न्यायाधीश) को पूरक शक्तियों के रूप में कार्य करना चाहिए।

संविधान के विवेक रक्षक के रूप में न्यायपालिका पर एक भारी जिम्मेदारी है।

संविधान के मुख्य शिल्पकार डॉ. बी.आर. अंबेडकर और स्वतंत्रता सेनानियों की असाधारण विरासत को श्रद्धांजलि देते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि उनका दृष्टिकोण न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व पर आधारित भारत की नींव रखता है।

उन्होंने कहा, बाबा साहेब ने न्यायपालिका पर भरोसा किया था कि वह जनता की संप्रभु इच्छा को बनाए रखने के लिए संविधान के संरक्षक के रूप में खड़ी रहेगी।

कर्मचारियों और कानूनी बिरादरी का आभार

मुख्य न्यायाधीश ने उच्च न्यायालय, जिला और अन्य अदालतों के न्यायिक अधिकारियों और बार के सदस्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए आभार व्यक्त किया।

उन्होंने न्यायालय के उन कर्मचारियों के छिपे हुए और अदृश्य योगदान को भी विशेष रूप से स्वीकार किया, जिनके सामूहिक प्रयासों से राज्य की कानूनी मशीनरी सुचारू रूप से चलती है।

समारोह में उपस्थित गणमान्य व्यक्ति

इस कार्यक्रम में उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश, तेलंगाना बार काउंसिल के अध्यक्ष ए. नरसिम्हा रेड्डी, महाधिवक्ता ए. सुदर्शन रेड्डी, अतिरिक्त महाधिवक्ता मोहम्मद इमरान खान और टी. रजनीकांत रेड्डी, लोक अभियोजक पल्ले नागेश्वर राव, भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल बी. नरसिम्हा शर्मा, उप सॉलिसिटर जनरल एन. भुजंगा राव, हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ए. जगन सहित बार के सदस्य और न्यायिक अधिकारी शामिल हुए।

मीर आलम झील के...

यह टीम हैदराबाद के दक्षिणी हिस्से में शास्त्रीपुरम को चिंतलमेट से जोड़ने वाले 319.24 करोड़ रुपये के पुल के लिए प्रारंभिक सर्वेक्षण कर रही थी। इस पुल का निर्माण केएनआर कंस्ट्रक्शन

द्वारा किया जा रहा है। 24 महीनों की समय सीमा वाली इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य चिड़ियाघर

और अरामघर के पास यातायात की समस्या को दूर करना है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

ईसीआईएल में 77वें गणतंत्र दिवस का भव्य आयोजन

नए जोश और तकनीकी संकल्प के साथ मनाया गया उत्सव

हैदराबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) ने 26 जनवरी, 2026 को अपने फैक्ट्री परिसर में 77वां गणतंत्र दिवस अत्यंत उत्साह और उमंग के साथ मनाया। इस अवसर पर ईसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अनुराग कुमार ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और सीआईएसएफ टुकड़ी द्वारा प्रस्तुत गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया।

गणतंत्र दिवस के इस समारोह में परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय के छात्रों और ईसीआईएल कर्मचारियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक विविध श्रृंखला प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम के दौरान एक पुरस्कार वितरण समारोह भी आयोजित किया गया, जिसमें 40वें डीएई खेल आयोजन में पदक जीतने वाले छात्रों और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।इस राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर

ईसीआईएल की नई वेबसाइट का भी शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम को वरिष्ठ अधिकारियों, ईसीओए के अध्यक्ष और ईसीएमएस के अध्यक्ष ने संबोधित किया। इसी अवसर पर ईसीआईएल गौरव पत्रिका के 25वें अंक का विमोचन भी किया गया।

अपने संबोधन में सीएमडी और निदेशक (तकनीकी) ने नई चुनौतीपूर्ण प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में ईसीआईएल की भूमिका के प्रति प्रतिबद्धता और समर्पण का आश्वासन दिया। उन्होंने आपसी तालमेल और राष्ट्रीय महत्व के अधिक स्वदेशी उत्पादों के निर्माण पर जोर दिया। इस उत्सव में डॉ. अनेश कुमार शर्मा, ओएस एवं निदेशक (तकनीकी), प्रतीक कुमार चक्रवर्ती, निदेशक (वित्त), पी. कृष्ण कुमार, आईटीएस, सीवीओ, कार्यकारी निदेशक, महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष, ईसीअ-ोए और ईसीएमएस के पदाधिकारी तथा ईसीआईएल कर्मचारी अपने परिवारों के साथ शामिल हुए।

बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया

हैदराबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला में गणतंत्र दिवस के अवसर पर एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गौशाला से जुड़े पदाधिकारियों, सलाहकारों, कार्यकारिणी सदस्यों एवं गौभक्तों की उपस्थिति में राष्ट्रध्वज फहराया गया और गणतंत्र दिवस की महत्ता पर प्रकाश डाला गया।कार्यक्रम में गौशाला के अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, सचिव हुक्माराम सानपुरा, कोषाध्यक्ष नारायणलाल परिहार उपस्थित रहे। साथ ही सलाहकार भंवरलाल मुलेवा, भगाराम मुलेवा, शंकरलाल बर्फा, नेमाराम काग, किशनलाल पंवार, मांगीलाल, एन. आर. पटेल, फाऊलाल, मुकेश हाम्बड़ सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्यगण मौजूद रहे।महिला सदस्यों एवं गौभक्तों में माडी देवी काग, प्रेमा सानपुरा, पूजा हाम्बड़ सहित अन्य गौभक्तों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम के दौरान राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं संविधान के मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश दिया गया। उपस्थित जनों ने गौसेवा के संकल्प के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की भावना व्यक्त की। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

किसरा स्थित कुमावत समाज भवन में आयोजित गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में उपस्थित कुमावत समाज तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष तिलायचा सोनाराम कुमावत, कुमावत समाज किसरा अध्यक्ष पप्पुलाल बाकरेचा, संरक्षक सोहनलाल मानणिया व समाज बन्धु।

भारतीय स्टेट बैंक द्वारा वंदे मातरम के 150 वर्ष थीम के साथ 77वां गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित

हैदराबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय, हैदराबाद ने वंदे मातरम के 150 वर्ष की विशेष थीम के साथ 77वां गणतंत्र दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर हैदराबाद सर्कल के मुख्य महाप्रबंधक एस. राधाकृष्णन ने एलएचओ परिसर के उत्तरी लॉन में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। अपने संबोधन में एस. राधाकृष्णन ने सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और माननीय प्रधानमंत्री के उद्योग में उत्कृष्टता के आह्वान का उल्लेख करते हुए कहा कि उत्कृष्टता एक आदत है। उन्होंने टीम से इस मानसिकता को दैनिक जीवन में उतारने का आग्रह किया।उन्होंने रेखांकित किया कि स्थानीय प्रधान कार्यालय पूरे सर्कल के लिए मानक निर्धारित करता है। उन्होंने कहा, हमारे सभी टचपॉइंट्स जैसे शाखाओं, एटीएम और सीएसपी पर ग्राहकों को एसबीआई की वैश्विक प्रतिष्ठा सर्वश्रेष्ठ उपभोक्ता बैंक के रूप में अनुभव होनी चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि संस्कृति में यह बदलाव तेलंगाना के हर जिले में बैंक की बाजार हिस्सेदारी को 1% बढ़ाने के चेयरमैन के रणनीतिक विजन को प्राप्त करने में मुख्य भूमिका निभाएगा।

सीजीवम ने बुनियादी ढांचे की कार्यक्षमता पर कड़ा रुख अपनाते हुए 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि एसी, एटीएम से लेकर पासबुक

प्रिंटर तक, किसी भी मशीन का खराब होना सीधे तौर पर कर्मचारियों की उत्पादकता को कम करता है।

डिजिटल और वैकल्पिक चैनलों पर जोर:

उन्होंने नियमित लेनदेन को सीएसपी, कॉन्टैक्ट सेंटर, योनो (और इंटरनेट बैंकिंग जैसे वैकल्पिक चैनलों पर स्थानांतरित करने का आह्वान किया।

सर्कल में 1,200 शाखाओं की तुलना में 6,000 से अधिक सीएसपी और एटीएम मौजूद हैं।

एटीएम के लिए 95-98% अपटाइम का लक्ष्य निर्धारित किया गया।

शाखाओं को निर्देश दिया गया कि वे सुनिश्चित करें कि सीएसपी न केवल नाम के लिए सक्रिय हों, बल्कि राजस्व भी उत्पन्न करें, ताकि शाखा कर्मचारी ग्राहकों को उच्च-मूल्य वाली और जटिल सेवाएं प्रदान करने के लिए मुक्त हो सकें।

नैतिकता और 360-डिग्री व्यावसायिकता

संबोधन के समापन पर श्री राधाकृष्णन ने 360-डिग्री व्यावसायिकता और नैतिक सतर्कता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने एसबीआई परिवार की संस्कृति को बढ़ावा देते हुए सहयोगियों और अधीनस्थों के साथ उसी शिष्टता से व्यवहार करने को कहा जो वरिष्ठों के लिए रखी जाती है। उन्होंने धोखाधड़ी के प्रति आगाह करते हुए कुछ देखें, तो कहें का दृष्टिकोण अपनाने और बैंक प्रणालियों के सख्त पालन का आग्रह किया।

पुरस्कार और सांस्कृतिक कार्यक्रम

समारोह में महाप्रबंधक, वरिष्ठ अधिकारी, बैंक कर्मचारी और उनके परिवार शामिल हुए। कार्यक्रम का समापन सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुआ, जिसमें कर्मचारियों ने देशभक्ति गीतों और नृत्यों से समां बांध दिया।

सम्मान: खेल, शिक्षा और कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों के बच्चों को सम्मानित किया गया।

सराहना: बैंक के सशस्त्र गार्डों को उनके अनुकरणीय प्रदर्शन और कर्तव्य के प्रति प्रतिबद्धता के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

मिधानि ने देशभक्ति के जोश के साथ 77वाँ गणतंत्र दिवस मनाया

हैदराबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत भारत सरकार के उपक्रम मिश्र धातु निगम लिमिटेड ने 26 जनवरी 2026 को बड़े उत्साह और देशभक्ति के जोश के साथ 77वाँ गणतंत्र दिवस मनाया। समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि श्रीमती के. मधुबाला, निदेशक (वित्त), मिधानि द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई, जिसके पश्चात राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया। इसके उपरांत सीआईएसएफ द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया तथा परेड का निरीक्षण किया गया।

इस अवसर पर श्री पी. बाबू, निदेशक (उत्पादन एवं विपणन), ए. रविचंद्रन, महाप्रबंधक (मेल्ट्स, क्यूएम, पीएजी एवं एएमडी) एवं अध्यक्ष, मिधानि कल्याण समिति, साई राम, कोषाध्यक्ष, अध्यक्ष एमईए, राधेश्याम राठौर, सहायक कमांडेंट (सीआईएसएफ) तथा श्रीहरि, अध्यक्ष, मान्यता प्राप्त यूनियन एमडब्ल्यू एंड एसयू उपस्थित रहे।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्रीमती के. मधुबाला, निदेशक (वित्त), मिधानि ने गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह भारत के संविधान को अंगीकार करने का प्रतीक है तथा राष्ट्र के लोकतांत्रिक आदर्शों, एकता और संप्रभुता का प्रतीक भी है। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस प्रत्येक नागरिक और संगठन को राष्ट्र की प्रगति के प्रति अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का स्मरण कराता है। वर्ष की थीम वंदे मातरम् के 150 वर्ष पर बोलते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय गीत स्वतंत्रता संग्राम के समय से ही प्रेरणा और एकता का सशक्त स्रोत रहा है। उन्होंने मातृभूमि के प्रति देशभक्ति, बलिदान और समर्पण के इसके शाश्वत संदेश को रेखांकित करते हुए सभी कर्मचारियों से इन मूल्यों को अपने दैनिक कार्यों में आत्मसात करने का आह्वान किया। मिधानि के प्रदर्शन पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने वित्त वर्ष 2025026 के दौरान संगठन के प्रदर्शन को और सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कर्मचारियों से रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय के साथ किए गए समझौता ज्ञापन में निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु प्रतिबद्धता और टीम भावना के साथ कार्य करने का आग्रह किया, ताकि राष्ट्र की रक्षा तैयारियों एवं आत्मनिर्भरता में मिधानि के योगदान को और सशक्त बनाया जा सके।

कार्यक्रम के दौरान बीपीडीएवी स्कूल के छात्रों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समारोह में रंग और देशभक्ति की भावना भर दी। इस अवसर पर मिधानि में 25 वर्षों की समर्पित सेवा पूर्ण करने वाले कर्मचारियों को शॉल एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही 15 वर्षों की सेवा पूर्ण कर इस वर्ष सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। बीपीडीएवी स्कूल में अध्ययनरत मिधानि कर्मचारियों के उन बच्चों को, जिन्होंने शैक्षणिक वर्ष 2024025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, मेरिट स्कॉलरशिप प्रदान की गई।

समारोह का समापन वंदे मातरम् के सामूहिक गायन के साथ हुआ। कार्यक्रम का सफल संचालन श्री एनके जैन, अपर महाप्रबंधक (टाइटेनियम, आईसीपी एवं ईबीएम) द्वारा किया गया। यह आयोजन मिधानि में एक प्रेरणादायक और स्मरणीय गणतंत्र दिवस समारोह के रूप में संपन्न हुआ।

शमशाबाद बडेर में गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित

शमशाबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में शमशाबाद बडेर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें समाज बंधुओं और समिति के पदाधिकारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष, अखिल भारतीय सीरवी महासभा, तेलंगाना, हरजीराम काग उपस्थित रहे। साथ ही कार्यक्रम में अध्यक्ष आसाराम गेहलोत, उपाध्यक्ष चेलाराम काग, सचिव भोल-ाराम पंवार, सह सचिव नरेश परिहार, पूर्व उपाध्यक्ष मलाराम पंवार मौजूद थे।

शिक्षा समिति के अध्यक्ष केसाराम काग, उपाध्यक्ष भेराराम परिहारिया, सहकोषाध्यक्ष सोहनलाल मूलेवा, और सलाहकार रतनलाल बर्फा ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। इसके अलावा सदस्य रमेश हाम्बड़, रमेश पंवार, सोहनलाल बर्फा सहित महिला मंडल की अध्यक्षा पारी देवी काग, सलाहकार पतासी देवी परिहार तथा समाज बंधु गण की भी महत्वपूर्ण उपस्थिति रही।कार्यक्रम में राष्ट्रध्वज फहराया गया और उपस्थित जनों ने संविधान के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए सामाजिक एकता और सेवा के संकल्प लिए। समारोह राष्ट्रगान और भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ संपन्न हुआ।

आर्य कन्या विद्यालय में 77वां गणतंत्र दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

हैदराबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। आर्य कन्या विद्यालय हाई स्कूल, देवीदीन बाग, सुल्तान बाजार, हैदराबाद में 77वां गणतंत्र दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री गजानंदजी संघी के कर-कमलों द्वारा राष्ट्रीय गीत के साथ ध्वजारोहण किया गया। ध्वजारोहण से पूर्व विद्यार्थियों द्वारा ईश्वर स्तुति प्रार्थना मंत्र का सामूहिक पाठ किया गया।

मुख्य अतिथि एवं विशेष अतिथि श्री अनिल संघी का परिचय श्री सत्यनारायणजी शर्मा द्वारा कराया गया। विद्यालय की शिक्षा समिति के मंत्री प्रदीप जाजू एवं भक्त राम द्वारा मुख्य अतिथि का शाल एवं मोतियों की माला से सम्मान किया गया। इसी प्रकार विशेष अतिथि का सम्मान डॉ. प्रतापरुद्र एवं भरत मुनि द्वारा किया गया। वहीं श्रीमती अंगूरी देवी जी का सम्मान विद्यालय की मुख्य अध्यापिका श्रीमती उमा तिवारी एवं श्रीमती वाई पद्मा द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां पूरे उत्साह एवं आत्मविश्वास के साथ दीं, जिनकी उपस्थित जनों ने सराहना की। इस अवसर पर आयोजित रंगोली प्रतियोगिता एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं के पुरस्कार विशेष अतिथियों एवं गणमान्य सदस्यों द्वारा वितरित किए गए।

क्रीड़ा प्रांगण के भरत मुनि ने पर्व संदेश पढ़कर सुनाया। इसके पश्चात आर्य कन्या विद्यालय के उपाध्यक्ष डॉ. प्रतापरुद्र ने गणतंत्र दिवस का संदेश देते हुए धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर डॉ. प्रतापरुद्र, प्रदीप जाजू, सरिता तिवारी, मुख्य अध्यापिका श्रीमती उमा तिवारी, सत्यनारायण शर्मा, श्रीमती वाई पद्मा, श्रीमती चित्रा, श्रीमती हेमलता, भरत मुनि, चन्द्रुडू, श्रीमती ममता जैन, श्रीमती मधुलता, श्रीमती माधवी, जीनियस एकेडमी की श्रीमती सुधा ठाकुर, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

विशेष अतिथियों में श्रुतिकांत भारती, अशोक जाजू, रामचंद्र राजू, प्रेमचंद मुनोत, नितेश संघी, आत्माराम, श्रीमती आरती, अभिराम, कुमारी आनंदिता, सुजीत, अजीत एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का समापन शांति पाठ के साथ किया गया।

नामपल्ली व्यामशाला हाई स्कूल नामपल्ली में झंडा वंदन करते हुए महेश बैंक वाईस चेयरमैन गोविंद नारायण राठी। साथ में स्कूल के प्रेसिडेंट दुर्गा प्रसाद, सेक्रेटरी प्रवीण कुमार ,ट्रेजरर प्रदीप भार्गव एवं मनोज जायसवाल।

हैदराबाद शिक्षा विभाग के मेधावी कर्मचारियों को मिला सम्मान

कलेक्टर हरि चंदना दासारी ने सौंपे प्रशंसा पत्र

हैदराबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। 77वें गणतंत्र दिवस के गौरवशाली अवसर पर, हैदराबाद जिला कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट श्रीमती हरि चंदना दासारी ने स्कूल शिक्षा विभाग (डी.ई.ओ. हैदराबाद क्षेत्राधिकार) के मेधावी कर्मचारियों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान किए।यह सम्मान टीएनजीओ (TNGOs) यूनियन हैदराबाद के एसोसिएट अध्यक्ष और स्कूल शिक्षा विभाग हैदराबाद के अध्यक्ष श्री के.आर. राजकुमार, सचिव श्री एम. भास्कर और कार्यकारिणी के विशेष प्रयासों का परिणाम है। उनके द्वारा अनुशंसित 10 मेधावी कर्मचारियों के नामों को डी.ई.ओ. हैदराबाद श्रीमती रोहिणी ने स्वीकृति प्रदान की। इस प्रक्रिया को सहायक निदेशक श्री श्रीनिवास रेड्डी, अधीक्षक श्री जी. राजकुमार, वरिष्ठ सहायक श्री ख्वाजा शोएब अहमद और श्री फैयाज अहमद ने कुशलतापूर्वक संपन्न किया।

जिला कलेक्टर द्वारा निम्नलिखित 10 कर्मचारियों को उनकी कर्तव्यनिष्ठा के लिए सम्मानित किया गया:

श्री चंद्रशेखर रेड्डी (ऑडिटर),श्रीमती संध्या (वरिष्ठ सहायक),
श्री इमरान (वरिष्ठ सहायक),
श्रीमती उमादेवी (सेक्टोरियल ऑफिसर),
श्री वाई. पृथ्वी (सहायक सांख्यिकी अधिकारी),
श्री रूगेश (कनिष्ठ सहायक),
श्रीमती वाई. सौजन्या (लेखाकार),
श्रीमती के. सुकन्या (सिस्टम एनालिसिस),
श्री च. पवन कुमार (कार्यालय अधीनस्थ),
श्री जी. राजवीर रेड्डी (कार्यालय अधीनस्थ - मूक-बधिर श्रेणी),

इसके अतिरिक्त, शिक्षा विभाग के तीन उप-शैक्षिक अधिकारियों श्री गुप्ता, श्रीमती मधुनिका और श्रीमती हरिनिया को भी जिला कलेक्टर द्वारा प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए।इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए, इन सभी 10 मेधावी कर्मचारियों ने टीएनजीओ यूनियन हैदराबाद के एसोसिएट अध्यक्ष के.आर. राजकुमार को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया और यूनियन के निरंतर सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

झंडा ऊँचा रहे हमारा : जगतनारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। इन राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत पंक्तियों के साथ बेगम बाजार स्थित भूदेवी माता मंदिर के समीप गौशाला के सामने राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा गणतंत्र दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया।

समारोह के दौरान विधिवत ध्वजारोहण किया गया, राष्ट्रगान का सामूहिक गायन हुआ तथा उपस्थित सभी सदस्यों ने तिरंगे को सलामी देकर राष्ट्र के प्रति अपनी निष्ठा एवं समर्पण प्रकट किया। भारत माता की जय, वंदे मातरम् एवं देशभक्ति गीतों से पूरा परिसर देशप्रेम की भावना से गूंज उठा।

इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी जगतनारायण अग्रवाल ने राष्ट्रप्रेम पर प्रेरक संबोधन देते हुए कहा कि किसी भी राष्ट्र का वास्तविक उत्थान उसके नागरिकों की निष्ठा, कर्तव्यपरायणता एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण में निहित होता है। राष्ट्र की उन्नति ही प्रत्येक नागरिक की सच्ची उन्नति है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्र ने हमें क्या दिया से अधिक महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि हमने राष्ट्र को क्या दिया? अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का बोध ही एक सशक्त, समृद्ध एवं आत्मनिर्भर राष्ट्र की आधारशिला है। जगतनारायण अग्रवाल ने माँ भारती की सेवा में सदैव तत्पर वीर सैनिकों को नमन करते हुए देश की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि उन्हीं के त्याग और बलिदान के कारण आज हमारा तिरंगा पूरे गौरव के साथ विश्व पटल पर लहरा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान राधे-राधे ग्रुप के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने यह संकल्प लिया कि संस्था द्वारा समाज सेवा, अन्नदान, गौसेवा एवं मानव सेवा के कार्य निरंतर जारी रहेंगे तथा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए सेवा गतिविधियों का और अधिक विस्तार किया जाएगा।

इस अवसर पर जगतनारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, विनोद तोष्णीवाल, राजेश (योगाचार्य), शिव भगवान, अरुण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गीय, अर्चना शास्त्री एवं रेणु शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए अत्तापुर पार्षद संगीता गौरी शंकर।

इंकलाब सेना पार्टी ने मनाया 77वां गणतंत्र दिवस

फूट डालो और राज करो की नीति के खिलाफ दी कड़ी चेतावनी

हैदराबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। इंकलाब सेना पार्टी द्वारा 77वां गणतंत्र दिवस अत्यंत गर्व और उत्साह के साथ मनाया गया। इस शुभ अवसर पर पार्टी के अध्यक्ष आजाद ओमर, कोषाध्यक्ष राजेश मुदिराज और मुख्य टीम के सदस्य सलीम, संतोषी, आसिया व अन्य कार्यकर्ताओं ने बड़े गर्व के साथ शिरकत की।

समारोह के दौरान पार्टी के महासचिव एम. एम. हुसैन ने कड़ा रुख अपनाते हुए विभाजनकारी ताकतों को चेतावनी दी। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जो लोग समाज को बांटने के लिए रंगों (सांप्रदायिक आधार पर) को बदलने की बात करते हैं, इंकलाब सेना पार्टी उन्हें 1 लीटर हरा रंग और 1 लीटर नारंगी रंग भेजेगी।उनका यह बयान उन लोगों के प्रति एक प्रतीकात्मक विरोध था जो राजनीतिक लाभ के लिए रंग और धर्म के आधार पर भेदभाव पैदा करते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि तिरंगे के सभी रंग एकजुटता का प्रतीक हैं और इनका उपयोग विभाजन के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

डॉ. जी.पी. प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक के मार्गदर्शन में सी.सी.आर. ए.एस., राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद में 77 वे गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर ध्वजा रोहण किया गया और क्रांतिकारी और शहीदों को श्रद्धांजलि दी गईश्र इस अवसर पर प्रभारी सहायक निदेशक जी एवं विभिन्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने सुविचार प्रस्तुत किएश्र इस कार्यक्रम में सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

77 वें गणतंत्र दिवस पर गौलिगुडा सेंट्रल गुरुद्वारा के सामने शहीद भगतसिंहजी को माल्यार्पण कर राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह , सरदार मोना सिंह, मुकेश जैन चौहान, सतीश हुंडीया, सतपाल सिंह, मनमोहन सिंह अवैस मिर्ज़ा, रिदा कोडोस अनमोल सिंह, सुमित सिंह, आनंद जैन बोहरा एवं अन्य।

क्षत्रिय राजपूत सभा, कुतबीगूड़ा शाखा ने सोमवार को 77वें गणतंत्र दिवस को देशभक्ति समारोह, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और प्रभावशाली सामुदायिक सेवा पहलों के साथ उल्लासपूर्वक मनाया।

श्रीराम जानकी मंदिर अशोक नगर में अखंड हरि कीर्तन में मुख्य अतिथि कवि संतोष कुमार मिश्र माधुर्य एवं संगीत विचित्रा के कलाकार कीर्तिन करते हुए।

एसएसके समाज रहीमपुरा ने मनाया गणतंत्र दिवस।

प्रगति रेसिडेंशियल अपार्टमेंट में गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया।

शुभ लाभ का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/- Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive..................
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10X10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 51212020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS Hyderabad Balanagar

एनएमडीसी ने सम्पूर्ण भारत में 77वां गणतंत्र दिवस मनाया

जिम्मेदार खनन और राष्ट्र-निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की

हैदराबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक और जिम्मेदार खननकर्ता एनएमडीसी ने 77वां गणतंत्र दिवस देशभक्ति के जोश और प्रगति की भावना के साथ हैदराबाद स्थित अपने कॉर्पोरेट कार्यालय तथा देशभर में स्थित खनन परियोजनाओं में मनाया। इस अवसर पर एनएमडीसी ने भारत के आधारभूत संरचना के विकास और सुस्थिर भविष्य में एक प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में अपनी भूमिका की पुनः पुष्टि की।

श्री अमिताभ मुखर्जी, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक ने एनएमडीसी मुख्यालय में वरिष्ठ प्रबंधन और कर्मचारियों की उपस्थिति में राष्ट्र ध्वज फहराया। इस कार्यक्रम में श्री विनय कुमार, निदेशक (तकनीकी), श्री जॉयदीप दासगुप्ता, निदेशक (उत्पादन), श्रीमती जी. प्रियदर्शिनी, निदेशक (मानव संसाधन), श्री सी. नीलकंठ रेड्डी, मुख्य सतर्कता अधिकारी, तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

सभा को संबोधित करते हुए, श्री अमिताभ मुखर्जी ने जिम्मेदारी और नवाचार पर आधारित एनएमडीसी की विकास यात्रा को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, वैज्ञानिक, सुस्थिर प्रथाओं और खुशियां फैलाने वाली हमारी कंपनी जिम्मेदार खनन में वैश्विक मानक के रूप में उभर रही है। उन्होंने आगे कहा कि एनएमडीसी वित्त वर्ष 2025 में देश के अवसंरचना विकास आकांक्षाओं 50 मिलियन टन से अधिक का योगदान देगा। दिसंबर 2025 तक, हमने 36.9 मिलियन टन अयस्क का उत्पादन किया जो पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि की तुलना में 20 प्रतिशत अधिक है। जनवरी 2026 में, एनएमडीसी ने झारखंड के तोकीसूद नॉर्थ कोल ब्लॉक में खनन संचालन प्रारम्भ किया और अपने पोर्टफोलियो में नया खनिज, नई खान और नया भौगोलिक क्षेत्र जोड़ा। उन्होंने कहा कि यह तो वर्षभर की हमारी योजनाओं की शुरुआत भर है। श्री मुखर्जी ने आगे कहा कि हमने उच्च मानक स्थापित किए हैं, ऐसे मानक जो एनएमडीसी के भीतर और बाहर दोनों ही जगह आत्मविश्वास और सराहना को प्रेरित करते हैं। और इसीलिए हमें प्रतिष्ठित ग्रेट प्लेस टू वर्क प्रमाणन प्राप्त हुआ है।

गणतंत्र दिवस केविभिन्न आयोजनों में एनएमडीसी ने छत्तीसगढ़ और कर्नाटक में अपने परियोजनाओं में गणतंत्र दिवस रन का आयोजन किया, जो एकता, स्वास्थ्य और सामूहिक प्रगति का प्रतीक है। बचेली और किरंदुल परियोजनाओं में आयोजित इस दौड़ में एनएमडीसी की ब्रांड एंबेसडर और दो बार की विश्व चैम्पियन बॉक्सर, सुश्री निकहत ज़रीन, उपस्थित रहीं, जिन्होंने अपनी उपस्थिति और दृढ़ता के संदेश से प्रतिभागियों को प्रेरित किया।

गणतंत्र दिवस रन ने समग्र स्वास्थ्य, कर्मचारियों के कल्याण और मजबूत सामुदायिक सहभागिता के प्रति एनएमडीसी की प्रतिबद्धता को उजागर किया, जो संगठन की मानव-केंद्रित दृष्टिकोण को दर्शाता है।

साथ मिलकर काम करने की भावना और राष्ट्र-निर्माण की भावना को और मजबूत करते हुए, एनएमडीसी ने द हिंदू के सहयोग से छात्रों के लिए शतरंज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया, जिससे रणनीतिक सोच और खेल भावना को प्रोत्साहन मिला। विजेताओं को समारोह के दौरान सम्मानित किया गया, युवा प्रतिभा का जश्न मनाया गया और टीमवर्क को बढ़ावा दिया गया। कंपनी ने कर्मचारियों के लिए भी खेलों का आयोजन किया, और विजेताओं को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया।

एनएमडीसी की सभी परियोजनाओं एवं कार्यालयों में गणतंत्र दिवस समारोह ने भारत के विकास, सतत खनन प्रथाओं और समावेशी भविष्य के प्रति संगठन की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाया। एनएमडीसी जिम्मेदारी से खनन करते हुए राष्ट्र की प्रगति को शक्ति प्रदान कर रहा है।

कोरेमुला स्थित श्री आईमाता जी मंदिर बडेर में गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित

हैदराबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोरेमुला स्थित श्री आईमाता जी मंदिर बडेर में गणतंत्र दिवस के अवसर पर एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मंदिर समिति के पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों एवं समाज बंधुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर अध्यक्ष कालूराम काग, उपाध्यक्ष राजाराम पंवार, सह सचिव राजूराम गेहलोत उपस्थित रहे। साथ ही सलाहकार पुनाराम हाम्बड़, रमेश हाम्बड़, हुक्मराम सेपटा, अर्जुनसिंह राठौड़, भीकाराम पंवार, देवाराम परिहारिया, खीवाराम गेहलोत, बाबूलाल काग सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्यगण व समाज बंधु कार्यक्रम में मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रध्वज फहराया गया और उपस्थित जनों ने संविधान के मूल्यों को आत्मसात करने तथा सामाजिक एकता और सद्भाव बनाए रखने का संकल्प लिया। समारोह राष्ट्रगान के साथ संपन्न हुआ।

जीडिमेटला स्थित श्री आईमाता जी मंदिर (बडेर) में गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित

हैदराबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में श्री आईमाता जी मंदिर (बडेर) में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज के कई गणमान्य व्यक्तियों और समिति के पदाधिकारियों ने भाग लिया।कार्यक्रम में संरक्षक मांगीलाल काग, अध्यक्ष रावतराम बर्फा, उपाध्यक्ष सोहनलाल परिहार, उपाध्यक्ष दुर्गाराम मुलेवा, सचिव प्रेम पंवार, सह सचिव मंगलराम पंवार, कोषाध्यक्ष भंवरलाल काग सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्यगण और समाज गणमान्य उपस्थित रहे।

समारोह में राष्ट्रध्वज फहराया गया और सभी ने संविधान के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए सामाजिक एकता और सामुदायिक सेवा के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक राष्ट्रगान और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुआ।

चूड़ी बाजार चौराह पर राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए भाजपा नेता मुकेश कुमार सोनी। साथ में हैं रजनीश भाई, आकाश यादव, बब्बू, पवन, जगदीश भाई, शेखर अन्ना, बब्बू व अन्य।

बालाजी नगर स्थित श्री आईमाता जी मंदिर बडेर में आयोजित गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष जयराम पंवार, सचिव हीरालाल चोयल,सह सचिव डुगाराम सोलंकी, कोषाध्यक्ष नरेश कुमार सोलंकी, घेवरचन्द्र चोयल, सोहनलाल, समस्त कार्यकारिणी व समाज बन्धु।

अग्रवाल शिक्षा समिति में 77वां गणतंत्र दिवस समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। आज का दिन सभी देशवासियों और अपने प्रिय देश के लिए बड़ा ऐतिहासिक दिन है। आज के समारोह के लिए भारत सरकार द्वारा दो थीम निर्धारित किए गए वंदे मातरम के 150 वर्ष तथा दूसरा समृद्धि का मंत्र आत्मनिर्भर भारत। हम सभी देशवासी अपनी संप्रभुता, स्वतंत्रता व संपन्न गणराज्य का उत्सव मना रहे हैं एवं भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों एवं कर्तव्यों का निर्वाह भी कर रहे हैं। आज ही के दिन 76 वर्ष पूर्व एक नवोदित स्वतंत्र राष्ट्र के संविधान का निर्माण हुआ और भारत का संविधान विश्व में एक आदर्श संविधान माना गया। गणतंत्र दिवस का आयोजन हम अपने असंख्य स्वतंत्रता वीरों एवं संविधान निर्माताओं का आभार प्रदर्शन कर यह दोहराते हैं कि हम सदैव उनके ऋणी रहेंगे।

इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया जी ने ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम का श्री गणेश परंपरागत विधि से मातृ वंदना गीत वंदे मातरम् से हुआ।

इस अवसर पर एन.सी.सी कैडेट्स समिति द्वारा संचालित अग्रवाल हाई स्कूल (हिन्दी मीडियम) एवं जी.के.पी.एस, एल.बी,एम, टी के विद्यार्थीयों ने मार्च पास्ट द्वारा अनुशासन एवं सहभागिता का प्रदर्शन किया।

राधे कृष्ण वूमेन्स कॉलेज की हैड गर्ल अमतुल फातिमा व एस. डी. सिग्नोडिया कॉलेज के हेड बॉय रंजन वर्मा ने अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया जी को पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

इस अवसर पर उपस्थित श्रोताओं को संबोधित करते हुए मानद मंत्री सी. ए. नवीन कुमार अग्रवाल ने कहा कि अग्रवाल शिक्षा समिति की सभी संस्थाओं के अनुभवी शिक्षकों के ज्ञान से विद्यार्थी लाभान्वित होकर प्रगति के पथ पर बढ़ रहे है । एन.सी.सी कैडेट्स का प्रदर्शन सराहनीय है। मैं चाहता हु कि अधिक से अधिक विद्यार्थी एन.सी.सी. में भाग ले तथा अपने कौशल से देश की रक्षा में अपना योगदान दे। जो भविष्य निर्माण में लाभदायक होगा।अवसर पर एस.डी.सिग्नोडिया कॉलेज के कॉरेस्पॉन्डेंट श्री मुकंदलाल जी अग्रवाल ने ने 77 वे गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए अपने संदेश में कहा कि आज संस्थाओं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, मैं चाहता हूं कि शिक्षक विद्यार्थी की प्रतिभा को परखे उन्हें उत्साहित कर प्रतिभा प्रदर्शन का अवसर प्रदान करे। जिससे समिति का नाम रौशन हो ।सभा को संबोधित करते हुए शिक्षा समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार जी केडिया ने कहा कि हम आज 77वा गणतंत्र दिवस मना रहे है। यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि अग्रवाल शिक्षा समिति शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। गणतंत्र दिवस एक राष्ट्रीय त्यौहार है। हमें अनुशासन और उद्देश्य के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होने संविधान की विभिन्न धाराओं का उल्लेख करते हुए जनता के द्वारा बनाया गया और जनता के लिए उपयोगी संविधान की महत्ता बताई। इस समारोह में एन.सी.सी कैडेट्स के लिए रैंक सेरेमनी (अलंकरण समारोह) का आयोजन हुआ जिसमें विभिन्न स्तरों के कैडेट्स को उनके रैंक प्रदान किए गये ।विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों ने सामूहिक ड्रिल का प्रदर्शन किया। आर.के.डब्लू. कॉलेज एवं डी.बी गर्ल्स जूनियर कॉलेज की छात्राओं ने आत्म सुरक्षा तकनीक का प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर मंचासीन समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार केड़िया, समिति के मानद मंत्री एवं इस कार्यक्रम के चेयरमैन सी. ए. नवीन कुमार अग्रवाल, संयुक्त मंत्री एवं जी.के.पी.एस स्कूल के करेस्पॉन्डेंट राजेश कुमार अग्रवाल, एस.डी.सिग्नोडिया कॉलेज पी.जी के करेस्पॉन्डेंट मुकंदलाल जी अग्रवाल, एल.बी.एम.टी. स्कूल के समन्वयक प्रदीप कुमार, बी.बी.एम. एस के कॉरेस्पॉन्ट व कार्यक्रम के निर्देशक शेष कुमार गोयल रहे।

कार्यक्रम के संयोजक अकादमिक निर्देशिका डॉ0 सरोज जैन, संयुक्त निर्देशक डॉ0 राजेश अग्रवाल, सी. ए. ओ. श्रीमती आराधना मोदानी, श्री उमेश कुमार उपस्थित रहे। समन्वयक श्री गोवर्धन दास, विनोद कुमार, राजेश वंगानी, स्टैंडली एवं सुभाष सिंह के सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सभी संस्थाओं के प्रधान गण, शिक्षक गण, विद्यार्थी गण, एवं कर्मचारी गण ने उत्साह से भाग लिया।

कार्यक्रम का संचालन एम.बी.ए. की निर्देशिका डॉ0 पल्लवी रंगनाथन ने व आभार प्रदर्शन एल. बी.एम.टी. स्कूल की शिक्षिका प्रीति अनुप्रीता ने किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

अवसर पर एल.बी.एम.टी. स्कूल के समन्वयक श्री प्रदीप कुमार ने अपने संदेश में कहा कि आज का गणतंत्र दिवस पर हमे यह प्रण लेना चाहिए कि हम एक जिम्मेदार नागरिक बनाएंगे और देश की लिए कार्य करेंगे।

पावरग्रिड (दक्षेपाप्र-1) में 77वाँ गणतंत्र दिवस मनाया गया

हैदराबादा, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। 77वां गणतंत्र दिवस पावरग्रिड दक्षिणी क्षेत्र पारेषण प्रणाली-1, मुख्यालय सिकंदराबाद में मुख्य अतिथि दोमन यादव, कार्यपालक निदेशक (दक्षेपाप्र-1) द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराकर मनाया गया।

श्री यादव ने अपने संबोधन में कहा कि गणतंत्र दिवस उस ऐतिहासिक क्षण की गर्वित याद दिलाता है जब भारत ने अपना संविधान लागू किया और एक संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में उभरा। उन्होंने जोर देकर कहा कि संविधान सभा के सदस्यों की गहन विचार-विमर्श ने राष्ट्र को एक दूरदर्शी ढाँचा प्रदान किया है, जो आज भी भारत की प्रगति का मार्गदर्शन करता है। भारत की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरने पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि निरंतर सुधार और सामूहिक प्रतिबद्धता ने हमारे लोकतांत्रिक आधार को मजबूत किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत तेजी से तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वे एक अधिक प्रगतिशील, समावेशी और सशक्त राष्ट्र के निर्माण में योगदान दें।

इस अवसर पर प्रवीण कुमार टीवीएस, मुख्य महाप्रबंधक (एसेट मैनेजमेंट), वेंकट एसवी, मुख्य महाप्रबंधक (वित्त), अरुण कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन), वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी, उनके परिवारजन और बच्चे उपस्थित थे। तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के कुछ हिस्सों में स्थित पावरग्रिड, दक्षेपाप्र-1 के सभी प्रतिष्ठानों में गणतंत्र दिवस उल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया।

नामपल्ली में गणतंत्र दिवस पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद ने किया अन्नदान

हैदराबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में 76वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन के समीप पिलर नंबर 1265-ए के पास अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर जरूरतमंद एवं वंचित लोगों को निःशुल्क भोजन वितरित कर मानव सेवा का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राष्ट्र सेवा के साथ-साथ समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की सेवा ही सच्ची देशभक्ति है। राधे-राधे ग्रुप द्वारा निरंतर किए जा रहे सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

आज की सेवा श्रीमती सुनीता देवी एवं श्री श्याम सुंदर जी लाहोटी की वैवाहिक वर्षगांठ के उपलक्ष्य में की गई।

अन्नदान कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जयप्रकाश सारदा, कैलाशचंद केडिया, निर्मला केडिया, युवान केडिया, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, गोपाल गोयल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, मनीष अग्रवाल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, भाकरराम कुमावत, कमला देवी कुमावत, अशोक गुप्ता (एसजे), सुनीता देवी, श्याम सुंदर लाहोटी, राजेश नथानी, अनीता नथानी, सुची गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दें

गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में 77वें गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए विधायक टी. राजा सिंह।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर महात्मा गांधी की वेशभूषा में पारोश्री एवं रानी लक्ष्मी बाई की वेशभूषा में धान्वी।

गोशामहल संभाग के पार्षद लाल सिंह ने चुडी बाजार, रानी अवंती बाई चौक एवं विभिन्न स्थानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर 77वां गणतंत्र दिवस मनाया।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर शालीबंडा में आयोजित कार्यक्रम में सुभाषचंद बोस की वेशभूषा में प्रांश ने राष्ट्रीय ध्वज को नमन किया।

घाँसी बाज़ार एसोसिएशन के तत्वाधान में घाँसी बाज़ार चौराहे पर 77वें गणतंत्र दिवस पर गोलकोंडा संभाग भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष टी. उमा महेंद्र ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। अवसर पर सुरेंद्र,कुणाल राव, किरन तायल, बद्री प्रशाद, आशीष अग्रवाल एवं अन्य उपस्थित थे।

बेगम बाजार छत्री के पास गणवतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रका नेतृत्स तेदेपा के केडी दिनेश द्वारा आयोजित किया गया।

77 वें गणतंत्र दिवस पर भाजपा प्रदेश कार्यालय मे झंडा वंदन करते हुए भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह, सरदार मोना सिंह, मुकेश जैन चौहान , सतीश हुंडीया, सतपाल सिंह , मनमोहन सिंह अवैस मिर्ज़ा , रिदा कोडोस अनमोल सिंह, सुमित सिंह एवं अन्य।

लाल दरवाजा स्थित तीन नेहरू प्रतिमाओं के पास संघमित्रा एसोसिएशन द्वारा 77वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया।

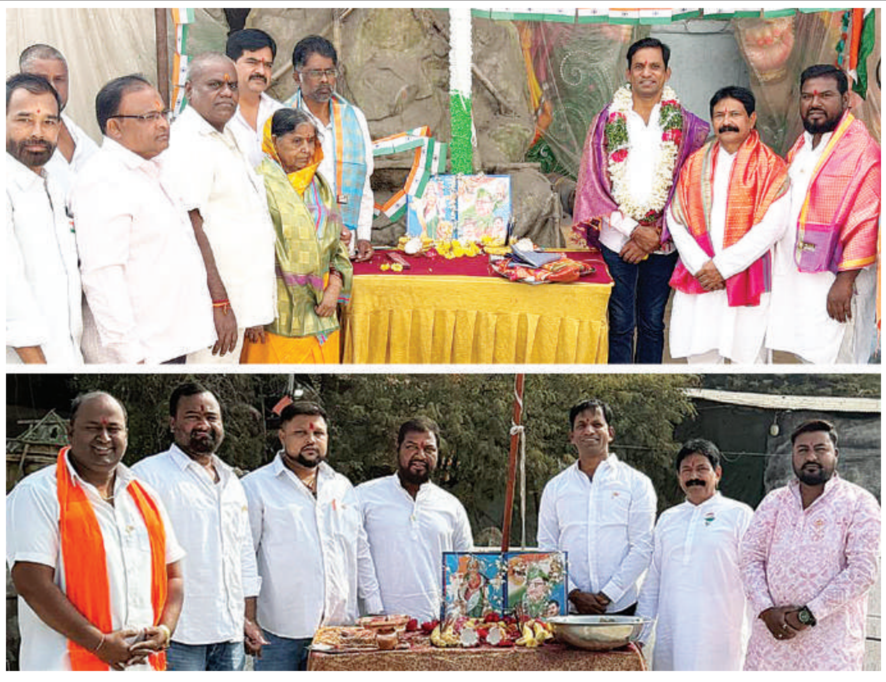

लोध क्षत्रिय सदर पंचायत द्वारा 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर रानी अवंती बाई भवन परिसर तथा बलराम गली स्थित मगन सिंह स्मारक स्थल पर झंडा वंदन करते हुए अध्यक्ष मातावालेमहेश सिंह, राजेश सिंह, शैलेंद्र सिंह, बी. शिवा सिंह, बी. राजा सिंह, अंगद सिंह, अमरदीप सिंह, कांग्रेस नेता पं. सुधीर कुमार तिवारी, गोपाल सिंह, एडवोकेट विशाल सिंह, बब्बन सिंह व अन्य।

रानी पार्क वाकर्स एसोसिएशन द्वारा रानी पार्क, कोठी में 77वां गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित

हैदराबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। रानी पार्क वॉकर्स एसोसिएशन के तत्वावधान में बैंक स्ट्रीट, कोठी स्थित रानी पार्क में 77वां गणतंत्र दिवस बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत औपचारिक ध्वजारोहण के साथ हुई, जो देशभक्ति, एकता और संविधान के प्रति सम्मान का प्रतीक था।

राष्ट्रीय ध्वज का आरोहण समाजसेवी श्री ओमप्रकाश जी और बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष श्री एन. आर. लक्ष्मण राव द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए श्री ओमप्रकाश जी ने संवैधानिक मूल्यों के महत्व, नागरिक उत्तरदायित्वों और राष्ट्र की एकता व अखंडता की रक्षा करने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया।इस कार्यक्रम में वॉकर्स एसोसिएशन के सदस्यों और स्थानीय निवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस गरिमामयी अवसर पर कृष्णा, श्रीनिवास मालू, श्री रामुलु, विजय, भास्कर रेड्डी, प्रसाद, लक्ष्मण, किरण, दीक्षिता सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे, जिनकी उपस्थिति ने गणतंत्र दिवस के इस आयोजन को सफल और सार्थक बनाया।

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप

श्रीमती सुनीता देवी-श्री श्याम सुंदर लाहोटी
के मंगल परिणय की वर्षगाँठ के अवसर पर
सेवा : लाहोटी जी परिवार
वितरण स्थल : मेट्रो पिल्लर नं. A-1265, पब्लिक गार्डन रोड
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

ग्यारस उद्यापन कार्यक्रम
बुधवार 28 जनवरी 2026 (दशम)
कलश यात्रा प्रातः 8.15 बजे
हवन प्रातः 10.15 बजे
भोजन-प्रसादी सायं 6.15 बजे
भजन संध्या रात्रि 9.15 बजे से
गुरुवार 29 जनवरी 2026 (ग्यारस)
बाबा रामदेवजी का घोड़ा चढ़ावा
प्रातः 7.15 बजे से जीडिमेटला मंदिर (बडेर)
से चैनाईगुड़ी मंदिर (गौशाला) बालनगर हैदराबाद

* भजन गायक *
भैराराम सैणचा
भुराराम सैणचा एण्ड पार्टी

कवरेज पत्रकार जगदीश सीरवी
* शुभ स्थल *
श्री आईमाताजी मंदिर (बडेर) जीडिमेटला, हैदराबाद
निवेदन : भक्तों से निवेदन है पधारकर दर्शन, भजनों व महाप्रसादी का लाभ लेकर कार्यक्रम को सफल बनावे
निवेदक: राजस्थानी महिला मित्र मंडल जगदगिरीगुट्टा, आलविन कालोनी हैदराबाद
* सम्पर्क *
* नेमाराम सैणचा 98492 37881 * लुम्बाराम सैणचा 94410 83873
* पोकरराम सीन्दड़ा 99482 84919 * अमराराम बर्फा 91820 34925
AAIMAA ADS

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.